मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	18.4
जमशेदपुर	33.0	15.8
डालटनगंज	32.4	13.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 323

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC) तथा मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना

का शुभारंभ कार्यक्रम

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की विशेषता

1 झारखण्ड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण ऐसे विद्यार्थी जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं वैसे छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना ताकि छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र/संस्थान जैसे-Engineering, Medical, Law, Research, IITs, IIMs आदि में शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिले।

2 विद्यार्थियों को ऋण के रूप में अधिकतम ₹15 लाख तक की राशि बैंकों के माध्यम से बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यार्थियों को मात्र 4% साधारण ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा, शेष ब्याज की राशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। ऋण वापसी की अवधि 15 वर्ष तक की निर्धारित की गई है जिसके लिए विद्यार्थियों से किसी प्रकार की जमानती सुरक्षा (Collateral Security) नहीं ली जाएगी। ऋण प्राप्ति के लिए किसी तरह की इनकम क्राइटेरिया निर्धारित नहीं की गई है।

3 ऋण वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूर्ण होने के 1 वर्ष बाद प्रारंभ करने का विकल्प तथा अध्ययन की अवधि में ही ऋण का ब्याज चुकाने पर विद्यार्थी को ब्याज के दर में 1% की छूट भी दिए जाने का प्रावधान है।

मुख्य अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड

श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

दिनांक: 11 मार्च 2024

समय: 11:30 पूर्वाह्न

स्थान : टाना भगत स्टेडियम, खेलगांव, रांची

मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना की विशेषता

1 राज्य की छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के उद्देश्य से मांकी मुण्डा छात्रवृत्ति योजना जिसमें राज्य के राजकीय/निजी /P.P.P मोड पर संचालित डिप्लोमा स्तरीय कोर्स में नामांकित तथा झारखण्ड राज्य स्थित विद्यालय से 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्राओं को डिप्लोमा कोर्स हेतु ₹15,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी

2 झारखण्ड राज्य के राजकीय / निजी /P.P.P मोड पर संचालित अभियंत्रण महाविद्यालयों में बी.टेक/ बी.ई. कोर्स में झारखण्ड राज्य के विद्यालय से 10वीं एवं 12वीं कक्षा (अथवा समकक्ष) उत्तीर्ण छात्राओं को बी. टेक/ बी.ई. कोर्स हेतु ₹30,000 प्रोत्साहन राशि प्रति वर्ष प्रदान की जायेगी।

3 जिस छात्रा के परिवार का विगत वर्ष में सभी प्रकार के आय के स्रोतो को मिलाकर सकल वार्षिक आय अधिकतम ₹8 लाख तक प्रति वर्ष है या लाभुक राष्ट्रीय/राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित हैं उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लाभ मिलेगा।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

कल्पना सोरेन के बाद बसंत आए फार्म में, बाबूलाल को दी चुनौती

कहा - झारखंड की 14 में से एक भी सीट जिताकर दिखा दें तो मान जाऊंगा

विशेष संवाददाता। रांची

भाभी कल्पना सोरेन के बाद उनके देवर और राज्य के नए पथ निर्माण मंत्री बसंत सोरेन पूरे फार्म में नजर आ रहे हैं. बसंत रविवार को जामताड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने पिछले दिनों के मरांडी के संथाल के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि बगल में नौटंकीवाला आया था. वो क्यों आया था समझ में नहीं आया. वहां नारा लग रहा था अबकि बार 400 पार. लेकिन मैं इस मंच से ऐलान करना चाहता हूं कि अबकि बार चार भी पार नहीं होगा. झारखंड की बात करें तो इसी मंच से मैं चैलेंज करता हूं कि अगर मां का लाल है, तो 14 सीट में से एक भी सीट जीत कर दिखा दे तो मैं मान जाऊंगा.

यह झारखंड हमारा है यहां के हर बच्चों का है

बसंत सोरेन यहीं नही रुके, कहा कि बड़ा चिल्ला कर कह रहा था सोरेन परिवार परिवारवाद करता है. हेमंत सोरेन जमीन लूटता है. जहां देखो हेमंत सोरेन की जमीन है. हम छाती ठोंक के कहते हैं कि है बिल्कुल है. ये पूरे झारखंड की जमीन हेमंत सोरेन की है. यहां के हर बच्चे का झारखंड है. तुम्हारा वजूद क्या है. उससे पूछना चाहिए तुम्हारा वजूद क्या है. हेमंत सोरेन ने हमेशा कहा कि हर घर में हेमंत है.

कौन बाप नहीं चाहता कि बेटा उसका बोझ संभाले

बंसत ने भाजपा और मरांडी के परिवार वाद के आरोप पर कहा कि परिवारवाद की बात करते हैं ये लोग. कौन बाप है जो नहीं चाहता कि उसका बेटा अगर लायक है तो उसका बोझ संभाले. हर वो बाप चाहता है कि मेरा बेटा लायक है तो वो बोझ संभाले. हेमंत सोरेन ने बोझ संभाला तो क्या गलती की.

इनके परिवार का पता करें तो ब्लैंक मिलेगा

बसंत सोरेन ने बाबूलाल मरांडी के परिवार पर हमला करते हुए कहा कि इनका तो परिवार ही नहीं है. परिवार का पता करिए तो ब्लैंक मिलेगा. कौन मां है कौन बीवी है, कौन बच्चा है. वो आदमी क्या समझेगा, जिसका परिवार ही नहीं. परिवार की बात करते हैं. बड़ा चिल्लाकर कहते हैं परिवारवाद.

वह किस दल से है क्या वजूद है वह भी नहीं पता

उन्होंने बाबूलाल मरांडी को कटाक्ष करते हुए कहा कि उस मंच पर एक बहुत बढ़िया नौटंकीवाला हायर किया गया था. हायर इसलिए कह रहा हूं कि वह किस दल का है पता नहीं. उसका वजूद उसको खुद पता नहीं.

भारत ने पूरे विश्व को एक कुटुंब माना : डॉ. वाजपेयी

संवाददाता। रांची

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. इसके मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के कुलपति डॉ. डीएन वाजपेयी शामिल रहे. विकास की परिकल्पना को साकार करना चाहता है और भारत ने पूरे विश्व को एक कुटुंब माना है. उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि अपने देश के धरोहरों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है. भारत राष्ट्र सदियों से ज्ञान को समस्त पूरे विश्व में विस्तृत करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करते आया है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्या शामिल रहे.

ब्रीफ खबरें

रांची-वाराणसी वंदे भारत का शुभारंभ कल होगा

रांची। 12 मार्च से रांची से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अहमदाबाद से वर्चुअली रांची वाराणसी वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे. इस ट्रेन के शुरू हो जाने से रांची से वारणसी का सफर 7 घंटे 50 मिनट में पूरा किया जा सकेगा. इसमें कुल 8 कोच होंगे, जिसमें कुल 530 बर्थ होंगे. रांची से यह ट्रेन हफ्ते में गुरुवार को छोड़कर 6 दिन चलेगी. इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी रांची जोन के 3 और परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले हैं.

सिविल जज नियुक्ति परीक्षा 46 केंद्रों पर हुई

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने रविवार को सिविल जज जूनियर डिविजन की नियुक्ति के लिए परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न् हुई. प्रारंभिक परीक्षा के लिए रांची में 46 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे. 138 पदों के लिए परीक्षा हुई. 138 पदों के लिए कुल 21007 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है. परीक्षा दो घंटे की हुई. परीक्षा 100 अंकों की हुई. परीक्षार्थियों को परीक्षा से 30 मिनट पहले पहुंचना था. परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों ने कहा कि प्रश्न पत्र अच्छे थे. हमारी परीक्षा अच्छी गई है. उन्होंने प्रश्न पत्र बहुत ज्यादा कठिन बताया. परीक्षा पैर्टन अच्छा था.

झारखंड में लगेंगी 120 फैक्ट्रियां

निवेश होगा 2500 करोड़

120 प्रस्तावों को उद्योग विभाग ने दी मंजूरी

14 फैक्ट्री ऑटो कंपोनेंट के होंगे स्थापित

31 फैक्ट्रियां लगेंगी फूड सेक्टर की, मंजूरी दी गई

10 फैक्ट्रियां पीवीसी आइटम की झारखंड में करेंगी काम

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में उद्योगों का दायरा लगातार बढ़ रहा है. वर्तमान में उद्योग विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में उद्योगों की स्थापना के लिए 120 प्रस्तावों को मंजूरी दी है. जिसमें 2500 करोड़ रुपए अधिक निवेश होने की संभावना है. वहीं प्रदेश में इस वित्तीय वर्ष में विभिन्न उत्पादों की 60 फैक्ट्रियां लग चुकी हैं, जिसमें 1825 करोड़ रुपये निवेश किया जा चुका है. झारखंड में स्टील प्रोसेसिंग की तीन यूनिटें लगाई जाएंगी. इसमें 48 करोड़ रुपये निवेश किया जाएगा. सीमेंट की तीन फैक्ट्री लगाई जाएगी, जिसमें 58 करोड़ से अधिक निवेश किया जाएगा. इथनॉल की एक फैक्ट्री में लगभग 300 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे.

फर्टिलाइजर की दो फैक्ट्री में निवेश होगा 370 करोड़ : झारखंड में उर्वरक की दो फैक्ट्री लगाई जाएगी. इसमें 370 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया जाएगा. पेपर इंडस्ट्रीज की तीन यूनिटें भी स्थापित होंगी. इसमें 28 करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे. फेब्रिकेशन की 13 इंडस्ट्रीज स्थापित की जाएंगी, जिनमें 95 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किए जाएंगे. फूड सेक्टर में 31 फैक्ट्री लगेंगी, जिसमें 123 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किए जाने की संभावना है.

किस चीज की फैक्ट्री	कितने प्रस्ताव को मंजूरी	कितना निवेश (लाख में)
सीमेंट	03	58665.13
फूड सेक्टर	31	12337.43
इथनॉल	01	29977
फीड सेक्टर	06	2457.62
ऑटो कंपोनेंट्स	14	13184.48
एल्यूमिनियम	02	1577.29
केमिकल इंडस्ट्रीज	02	225.50
स्क्रैप प्रोसेसिंग	03	1828.6
फेब्रिकेशन	13	9584.67
स्पंज आयरन	01	1891.74
कॉपर प्रोडक्ट	01	118.56
स्टील प्रोसेसिंग	03	4790.78
इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग	01	231
रिफैक्ट्रीज	01	64918.6
रोलिंग मिल	01	342.2
पीवीसी आइटम	10	3231.29
ऑटोमोबाइल बॉडी	01	430
एडुकेशन	01	2275.95
स्टील इंडस्ट्रीज	11	3280.33
इंजिन ऑयल	01	82.66
वेयर हाउस	06	599.79
पेपर इंडस्ट्रीज	03	2878.67
फर्टिलाइजर	02	37012
फ्यूल	01	200

राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा विधायक दल की हुई बैठक

प्रदीप व अहमद आज करेंगे नामांकन

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यसभा चुनाव को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के सभी विधायकों को एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी प्रदीप वर्मा के पक्ष में वोट डालने के निर्देश दिए गए. प्रदीप वर्मा राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार सुबह 11:30 बजे नामांकन करेंगे. विधायक दल की बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, सचेतक जेपी पटेल, विधायक सीपी सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, अनंत ओझा, राज सिन्हा, नीरा यादव, केदार हाजरा, कोचे मुंडा, नारायण दास, अमित मंडल, समरी लाल सहित राज्यसभा के घोषित प्रत्याशी व प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा उपस्थित थे.

सरफराज अहमद का नाम फाइनल, आज नॉमिनेशन

वहीं, झामुमो के वरिष्ठ नेता और गांडेय से पूर्व विधायक डॉ. सरफराज अहमद इंडिया गठबंधन के साझा प्रत्याशी होंगे. इस पर मुहर रविवार को देर शाम मुख्यमंत्री आवास स्थित हुई गठबंधन दलों की बैठक में लगी. बैठक की अध्यक्षता गठबंधन दल के नेता एवं सीएम चंपाई सोरेन ने किया. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि 11 मार्च को सुबह 11 बजे नामांकन पत्र भरेंगे.

जेएसएससी पेपर लीक मामला

कोचिंग संचालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रांची। जेएसएससी पेपर लीक मामले में पुलिस ने कोचिंग संचालक को पलामू से गिरफ्तार किया है. रांची पुलिस ने कोचिंग इंस्टीट्यूट संचालक पवन किशोर को रविवार को गिरफ्तार किया है. पवन किशोर पलामू के मेदिनीनगर के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है. पवन का भाई रवि किशोर प्रश्न पत्र लीक मामले में मुख्य आरोपी में से एक है. रवि किशोर फरार है, जिसकी तलाश पुलिस की टीम कर रही है. जेएसएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हुआ था और इसके पेपर सोशल मीडिया में वायरल हुए थे.

इंडिया गठबंधन से सीपीआई ने किया किनारा

सूबे की आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने का लिया निर्णय

प्रमुख संवाददाता। रांची

इंडिया गठबंधन से सीपीआई (भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी) ने किनारा कर लिया है. पूर्व सासंद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हजारीबाग, जमशेदपुर, चतरा, कोडरमा, पलामू, रांची, दुमका और गिरिडीह से उम्मीदवार उतारा जाएगा. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लेटलतीफी के कारण पार्टी ने यह निर्णय लिया है.

16 मार्च को की जाएगी उम्मीदवारों की घोषणा

भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि पार्टी की ओर से 16 मार्च को उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी. पार्टी आठ सीटों पर अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगी. मेहता ने कहा कि पार्टी इंडिया गठबंधन से मांग करती है कि अभी भी समय है, गठबंधन सीटों पर निर्णय ले.

हर शुक्रवार-मंगलवार को सीसीएल मना रहा कोयला उत्पादन दिवस

संवाददाता। रांची

सीसीएल की पूरी टीम अपने सीएमडी डॉ वीरा रेड्डी के नेतृत्व में अपने लक्ष्य को पाने के लिए कदम उठा रही है.

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के 2023-24 के 84 मिलियन टन (एमटी) के कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चल रहे कर्मचारियों में जोश भरने व कोयला उत्पादन को गति देने के लिए कोयला उत्पादन दिवस मना रहे हैं. सीसीएल प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के शेष दिनों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को कोयला उत्पादन दिवस मनाने का निर्णय लिया है. सीसीएल झारखंड के आठ जिलों - रांची, रामगढ़, हज़ारीबाग़, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियां संचालित कर रहा है. सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों सहित देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है. महाप्रबंधकों व विभागाध्यक्षों के प्रतिनिधियों वाली एक उच्च-स्तरीय समिति, खनन और अन्य गतिविधियों से जुड़े कार्यबल को प्रेरित करने के लिए कोयला क्षेत्रों का नियमित रूप से दौरा कर रही है. सीएमडी, सीसीएल डॉ. बी. वीरा रेड्डी और निदेशकगणों द्वारा नियमित रूप से उत्पादन की समीक्षा भी की जा रही है. 84 एमटी के वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के अलावा, सीसीएल 84 एमटी के प्रेषण लक्ष्य और 127 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीयूएम) के ओवर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) को भी पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. अब तक सीसीएल ने 7 मार्च, 2024 तक 76.25 एमटी (प्रोविजनल), 77.04 एमटी (प्रोविजनल) और 113.22 एमसीयूएम (प्रोविजनल) का उत्पादन हासिल कर लिया है. सीसीएल पिछले साल हुए कोयला उत्पादन यानी 76एमटी के माइलस्टोन को 7 मार्च 2024 को हासिल कर लिया है.

अक्सर गोलियों की गूंज व बम के धमाकों से थरथराता है धनबाद

कोयले को लेकर वर्षों से वर्चस्व की लड़ाई जारी

सौरभ सिंह। रांची

धनबाद और आस पास के इलाकों में कोयला व्यवसाय और अपराध का रिश्ता जगजाहिर है. कोयले का खेल खेलने वाले भले ही सफेदपोश हों, मगर उनके धंधे में सब कुछ काला ही काला है. इस खेल में गोली, बम व सिर फुटव्वल आम बात है. धनबाद जिले का कई इलाका कोयले के वर्चस्व की लड़ाई को लेकर अक्सर गोलियों की गूंज और बम के धमाकों से थरथराता रहा है. पुलिस, सीआईएसएफ सहित पूरा प्रशासन इस खेल को रोकने का प्रयास करते तो जरूर हैं, लेकिन यह रुकता नहीं है.

कभी गोली चली, तो कभी हुई हिंसक भिड़ंत

8 मार्च 2024 : धनबाद के जोगता थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल एरिया 5 के सिजुआ मोदीडीह कोलयरी में संचालित तेतुलमुड़ी कोल डंप में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हुई थी. इस दौरान दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर जमकर फायरिंग और बमबाजी की थी. साथ ही पुलिस और मजिस्ट्रेट की गाड़ी पर भी पथराव किया था.

24 फरवरी 2024 : धनबाद जिले के गोपालीचुक कोयला खदान क्षेत्र में एक कोयला लदान-ढुलाई क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हुई थी. इस दौरान एक व्यक्ति को गोली लग गयी थी. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था.

09 सितंबर 2023 : धनबाद जिले के जोगता थाना क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार में वर्चस्व को लेकर दो पक्ष में खूनी संघर्ष की घटना हुई थी. एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवक को गोली मार दी थी.

10 सितंबर 2023 : धनबाद के कतरास में कोयला तस्करी के वर्चस्व में अंधाधुंध फायरिंग हुई थी. इस दौरान गोली लगने से एक युवक की जान चली गयी थी. युवक की मौत के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये थे और करीब तीन घंटे तक सड़क जाम कर दी थी.

20 अगस्त 2023 : धनबाद के धर्माबांध ओपी क्षेत्र के तेतुलिया सात नंबर में अवैध कोयले के वर्चस्व को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई थी. इस दौरान फायरिंग भी की गयी थी.

14 अगस्त 2023 : धनबाद में अवैध कोयला खनन को लेकर जीतपुर अस्पताल कॉलोनी निवासी अमित कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी.

05 जुलाई 2023 : धनबाद में कोयला के वर्चस्व की जंग में चांदमारी कोल डंप में दो गुटों के बीच गोलियां चली थीं. जिसमें कई लोग घायल हुए थे.

8 जनवरी 2023 : धनबाद के झरिया के तिसरा इलाके में सिंह मेंशन समर्थक अविनाश सिंह उर्फ सोनू को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था.

बाकी बचे 7 विषयों के पीजीटी का रिजल्ट जारी, धरना समाप्त

संवाददाता। रांची

राजभवन के सामने धरना दे रहे पीजीटी के अभ्यर्थियों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया है. जेएसएससी ने पीजीटी के बाकी 7 विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है. इसके बाद अभ्यर्थियों ने धरना समाप्त किया. ये पिछले पांच दिनों से धरना पर थे. उन्होंने छठे दिन अपना धरना समाप्त किया. जेएसएसएसी ने पीजीटी के बचे 7 विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया है. रिजल्ट शनिवार की रात को ही रिजल्ट जारी कर दिया गया था. क्वालिफाई अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच 13 से 16 मार्च तक होगी.

खास बातें

- रिजल्ट के लिए राजभवन के पास धरने पर बैठे थे अभ्यर्थी
- सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच 13 मार्च से

जांच प्रक्रिया दो पालियों में होगी. पहली पाली की जांच 10:30 से 1:30 बजे और दूसरी पाली की जांच 2:30 से 5:30 तक होगी. जिन अभ्यर्थियों का जांच नहीं हो पायी या किसी कारण से छूट गया, तो उसे अंतिम अवसर 20 मार्च को दिया जाएगा.

CLASSIFIED

लगाये आरोप

जेएसएससी-जेपीएससी से चार साल में 3000 से ज्यादा नियुक्तियां नहीं हुईं

सरकार प्रदेश की 70% नौकरी बाहरियों को बेच रही : अमित मंडल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के विधायक और प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने आरोप लगाया है कि झारखंड सरकार राज्य की 70 फीसदी नौकरी बाहरियों को दे रही है. परीक्षा कराने वाली एजेंसियां पैसे लेकर 70 फीसदी से अधिक सीटें दूसरे राज्यों के युवाओं को बेच दे रही है. उन्होंने कहा कि हाल ही में नगर विकास विभाग में जेई पद पर नियुक्ति हुई.

इसमें 70 फीसदी से ज्यादा बाहरी अभ्यर्थी नियुक्त हुए हैं. यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु के लोग झारखंड की नौकरियां ले गये. कहा कि पूर्व की हेमंत सरकार ने 60-40 की नीति के तहत राज्य की सरकारी नौकरियों में 40 फीसदी पद बाहरियों के लिए खोल दिया था. राज्य के युवा और भाजपा के विरोध के बाद सरकार को झुकना पड़ा था.

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में कहा था कि बाहरियों को थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरियां किसी हाल में नहीं देंगे, लेकिन यह सिर्फ आईवॉश था. आंदोलन खत्म होते ही झारखंड की सरकारी नौकरियां बाहरियों को बेच दी गई. अमित मंडल प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

5 लाख नौकरी का वादा कर दिये सिर्फ

अमित मंडल ने कहा कि 2019 के चुनाव में झामुमो ने अपने घोषणापत्र में युवाओं को हर साल 5 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया था. लेकिन हकीकत यह है कि 4 साल में यह सरकार जेएसएससी और जेपीएससी के माध्यम से तीन हजार से अधिक नियुक्तियां नहीं कर पाई. इन चार सालों में एपीपी पद पर 107 नियुक्तियां हुई. 129 कृषि पदाधिकारी, 37 प्रयोगशाला सहायक, 217 आयुष चिकित्सक, 617 जेई और 32 पशु चिकित्सक नियुक्त हुए. बाकी जो नियुक्तियां हुई, वे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में चली गई.

रघुवर सरकार में 20 फीसदी से ज्यादा बाहरियों को नहीं मिली थी नौकरी

मंडल ने कहा कि सवाल ये है कि सरकार सीटों का बंदरबांट क्यों कर रही है. दरअसल सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी को अपना कमीशन हाउस बना दिया है. सरकार एजेंसियों के माध्यम से बाहरियों को नौकरी बेच दे रही है. यही कारण है कि ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को काम दिया गया है. उन्होंने कहा कि इससे पहले रघुवर दास की सरकार ने 1985 के स्थानीय नीति के तहत 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी. इन नौकरियों में सिर्फ 15 से 20 फीसदी बाहरियों को जगह मिली थी, जबकि झामुमो सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है. चुनाव में जनता सरकार में शामिल सभी दलों को सबक सिखायेगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 323 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चुनावी समर 2024

विकसित भारत, संविधान की रक्षा और चुनाव आयोग के मुद्दे उछले

देश देख रहा कि मोदी दूसरी मिट्टी का बना है

भारत विकसित बने, इसके लिए ही लगातार दौड़ रहा

आजमगढ़। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती विपक्षी दलों की सरकारों पर प्रहार करते हुए कहा, आज विकास ही मेरी अनंत यात्रा का अभियान है और मैं 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए दौड़ रहा हूं तथा देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं. उन्होंने कहा, 2019 में मैं कोई भी योजना घोषित करता और शिलान्यास करता तो पहली सुर्खी यही बनती कि यह तो चुनाव है इसलिए हो रहा है. आज देश देख रहा है कि मोदी दूसरी मिट्टी का इंसान है. 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए दौड़ रहा हूं और देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं. अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का इंतजार पूरा हो गया. अयोध्या, बनारस, मथुरा और कुशीनगर के विकास से पर्यटन तेजी से बढ़ा है और उसका लाभ पूरे राज्य को मिल रहा है. यही गारंटी 10 साल पहले मोदी ने दी थी और आज आपके आशीर्वाद से वह गारंटी पूरी हो रही है.

राहुल का भाजपा सांसद के 400 सीट वाले बयान पर तंज

मोदी जी का अंतिम लक्ष्य संविधान को खत्म करना है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भाजपा सांसद का बयान कि उन्हें 400 सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए, मोदी व उनके संघ परिवार के छिपे मंसूबों का सार्वजनिक ऐलान है. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मोदी और भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान को खत्म करना है. उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफरत है. राहुल ने कहा, वे समाज को बांटना, मीडिया को गुलाम बनाना, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पहरा और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु बनाकर विपक्ष को मिटाने की साजिश कर रहे हैं. वे भारत के महान लोकतंत्र को संकीर्ण तानाशाही में बदलना चाहते हैं. राहुल गांधी ने कहा कि वो अंतिम सांस तक संविधान से मिले लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे.

आयुक्त गोयल के इस्तीफे पर अखिलेश ने उठाये सवाल

चुनाव आयोग पर आखिर किसका दबाव, सरकार बताये

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अरुण गोयल के चुनाव आयुक्त पद से इस्तीफा देने पर रविवार को कहा कि इससे सीधा सवाल उठता है कि आखिर चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर किसका दबाव है. उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार में कई बार ऐसा हुआ है, जहां भी दबाव पड़ा अफसरों को नौकरी छोड़कर जाना पड़ा, आयोग छोड़कर जाना पड़ा. पीएम मोदी द्वारा में योजनाओं के लोकार्पण को दिखावा करार देते हुए यादव ने कहा, यह केवल दिखावा है. चुनाव आ गया है इसलिए दिखाना है कि हमने काम किया है. मोदी दूसरे के काम को अपना काम बता रहे हैं. यादव ने कहा, 2014 में जब भाजपा की सरकार आई थी तब गैस सिलेंडर और डीजल-पेट्रोल के दाम कितने थे, सरसों के तेल के दाम कितने थे. आज कितना है. पहले यह लोग (सरकार) मुनाफा कमा लेते हैं, उसके बाद 100 रुपये कम कर देते हैं.

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने किया सचेत

सावधान ! मोदी की गारंटी की कोई भी वॉरंटी नहीं है

कोलकाता। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि मोदी की गारंटी की कोई वॉरंटी नहीं है. बनर्जी ने साथ ही भाजपा के नेताओं को बाहरी और बंगाल विरोधी करार दिया जो केवल चुनाव के दौरान राज्य में आते हैं. राज्य की जनता राज्य का धन रोकने के लिए भाजपा को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देगी. मोदी की गारंटी की कोई वॉरंटी नहीं है. केवल ममता बनर्जी वादे निभाती हैं. भाजपा के नेता बंगाल विरोधी हैं और उन्होंने राज्य के धन को रोक कर रखा है. ईडी-सीबीआई की रेड का कोई नतीजा नहीं निकलेगा क्योंकि वे तो चुनाव में भाग लेंगे नहीं. ममता बनर्जी ने भाजपा के दबाव के आगे न झुकने के लिए चुनाव आयुक्त गोयल की सराहना की और कहा कि चुनाव में भाजपा की हार होगी. गोयल का इस्तीफा बताता है कि भाजपा चुनावों में वोट लूटने का प्रयास कर रही है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,600
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

जरदारी ने 14वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

इस्लामाबाद। आसिफ अली जरदारी ने रविवार को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. एक दिन पहले उन्हें भारी मतों के अंतर से देश के नये राष्ट्राध्यक्ष के रूप में चुना गया था.

टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचा भारत

दुबई। भारत ने धर्मशाला में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देकर पांच मैच की श्रृंखला 4-1 से जीतकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया.

कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की राजस्थान इकाई को करारा झटका देते हुए राज्य की पूर्व सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र यादव और लाल चंद कटारिया सहित कई नेता रविवार को भाजपा में शामिल हो गये.

चीता गामिनी ने पांच शावकों को जन्म दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता गामिनी ने रविवार को पांच शावकों को जन्म दिया, जिसके साथ देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई. केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यह जानकारी दी. केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, पांच शावक, कूनो! दक्षिण अफ्रीका के त्वालु कालाहारी रिजर्व से लाई गई लगभग पांच वर्ष की मादा चीता गामिनी ने आज पांच शावकों को जन्म दिया.

चंपाई ने गिरिडीह व जामताड़ा में सैकड़ों करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास

बहरूपिया है भाजपा, उसकी गारंटी में मत फंसना: सीएम

शुभम संदेश टीम। गिरिडीह/जामताड़ा

सीएम चंपाई सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी बहरूपिया है. उसकी गारंटी में मत फंसिएगा, नहीं तो फिर धोखा हो जाएगा. यहां की धरती में खनिज भरा पड़ा है, हमलोग ऐसी व्यवस्था लाएंगे कि यहां आदिवासी पिछड़ा अपने पैरों पर खड़े होंगे. भाजपा के कारण ही अबुआ आवास लाना पड़ा. सीएम रविवार को गिरिडीह के पीरटांड़ में 639 करोड़ की मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि डीवीसी यहां के जमीन, पानी, कोयला उपयोग किया, लेकिन यहां खेतों में काम करने वाले मजदूरों के बारे में नहीं सोचा. लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप भूमि पुत्र हैं, आपको इसे संवारना होगा, बाहर से आकर लोग तीन तल्ला बिल्डिंग खड़ा कर ले रहा है और जो यहां है उसके पास कुछ नहीं है.

हर खेत को मिलेगा 12 महीने पानी : सीएम ने कहा कि भौगोलिक स्थिति की वजह से यहां हर खेत पानी पहुंचाना एक जटील व्यवस्था है इसके लिए पाइप लाइन से पानी आपके खेतों में पहुंचाया जाएगा. पीरटांड़ मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना से हर खेत को 12 महीने पानी मिलेगा. हर किसान खुद समृद्ध होगा. आपका जो खपरैल घर है वो भी बदल जाएगा. सरकार आपके द्वार योजना से ग्रामीणों का आवेदन मिला है. जल्द ही निपटारा होगा. इससे पीरटांड़ प्रखंड के 165 गांवों के एक लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे.

हर खेत में सालोंभर पहुंचेगा पानी

विकास देख बीजेपी के पेट में हो रहा दर्द : झारखंड में विकास देखकर बीजेपी के पेट में दर्द हो रहा है. जांच एजेंसी पर सवाल खड़ा करते हुए सीएम ने कहा कि किसी एक पार्टी के इशारे पर जांच एजेंसी काम नहीं करे. हर गांव से सड़क से जोड़ा जा रहा है. बीजेपी ने अपने कार्यकाल में केवल वादा किया, लेकिन धरातल पर कार्य नहीं हुआ. बीजेपी ने हमेशा से झारखंड को ठगने का काम किया है.

लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं : कल्पना

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड स्थित नौगछिया मैदान में रविवार को झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने सभा की. सभा को संबोधित करते हुए कल्पना ने कहा कि इस क्षेत्र में आदिवासियों ने कभी भी गुलामी बर्दाश्त नहीं की है. यहां से अंग्रेजों को मार भगाया है, ऐसे में उक्त बलिदानियों को कैसे भूल सकते हैं. जिस तरीके से झारखंड के पूर्वजों ने आजादी का सपना देखा था, जिस समय किसी ने भी अंग्रेजों के अत्याचार को खत्म करने के बारे में सोचा भी नहीं था, उस समय आदिवासियों ने अंग्रेजों से लोहा लिया था. आदिवासियों ने तकलीफ को झेलते हुए गुलामी के खिलाफ जंग छेड़ा था. जिसमें दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अहम भूमिका थी. कल्पना सोरेन ने कहा कि हमारे बाबा ने अपना गांव इसलिए छोड़ा था कि उस समय महाजनी प्रथा और अंग्रेजों का अत्याचार चरम सीमा पर था. ये उस दर्द की कहानी है जो शिबू सोरेन को दिशोम गुरु बनाया है. -शेष पेज 11 पर

> हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा इतना जोर से लगाइए कि आवाज होटवार की सलाखों को पार कर हेमंत के कानों तक पहुंचे

जामताड़ा में बरबेंदिया 4 लेन पीएससी ब्रिज का शिलान्यास

रांची/जामताड़ा। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि हमारी सरकार झारखंडियों की सरकार है. हमारी सरकार जनता की हितैषी सरकार है. भाजपा वाले जनविरोधी हैं. हमारी सरकार किसानों के हित में काम करती है, विद्यार्थियों के हित में काम करती है, गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और विधवा के बारे में सोचती है. सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते थे कि 2022 तक सभी को अपना पक्का मकान देंगे. लेकिन, झारखंड को पक्का मकान नहीं दिया. तब हेमंत सोरेन ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना की शुरुआत की. सीएम चंपाई सोरेन रविवार को जामताड़ा के वीरग्राम फुटबॉल मैदान में आयोजित जामताड़ा-निरसा पथ पर उच्चस्तरीय पुल के निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे.

पुल की खासियत

- **263.88** करोड़ से बनेगा 4 लेन पीएससी पुल
- **1584** मीटर होगी 4 लेन पीएससी ब्रिज की लंबाई
- **1400** मीटर का पहुंच पथ भी बनेगा
- **2984** मीटर होगी पुल की कुल लंबाई

हर जगह हेमंत हैं. फिर कौन-सी जमीन तलाश रहे हो: बसंत

इस मौके पर मंत्री बसंत सोरेन ने बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले दिनों एक नौटंकी वाला यहां आया था. बहुत भीड़ थी. ये हायर किया हुआ नौटंकीवाला है. वह कह रहा था-अबकी बार 400 पार. चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था कि सोरेन परिवार परिवारवाद करता है. हेमंत सोरेन जमीन लूटता है. फिर बसंत सोरेन ने कहा- हेमंत सोरेन ने हमेशा एक बात कही कि हर घर में हेमंत है. जब हर घर में हेमंत है, तो तुम हेमंत को ढूंढ़ रहे हो साहिबगंज से बहरागोड़ा? हर जगह हेमंत सोरेन है. फिर कौन-सी जमीन तलाश रहे हो.

बंगाल में 'इंडिया' गठबंधन को झटका

ममता ने घोषित किये सभी सीटों पर प्रत्याशी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अलग चुनाव के ऐलान के साथ रविवार को सभी 42 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया. खास बात ये रही कि बहरामपुर सीट से ममता ने क्रिकेटर यूसुफ पठान को टिकट दिया है. इस सीट से अधीर रंजन चौधरी सांसद हैं. यह उनकी परंपरागत सीट है. वे यहां से 1999 से सांसद हैं. माना जा रहा है कि यूसुफ पठान के उतरने से इस सीट पर मुकाबला रोचक हो गया है. दरअसल, अधीर रंजन चौधरी हर मुद्दे पर ममता सरकार को घेरते रहे हैं. जब कांग्रेस और टीएमसी के बीच बंगाल में सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही थी. तब भी अधीर रंजन ममता सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे. टीएमसी नेताओं ने भी कांग्रेस के साथ गठबंधन न होने के पीछे की वजह अधीर रंजन चौधरी को बताया था. अब ममता ने अधीर रंजन को घेरने के लिए चर्चित क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतारा है. टीएमसी ने जिन सीटों पर नामों का ऐलान किया है उनमें कई बड़े नाम भी शामिल हैं. पार्टी ने बैरकपुर सीट से अर्जुन सिंह का टिकट भी काटा है. पार्टी ने नुसरत जहां का टिकट भी काटा है. नुसरत जहां की लोकसभा सीट बसीरहाट से हाजी नुरुल इसलाम को उतारा गया है. वहीं, पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद को भी बर्धमान-दुर्गापुर से उम्मीदवार बनाया है.

बहरामपुर सीट का जातिगत समीकरण : 2011 की जनगणना के मुताबिक, बहरामपुर लोकसभा सीट पर करीब 52% मुस्लिम वोटर हैं. जबकि यहां 13.2% एससी और 0.9% एसटी वोटर हैं. ऐसे में ममता बनर्जी ने इस सीट से कांग्रेस के मुस्लिम वोट को काटने के लिए मुस्लिम उम्मीदवार पर दांव खेला है. -उम्मीदवारों की पूरी लिस्ट देखें पेज 12 पर

अधीर रंजन ने किया दीदी की नाक में दम, तो उनके खिलाफ उतार दिया यूसुफ पठान को

लिस्ट में बड़े चेहरे

- डायमंड हार्बर से अभिषेक बनर्जी
- जादवपुर से मिमी चक्रवर्ती की जगह एक्ट्रेस सायोनी घोष
- कृष्णानगर से महुआ मोइत्रा फिर मैदान में
- आसनसोल से अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा फिर मैदान में
- बीरभूम से शताब्दी रॉय
- बर्धमान दुर्गापुर से क्रिकेटर कीर्ति आजाद
- बहरामपुर से क्रिकेटर यूसुफ पठान
- हुगली सीट से एक्ट्रेस रचना बनर्जी

दिवाकर गंझू के दस्ते के साथ पुलिस की मुठभेड़

सर्च ऑपरेशन जारी

संवाददाता। हजारीबाग/बड़कागांव

टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप के दस्ते के साथ रविवार को पुलिस की मुठभेड़ हुई है. यह घटना जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के आंगो पंचायत में चरका पत्थर जंगल में रविवार को हुई. जानकारी के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह को उग्रवादियों के जुटे होने की गुप्त सूचना मिली थी. इसे लेकर दिन के करीब 11 बजे पुलिस टीम सर्च अभियान चला रही थी. इसी दौरान टीपीसी उग्रवादी पुलिस को देख कर भागने लगे.

लेकिन, पुलिस टीम द्वारा नक्सलियों की घेराबंदी कर एसपी को सूचना दी गई. जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल के साथ एसपी अरविंद कुमार सिंह मौके पर पहुंचे गए. पुलिस की बड़ी तादात देख कर उग्रवादी ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे. अभियान का नेतृत्व टीपीसी उग्रवादी संगठन का एरिया कमांडर दिवाकर गंजू कर रहा था. उग्रवादी 10 की संख्या में थे.

- 10 की संख्या में थे उग्रवादी, गोली लगने से एक घायल
- पुलिस ने 20 और उग्रवादियों ने चलाई 60 राउंड गोली

पुलिस को भारी पड़ता देख भाग खड़े हुए उग्रवादी

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पिछले एक माह से लगातार टीपीसी उग्रवादियों द्वारा लेवी के लिए धमकी देने को सूचना मिल रही थी. इस बीच गुप्त सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई. पुलिस को देखकर उग्रवादी गोलीबारी करने लगे. उग्रवादियों ने भी 60 राउंड से ज्यादा गोली चलाई है, , जिसके जवाब में पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई करते हुए 20 राउंड गोली चलाई गई. उन्होंने बताया कि उग्रवादियों की संख्या 10 के करीब थी. एसपी ने यह भी बताया कि एक उग्रवादी पुलिस पर निशाना ले रहा था, इसी बीच हमारे एक जवान ने गोली चलाई, जो कि उग्रवादी के हाथ में लगी.

चिंतनीय यूडीआईएसई पोर्टल पर 44,408 स्कूल, बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर विभाग गंभीर नहीं

झारखंड में 43,464 स्कूलों ने डेटा ही अपलोड नहीं किया

रजनीश प्रसाद। रांची

यूनिफायड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआईएसई) के पोर्टल पर झारखंड के सभी स्कूलों को अपने बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित पूरी जानकारी अपलोड करनी थी. केंद्रीय शिक्षा विभाग ने इसके लिए 9 मार्च तक का समय तय किया था, लेकिन झारखंड के स्कूल प्रबंधकों ने इसे गंभीरता से लिया ही नहीं. नतीजन मात्र 2.01 % स्कूल प्रबंधन ही बच्चों से संबंधित डेटा अपलोड कर पाया. बाकी के 98 % स्कूलों के जिम्मेवारों ने डेटा अपलोड करने में दिलचस्पी ही नहीं दिखाई. इसमें बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां देनी थी. झारखंड के 44,408 स्कूलों में से केवल 944 ही यूडीआईएसई में छात्रों का डाटा अपलोड कर पाया है. - शेष पेज 11 पर

गुमला मात्र 5% का आंकड़ा छू पाया

झारखंड में गुमला ही एकमात्र जिला है, जो 5 % का आंकड़ा छू पाया है. बोकारो, धनबाद, गोड्डा, हजारीबाग, कोडरमा और पाकुड़ जिला 1 % के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाया है. राज्य के अन्य जिलों की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है. इससे स्पष्ट होता है कि राज्य के सरकारी स्कूल बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर तमिक भी चिंतित नहीं.

पाकुड़ के एक भी स्कूल ने डाटा लोड नहीं किया : शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड का एक मात्र जिला पाकुड है, जहां से एक भी स्कूल का विद्यार्थियों का डेटा अपलोड नहीं किया है. पाकुड़ में कुल 1148 विद्यालय हैं, जिसमें एक भी स्कूल ने केंद्र द्वारा मांगी गयी जानकारी को गंबीरता से लिया ही नहीं.

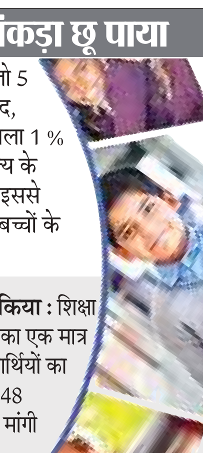

...क्या करना है यूडीआईएसई में

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के पत्र के अनुसार, यूडीआईएसई में प्रत्येक छात्र से संबंधित जानकारी जैसे छात्र की ऊंचाई (सेमी में), छात्र का वजन (किलो में), ब्लड ग्रुप सहित उसके स्वास्थ्य से संबंधित पूरा विवरण भरना है. इसके अलावा मध्याह्न योजना के तहत सरकारी स्कूलों को ऊंचाई व वजन मापने की मशीन खरीदने के लिए पिछले वर्ष राशि उपलब्ध करायी गयी है. इसकी जानकारी भी यूडीआईएसई छात्र डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम में अपलोड करना है. डेटा छात्रवार अपलोड करना है.

15.80 % विद्यार्थियों का ही डेटा हुआ अपलोड

- पिछले साल विद्यार्थियों की संख्या : 71,66,162
- इस साल विद्यार्थियों की संख्या : 67,84,689
- अपलोड विद्यार्थियों की संख्या: 10,72,044
- बाकी विद्यार्थियों की संख्या : 57,12,645

एक लाख से 10 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान, परिवहन व यातायात विभाग के अधिकारी नहीं करते कार्रवाई

सड़कों पर फर्राटा भर रहीं मॉडिफाइड गाड़ियां, अधिकारी मौन

राजा गुप्ता । धनबाद

बड़े शहरों की तरह कोयले की राजधानी धनबाद में भी सड़कों पर मॉडिफाइड गाड़ियां फर्राटे भर रही है. मॉडिफाइड गाड़ियां जैसे कार-बाइक की आजकल खूब ट्रेंड है. आंखों को चौंधियाती लाइट्स, हूटर और प्रेशर हार्न से सजी बाइकें चलानेवालों में जोश से भर देती हैं. कार-बाइक के मॉडिफिकेशन के शौक को छोड़ दें तो बेहतर होगा, वरना कभी भी भारी भरकम चालान कटवा सकती है. हालांकि सड़कों पर युवा मोटर व्हीकल एक्ट का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अभी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. अधिकारियों, यातायात पुलिस की नजरों के सामने से मॉडिफाइड गाड़ियां तेज रफ्तार के साथ गुजरती है, लेकिन उसे रोकते तक नहीं है. बल्कि उन गाड़ियों को ऐसे देखते हैं, जो विदेश से नई कीमती गाड़ी सड़क पर आई हो. जबकि ऐसे गाड़ी मालिकों के खिलाफ 10 हजार से एक लाख तक का जुर्माना का प्रावधान है. अपने हिसाब से प्रेशर हॉर्न लगाया, हूटर, रिफ्लेक्टर या फिर कानफोड़ू साइलेंसर लगाए तो चालान कटना तय है. बाइक-कार की मॉडिफाइड करानेवाले गाड़ी मालिक ही नहीं बल्कि सर्विस सेंटर पर भी कार्रवाई होगी. अवैध तरीके से उपकरण बेचनेवाले दुकानदार भी नहीं बचेंगे. ऐसी चीजें बेचने वाले एजेंसियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी. अभी धनबाद शहर के हीरापुर, बैंकमोड़, झरिया, कतरास, निरसा समेत कई इलाकों में मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न समेत कई तरह के उपकरण बिक रहे हैं.

प्रेश हॉर्न की कीमत 4 हजार और साइलेंसर की 10 हजार रुपये : जानकारी के अनुसार प्रेशर हॉर्न की कीमत बाजार में चार हजार है. वहीं साइलेंसर की कीमत 10 से 20 हजार तक है. बुलेट में लगी साइलेंसर की आवाज गोलियां चलने जैसी लगती है. बाइक व कार में लगे प्रेशर हॉर्न से ऐसा लगता है कि जैसे कान बहरे हो जाएंगे या फिर सिर फट जाएगा. फिर भी धनबाद में किसी भी इलाके में यातायात या परिवहन विभाग के अधिकारी अभियान नहीं चला रहे हैं. सिर्फ बाइक चालकों से हेलमेट, ट्रीपल राइडिंग की चेकिंग करते हैं. लोगों का कहना है कि गाड़ियों में निर्धारित मानकों वाले साइलेंसर व हॉर्न की जगह लोग मॉडिफाइड साइलेंसर व हॉर्न लगाते हैं, जो कि पूरी तरह से गलत है. ऐसे लोगों के खिलाफ विभागीय अधिकारी को कार्रवाई करनी चाहिए. काला शीशा भी लगाना गैरकानूनी है, फिर विभाग मौन है. जानकारों का कहना है कि कई बाइकों व कारों में मोटे टायर लगाकर अलग लुक दिया जा रहा है तो कहीं उसकी सीटों, पेट्रोल टंकी व स्ट्रक्चर में फेरबदल कर ड्रीम व्हीकल तैयार किया जा रहा है. मॉडिफाइड किए जानेवाली दोपहिया वाहन में बुलेट सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है. इसके बाद दूसरे ब्रांड के दोपहिया वाहन हैं. मॉडिफिकेशन का शौक कार मालिकों के भी सिर चढ़कर बोल रहा है. इन वाहनों से अपराध किए जाने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है.

मॉडिफिकेशन में बाइक में 50 हजार तो कार में 5 लाख तक खर्च

शहर में बाइक-कार की मॉडिफिकेशन का काम कर रहे अजय कुमार का कहना है कि उनके पास सर्विस सेंटर के साथ उपकरण बेचने की दुकान भी है. अभी तक दर्जनों गाड़ियों का मॉडिफाइड कर चुके हैं. मॉडिफाइड की गई बाइक की कई शहरों में डिमांड है. वह इंजन को छोड़कर बाकी के सभी पाट्‌र्स बदल देते हैं. युवा मॉडिफिकेशन के शौक को पूरा करने में पैसे की परवाह नहीं करते हैं. बाइक में युवा में 50 हजार से एक लाख और कार में 5 में लाख तक खर्च कर देते हैं.

शरण सिंह होंगे भाकपा माले रेड स्टार के बाघमारा विस प्रत्याशी

संवाददाता । कतरास

लिलौरी मंदिर में रविवार को भाकपा माले रेड स्टार का जन मुद्दों पर जन संवाद कार्यक्रम धनबाद जिला कमेटी द्वारा आयोजित किया गया.इस दौरान बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई. उपस्थित उमा सिंह, रूपदास, निशा सिंह, लक्ष्मी देवी, माया देवी व कुंती देवी ने दहेज प्रथा, बेरोजगारी, शिक्षा, शोषण आदि कई विषयों पर अपना विचार रखा.भाकपा (माले) रेड स्टार के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी के रूप में बाघमारा विधानसभा क्षेत्र से कॉ. शरण सिंह का नाम प्रस्तावित किया गया.जिस पर उपस्थित लोगों ने उक्त नाम के समर्थन में खड़े होकर अपनी सहमति जताई.प्रत्याशी के रूप में अपनी बात रखते हुए कॉ. शरण ने कहा कि भ्रष्टाचार, कोयला चोरी, रंगदारी, शिक्षा, बेरोजगारी तथा महिला सशक्तीकरण के मुद्दों पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ा जायेगा.

ब्रीफ खबरें

एसएसपी के फेसबुक का बनाया फर्जी अकाउंट

धनबाद । धनबाद एसएसपी एचपी जर्नादनन का फेसबुक पर एक फर्जी अकांउट बनाया गया है. फेसबुक अकाउंट में उनकी तस्वीर का भी प्रयोग किया गया है. जानकारी के बाद एसएसपी ने आमजनों से आग्रह किया है कि उक्त प्रोफाइल से यदि फ्रेंड रिक्वेस्ट आने पर अकाउंट के खिलाफ फेसबुक में शिकायत करें. साथ ही एसएसपी के प्रोफाइल आइडी से किसी तरह का मैसेज आने पर जवाब न दें. साथ ही किसी प्रकार का लेन-देन में भी नहीं करने की बात की गई है. इस मामले को लेकर अग्रेतर कार्रवाई के लिए साइबर थाने को सूचित किया गया है.

दुकान का ताला तोड़कर की चोरी

महुदा। महुदा थाना क्षेत्र के लालबंगला स्थित मदिना बैग दुकान में शनिवार की रात अपराधियों ने दुकान का ताला तोड़कर करीब 50 हजार का सामान चोरी कर ले गये. दुकान मालिक मो.फिरोज अंसारी ने घटना की सूचना महुदा थाना को दी. सूचना पाकर महुदा पुलिस दुकान पहुंची एवं स्थल का अवलोकन कर भुक्तभोगी से जरुरी जानकारी ली. दुकान संचालक मो.फिरोज अंसारी ने बताया कि रात 8 बजे दुकान बंद कर बगल में स्थित अपने आवास में सोने चला गया था.

झारखंडी मजदूर एकता मंच की कमेटी गठित

तेतुलमारी। झारखंडी मजदूर एकता मंच की बैठक रविवार को वेस्ट मोदीडीह वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में आयोजित की गई .इस दौरान मंच का कमेटी गठित की गई. जिसमें अध्यक्ष मनोज कुमार दास, उपाध्यक्ष रंतोष कुमार महतो, सचिव ओपीन कुमार गोप, उपसचिव ताहिर अंसारी, कोषाध्यक्ष तरप साहू, उप कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, संगठन मंत्री ब्रह्मदेव साहू के अलावे राजेश रविदास, तुलसी महतो, लक्ष्मण दास, कैलाश राणा को सदस्य बनाया गया है.

पार्क में नगर निगम ने चलाया स्वच्छता अभियान

धनबाद । बेकारबांध स्थित राजेन्द्र सरोवर पार्क में नगर निगम द्वारा रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया . जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता सह स्वच्छ भारत एम्बेसडर तेमसुतुला इमसोंग शामिल हुई. निगम के अधिकारियों के साथ उन्होंने भी पार्क की सफाई की . मौके पर उन्होंने कहा कि अपने घर की तरह ही घाट, पार्क रास्ते की सफाई करनी चाहिए . जिससे स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य पूरा हो सके .

धनबाद रेल मंडल से गुजरेगी दूसरी वंदे भारत रांची-वाराणसी

कल मोदी रेलवे को देंगे 85 हजार करोड़ रु. की सौगात

संवाददाता । धनबाद

12 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी भारतीय रेलवे को 85 हजार करोड़ की सौगात देंगे. इससे पहले एक मार्च को 35 हजार 747 करोड़ की सौगात दिए थे. 12 दिनों में दूसरी बार रेलवे को कई बड़ी योजनाओं को सौगात दिए जाने से अधिकारियों-कर्मियों के साथ-साथ आम जनता के बीच खुशी की लहर है. 85 हजार करोड़ में पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन के हिस्से में 13 हजार 228 करोड़ रुपये आएगा. जिससे रेलवे की कई योजनाएं पूरी होगी. 27 जून 2023 को रांची-पटना के बीच चलने के बाद धनबाद रेल मंडल से गुजरनेवाली वंदे भारत दूसरी ट्रेन होगी. हालांकि दूसरी वंदे भारत रांची से खुलने पर बोकारो के बाद धनबाद रेल मंडल में सिर्फ कोडरमा में रूकेगी. यह ट्रेन चंद्रपुरा-गोमो-पारसनाथ होकर वाराणसी तक चलेगी. पहली वंदे भारत रांची से खुलकर बरकाकाना-हजारीबाग टाउन-कोडरमा-गया होकर पटना जाती है. इसके अलावा कई रेल परियोजनाओं पीएम मोदी ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए हरी झंडी दिखायेंगे. उक्त बातें रविवार को डीआरएम कार्यालय के सभागार एडीआरएम अमित कुमार ने पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कही.

खास बातें

- पूर्व मध्य रेलवे के हिस्से आएगा 13 हजार 228 करोड़
- सभी योजनाओं का होगा ऑनलाइन उद्घाटन

ट्रेन का न्यूनतम किराया 30 से घटकर हुआ 10 रुपये : 10 मार्च से ट्रेन का न्यूनतम किराया 30 रुपये से घटाकर 10 कर दिया गया है, जो कोरोना काल से 50 रुपये था. न्यूतम किराया 10 से 50 रुपये बढ़ने पर यात्रियों में काफी आक्रोश था. इस संबंध में कई बार किराया घटाने को लेकर रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय, डीआरएम व जीएम को पत्र लिखा गया था. यात्रियों की मांग पर न्यूनतम किराया लोकसभा चुनाव से पहले 30 रुपये से घटाकर 10 रुपये कर दिया गया. रविवार को जो यात्री चंद्रपुरा, गोमो, बराकर तक 30 रुपये का टिकट लेकर सफर कर रहे थे, वे 10 रुपये का टिकट लिए. 50 किमी तक का किराया 10 रुपये लगेगा. रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है. हर 10 से 15 किमी बढ़ने पर 5 रुपये किराया बढ़ेगा. 90 किमी तक 30 रुपये किराया लगेगा.

74 रेल मंडलों में 1500 से अधिक स्टॉल खुलेंगे

एडीआरएम ने कहा कि पीएम मोदी 12 मार्च को विभिन्न रेल मंडलों से गुजरनेवाली 10 नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ-साथ भारतीय रेलवे में 6000 रेल परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे. रेलवे लाइन का दोहरीकरण, विद्युतीकरण, वर्कशॉप, लोकोशेड, गुड्स शेड आदि कई योजनाओं को शिलान्यास शामिल है. डीएफसी कंट्रोल सेंटर भी बनेंगे. धनबाद समेत 74 रेल मंडलों में 1500 से अधिक वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल, 35 रेल कोच रेस्टोरेंट और 975 लोकेशनों पर सोलर पावर स्टेशन व सर्विस बिल्डिंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे. अभी देशभर में 82 वंदे भारत ट्रेन चल रही है.

डीसी ने किया वज्रगृह और मतगणना स्थलों का निरीक्षण

संवाददाता। धनबाद

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा ने प्रशासन और पुलिस पदाधिकारियों के साथ आज जिले के विभिन्न वज्रगृह एवं मतगणना स्थलों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने कृषि बाजार प्रांगण, धनबाद पॉलिटेक्निक, पॉलिटेक्निक के सामने स्थित पुराने विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी परिसर, निरसा पॉलिटेक्निक, मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स का निरीक्षण किया.

निरीक्षण करने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी चुनाव में जिला प्रशासन के लिए सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है. इसी दृष्टिकोण से आज वज्रगृह एवं मतगणना स्थलों का निरीक्षण किया. वहां की सुरक्षा की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि अभी कुछ और स्थान का भी निरीक्षण किया जाएगा .

जिप सदस्य ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

महुदा। जिप सदस्य आशा देवी व मुखिया रिंकु देवी ने रविवार को काण्डरा पंचायत के छाताटांड मे पीसीसी पथ का शिलान्यास किया .जिला परिषद ने कहा कि 15वें वित्त आयोग मद योजना के अनाबद्ध निधि से 3,66,254 रुपए के लागत से काण्डरा अन्तर्गत छाताटांड टोला से महाबीर महतो के घर से चित्रकार टोला तक तीन सौ फुट पीसीसी पथ का ग्रामीणों की मांग पर अनुशंसा की गई थी. जिसकी स्वीकृति मिलने पर शिलान्यास किया गया है. इस पथ के बनने से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है. मौके पर जिप सदस्य आशा देवी, मुखिया संघ के अध्यक्ष रिंकु देवी, जिप प्रतिनिधी गणेश महतो, पूर्व मुखिया सुरेश महतो, संवेदक शम्भु नाथ दास, पिंकी देवी, पूर्णिमा देवी, संजय साव, गिरधारी महतो, सारू देवी, रिना देवी, झुनिया देवी, बासनी देवी, शिवदानी कुमार सिन्हा, महेश्वर गोस्वामी मौजूद थे.

गोलीबारी व बमबाजी के बाद तीसरे दिन कोलडंप में पसरा सन्नाटा

संवाददाता। कतरास

वर्चस्व को लेकर बमबारी व गोलीबारी की घटना के तीसरे दिन तेतुलमुड़ी कोलडम्प में रविवार को भी सन्नाटा पसरा रहा . हालांकि घटना के बाद से ही वहां पुलिस जवानों की तैनाती की गई . साथ ही जोगता पुलिस लगातार गस्त कर रही है.वहीं एहतियात के तौर पर जिलाधिकारी के निर्देश पर शाम को पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाल कर इलाके का भ्रमण किया .इधर घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग भूमिगत हो गए हैं .पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए ताबड़तोड़ छापामारी कर रही है.मामले की जानकारी देते हुए जोगता थाना प्रभारी ने कहा कि घायल में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस प्रयास कर रही है. किसी भी सूरत में उपद्रवियों को बक्शा नहीं जाएगा .उल्लेखनीय है कि मेनुअल लोडिंग की मांग को लेकर एटक समर्थक डंप में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे जबकि दूसरे पक्ष इसका विरोध कर रहे थे. इसी बात को लेकर गुरुवार को दोनों पक्षों में भिड़ंत हो गई थी. जिसमें ताबड़तोड़ फायरिंग व बमबाजी हुईं थीं .

झारखंड में अबुआ आवास भ्रष्टाचार का सुबूत : सांसद

संवाददाता। मधुबन

खरखरी स्थित आजसू पार्टी के कार्यालय में रविवार की शाम गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की.जिसमें लोकसभा चुनाव को लेकर गहन विचार विमर्श किया गया.इस मौके पर श्री चौधरी ने अपने कार्यकाल में किये गए कार्यो की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में वैसे वैसे कार्य किये गए हैं,जो पिछले 15 वर्षों में नही किये गए थे .उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर अपनी व केंद्र सरकार के कार्यो की उपलब्धियों से अवगत कराने के लिये कहा.उन्होंने कहा कि इसी समीक्षा के तहत आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो आगामी 13 मार्च को तोपचाची में कार्यकर्ता सम्मेलन में चुनाव को लेकर समीक्षा करेंगे.उसी दिन अपने पांच साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे.

एसडीपीओ ने की क्राइम मीटिंग भयमुक्त चुनाव कराने का निर्देश

संवाददाता। मैथन

मैथन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में रविवार को अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी में एसडीपीओ, निरसा रजत मानिक बाखला ने क्षेत्र के सभी थाना का फरवरी माह में प्रतिवेदित एवं निष्पादित होने वाले संभावित कांडों की समीक्षा की. मौके पर एसडीपीओ श्री बाखला ने आईजी द्वारा दिए गए निर्देश का अनुपालन करने के लिए विशेष रूप से सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया.

उन्होंने लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, कदाचार एवं भयमुक्त चुनाव कराने के लिए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया. साथ ही थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे सभी स्वयं वाहन चेकिंग करें और लंबित कांडों में अनुसंधान पूर्ण करने में तेजी लाएं. चोरी, गृहभेदन, वाहन चोरी इत्यादि की रोकथाम करने और वारंट, कुर्की, समन इत्यादि का निष्पादन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. इसके अलावा कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में चिरकुंडा थाना प्रभारी सुनील सिंह, इंस्पेक्टर अक्षय राम, निरसा थाना प्रभारी मंजीत कुमार, एमपीएल ओपी प्रभारी सुंदर सिंह सोलंकी, मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन प्रभारी, कालुबथान ओपी प्रभारी राजीव प्रकाश, पंचेत ओपी प्रभारी प्रभात रंजन राय, गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी राजीव कुमार, कुमारधुबी ओपी प्रभारी पंकज कुमार शामिल थे.

खास बातें

- गोष्ठी में फरवरी माह के कांडों की समीक्षा की गई
- लंबित मामलों का निपटारा तेजी से करने का निर्देश

बरोरा में कोयला-लोहा के बाद अब मिट्टी की तस्करी

संवाददाता। बरोरा

बरोरा सहित कोयलांचल में कोयला ,लोहा के बाद अब अवैध कारोबारियों की गिद्ध दृष्टि इलाके की मिट्टियों पर है. बरोरा थाना क्षेत्र के दरीदा पंचायत के पोचरी बस्ती मुस्लिम टोला के पीछे पोचरी बांध तालाब के समीप गोचर सरकारी व जंगली भूमि पर बड़े पैमाने पर जेसीबी से मिट्टी कटाई कर दर्जनों ट्रेक्टर की मदद से बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन कर खुलेआम उसकी खरीद फरोख्त कर धंदेबाज मालामाल हो रहे हैं .बरोरा इलाके के पोचरी ,कालीपुर ,दरीदा सिंदवारटांड मुख्य मार्ग होते हुए गनेशपुर मांदरा सहित अन्य इलाकों में चल रहे बड़े पैमाने पर ईट भट्ठा में लेजाकर मोटी कमाई कर रहे हैं.मिट्टी कटाई के दौरान अनगिनत पेड़ पौधों को नष्ट किया जा रहा है .प्रतिदिन बरोरा पुलिस के नाक के नीचे से दर्जनों मिट्टी लदे ट्रेक्टर गुजरते हैं इसके बावजूद पुलिस तमाशबीन बनी रहती है.मिट्टी ढुलाई से उपरोक्त मार्गो में धूल उड़ती रहती है, जिसमें राहगीरों को काफी परेशानी होती है .लोग प्रदूषण की मार झेल रहे हैं. ज्यादा ट्रिप लगाने के चक्कर में ट्रैक्टर चालक सड़क पर तेज गति से गाड़ी दौड़ाते हैं.

36 वां वार्षिकोत्सव बालाजी मंदिर में 15 से तीन दिनी उत्सव में जुटने लगेंगे भक्त

खूब बहेगी भक्ति की धारा, तीन दिन गूंजेगी मृदंग-शहनाई की धुन

संवाददाता। धनबाद/रांची

श्रीवेंकटेश्वर मंदिर, जगजीवन नगर में 15 मार्च से तीन दिनी 36वें वार्षिकोत्सव की धूम रहेगी. श्रीवेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समिति जोर-शोर से इसकी तैयारी कर रही है. सचिव जीवीएसएन राव ने बताया कि पहले दिन शुक्रवार को सुबह छह बजे सुप्रभात सेवा से उत्सव की शुरुआत होगी. इसके बाद 17 मार्च की रात साढ़े आठ बजे तक भक्ति के विविध कार्यक्रम होंगे. श्रीबालाजी की पूजा-अर्चना, आरती, अभिषेक तो नेम-निष्ठा से की ही जायेगी. पूरे रीति-रिवाज के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान के विवाह की रश्में भी अदा की जायेगी. पूजन-अनुष्ठान के दौरान मंत्रोच्चार के कर्णप्रिय स्वरलहरियों के साथ मृदंग और शहनाइ की धुन के क्या कहने. श्रद्धालुओं का तन-मन भक्ति से सराबोर हो उठेगा. खास तौर से निर्मित तिरुपति, तिरुमला के लडडू का प्रसाद सब के मन भायेगा.

1987 से मनाया जा रहा वार्षिकोत्सव

श्रीवेंकटेश्वर, बालाजी मंदिर समिति, धनबाद स्थापना काल 1987 से वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन कर रही है. सचिव जीवीएसएन राव ने बताया कि उत्सव में मंदिर और पूजन-अनुष्ठान की परंपराओ का खास ध्यान रखा जाता है. कोषाध्यक्ष प्रो .वी गोविन्द कुमार विल्लुरी ने बताया कि भगवान की कृपा से अर्थ संकट आड़े नही आता. अध्यक्ष केवी रमना राव ने बताया कि हमारी सामाजिक सांस्कृतिक जिम्मेदारी है कि हम समाज में सामूहिक तौर पर सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें.

जगजीवन नगर पधार रहे पुरोहित : श्रीवेंकटेश्वर मंदिर, जगजीवन नगर में पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराने के लिए पुरोहितो का दल खास तौर से धनबाद पधार रहा है. साथ ही तिरुपति बालाजी मंदिर में बनने वाले लड्डुओं के लिए विशेष कारीगर भी तिरुपति से आ रहें हैं.

होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी : श्रीवेंकटेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी खास आयोजन किया जा रहा है. उपाध्यक्ष डॉ. बी जगदीश राव ने बताया कि इसमें कोयलांचल के हर उम्र के कलाकारों द्वारा भक्ति नृत्य-गीत के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे.

भगवान के विवाह का रहेगा अलग आकर्षण

श्रीवेंकटेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन रविवार को भगवान के विवाह का अलग आकर्षण रहेगा. श्रीवारी कल्याणम होगा. भगवान बालाजी का विवाह माता लक्ष्मी और राजकुमारी पद्मावती से करायी जायेगी. अध्यक्ष केवी रमना राव ने बताया कि विवाहोत्सव में कोयलांचल के पांच सौ से अधिक वैवाहिक जोडियां मुख्य रूप से हिस्सा लेंगी.

आईआईटी के छात्र भी लेंगे हिस्सा

श्रीवेंकटेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव में आईआईटी और आईएसएम के विद्यार्थियों के आने की भी प्रबल संभावना है. उपाध्यक्ष डॉ बी जगदीश राव ने बताया कि छात्रों का खास तौर से आमंत्रित किया गया है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष भोग पाने वालों की संख्या दो हज़ार से भी अधिक होगी. भक्तों की भारी भीड़ को ध्यान में रख अतिरिक्त पंडाल बनाये जा रहे हैं.

एसएनएमएमसीएच में दूसरी बार शॉर्ट सर्किट से आग लगी

संवाददाता । धनबाद

दस दिनों में दूसरी बार एसएनएमएमसीएच में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है. इस बार कैथलैब भवन के सेंट्रल इमरजेंसी में दूसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से पहले पंखे में आग लगी. फिर तार जलने लगी. स्वास्थ्य कर्मियों ने फौरन मेन स्विच ऑफ किया और आग पर काबू पाया गया. आग लगने से धुआं फैलने के कारण 13 भर्ती मरीज आग कर भवन के बाहर आ गए. सभी को देर दोबारा भर्ती कराया गया. हालांकि इस बार अगलगी की छोटी घटना थी, इसलिए इस पर काबू पा लिया गया. इसस पहले एक मार्च को डायलिसिस वार्ड के केमिकल गोदाम में अगलगी की बड़ी घटना घटी थी. आग लगने से लगभग एक करोड़ की केमिकल समेत अन्य संपत्ति जल गए थे. एक जांच रिपोर्ट में शॉर्ट सर्किट तो दूसरी जांच रिपोर्ट में अगलगी में संदेह जताया गया है कि जहां आग लगी थी. उसमें करंट नहीं थी. जबकि स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि आरओ प्लांट में करंट है. जहां शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना हो सकती है. फिलहाल जांच टीम ही जाने कैसे आग लगी थी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in सोमवार 11 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 323 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ऐसे हाल में क्यों नहीं चौड़ी रहेगी रंगदारों की छाती, नहीं होती कोई कार्रवाई | गोपालीचक में वारदात के 15 दिन में सिर्फ तीन धराए, जबकि तेतुलमुढ़ी में दो गए जेल

पुलिस कोरम पूरा करती है या कुछ और...500 पर मुकदमा, गिरफ्तारी सिर्फ 5 की

संवाददाता। धनबाद

एक पखवारे के दौरान धनबाद जिले के दो कोल डंपों में रंगदारी को लेकर जमकर बवाल काटा गया. गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजती रही और बमों के धमाकों से दहशत फैलाने का काम किया गया. दोनों वारदातों में पुलिस सामने थी, सब कुछ पुलिस के सामने ही हुआ और अंत में पुलिस ने खोखे और बम की सुतरी बरामद कर एफआईआर का कोरम पूरा किया. एफआइआर करने में पुलिस ने कहीं कोई कोताही नहीं, दोनों वारदातों में आधा दर्जन मुकदमे दर्ज किए गए और इन मामलों में साढ़े पांच सौ के करीब आरोपी बनाए गए हैं, लेकिन जैसे ही बात गिरफ्तारी की आती है तो पुलिस का रवैया संदिग्ध हो जाता है, यकीन नहीं होगा कि इन दोनों विवादों में साढ़े पांच सौ अभियुक्तों में सिर्फ पांच लोग ही गिरफ्तार किए गए और वो भी वह लोग जो या तो बवाल की शिकायत करने थाने पहुंचे थे या फिर विवाद में जख्मी होकर अस्पताल में भर्ती थे.

गोपालीचक वारदात

15 दिनों में सिर्फ तीन डाले गए सलाखों के अंदर

24 फरवरी को गोपालीचक के एनएसआर आउट सोर्सिंग के पास कोल डंप में ट्रकों की लोडिंग के बहाने सिंह मैंशन और रघुकुल समर्थकों में भिड़ंत हुई थी. इस विवाद में दोनों तरफ से करीब डेढ़ घंटे तक पुलिस के सामने ही गोलीबारी और बमबाजी भी हुई. सोनू यादव नामक युवक को गोली भी लगी थी. दोनों तरफ कई जख्मी हुए और पुलिस ने जिंदा कारतूस, पांच बम भी बरामए किए थे. इस विवाद में तीन प्राथमिकियां दर्ज हुई थी. तीनों में 53 नामजद और करीब डेढ़ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम हुआ, लेकिन वारदात के पंद्रह दिन गुजरने के बाद भी इन तीनों प्राथमिकी के सिर्फ तीन लोग ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाले जा सके.

तेतुलमुढ़ी की वारदात में सिर्फ दो गिरफ्तार

9 मार्च को तेतुलमुढ़ी कोलडंप में विधायक ढुलू के समर्थक और झामुमो नेता हरेंद्र चौहान, कांग्रेस नेता राम रहीम, समेत अन्य के समर्थकों के बीच बवाल हो गया. जगजाहिर है कि यहां भी विवाद की पृष्ठाभूमि रंगदारी ही है. इस विवाद में भी जमकर फायरिंग हुई और बम फोड़े गए, सारा विवाद पुलिस के सामने ही हुआ, फिर एफआइआर की प्रक्रिया पूरी की गई. 50 से अधिक लोग नामजद अभियुक्त बनाए गए और 400 के करीब अज्ञातों को प्राथमिकी में लाया गया. अब गिरफ्तारी की बात की जाए तो सिर्फ दो. ऐसे में रंगदारों को किस बात का डर लगेगा. पैसे के दम में आदमी बुलाकर बवाल कराना और जब तक जमानत न हो तब तक छिप कर रहना या फिर पुलिस को मैनेज कर लेना. ऐसा ही कर विधि व्यवसथा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है.

धरना-प्रदर्शन के नाम पर चलती है रंगदारी की दुकान

कोयलांचल के आउट सोर्सिंग स्थल या फिर कोल डंपों में जहां ट्रकों से कोयले की लोडिंग होती है, इन जगहों पर धरना-प्रदर्शन के नाम पर रंगदारी की दुकान चलाई जा रही है. इनमें विधायक स्तर से लेकर छोटे-मोटे टपोरी तक शामिल हैं. हर कद के अनुसार नोट की गड्डी गिरती है. कुछ चर्चित हैं, जो अक्सर दन विवादों में सामने आते हैं लेकिन पुलिस इन्हें नजरअंदाज कर आगे बढ़ जाती है. गोलू रवानी, मुकेश सिंह, सुरेंद्र सिंह, नवीन पंडित, नीतिश यादव, विजय पासवान, प्रमोद सिंह, नगेंद्र उपाध्याय, बिट्टू, बीडी सिंह, विराट सिंह समेत कई अन्य हैं.

पैसे लेकर बवाल करना मकसद : एसएसपी

धनबाद एसएसपी एचपी जर्नादनन ने बताया कि गोपालीचक मामले में पकड़कर जेल भेजे तीनों ने पुलिस के सामने इस बात को कबूल किया है, उन लोगों का लोडिंग या मजदूरी से कोई नाता नहीं है. इन लोगों को बवाल करने के लिए पांच-पांच हजार रुपये दिए गए थे. इन लोगों ने वैसा ही किया रकम वसूली और कोल डंप में आकर खूब बवाल किया. ऐसे में अब पुलिस के पास वो नाम भी होंगे कि पैसे देकर किन लोगों ने बवाल कराया है, उम्मीद है ऐसे लोगों को भी पुलिस बेनकाब करने का काम करेगी. एसएसपी ने ये भी बताया है कि जिन लोगों के खिलाफ तीन या इससे अधिक मुकदमे दर्ज हैं, उनके खिलाफ पुलिस सीसीए के तहत कार्रवाई करेगी.

राजा राम यादव ने दे रखा है अल्टीमेटम

विधायक ढुल्लू महतो का खास गुर्गा है राजाराम यादव, जिसके खिलाफ तेतुलमुढ़ी कोल डंप बवाल में नामजद प्राथमिकी है, उसने सोमवार को फिर एक धरने का अल्टीमेटम दे रखा है. उसने युनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के बैनर तले तेतुलमारी के राधा चेन्नई इंजीयिरिंग वकर्स प्राइवेट लिमिटेड में धरना देने की बात कही है. यहां भी रोजगार के नाम पर रंगदारी के खेल से इंकार नहीं है. मजे की बात ये है कि इस धरना को लेकर दिए गए लेटर पैड में भाजपा से बाघमारा विधायक ढुलू महतो एक कामरेड नेता हैं, और इस मजदूर यूनियन के केंद्रीय सचिव भी हैं. अब अंदाजा लगाया जा सकता है कि रंगदारी के खेल में कैसे-कैसे पापड़ बेले जा रहे हैं.

गोरखधंधा : लॉटरी माफिया में जंग, समीर अकेला तीन हुए संग, अब चलेगा लूट का धंधा

अब संगठित होकर गरीबों को लूटेंगे लॉटरी माफिया

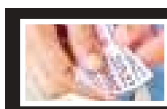

अवैध लॉटरी का **कारोबार** 6

रिजवान शम्स । धनबाद

झरिया के लॉटरी माफियाओं में कारोबारी वर्चस्व को उठा-पठक की शुरुआत हो गई है. गरीबों और मजदूरों की गाढ़ी कमाई लूटने में झरिया से लेकर सिंदरी तक में सबसे बड़ा नाम समीर है, इसके खिलाफ तीन लॉटरी माफिया एक साथ हो गए हैं और पुलिस मैनेज करने में से लेकर हर काम में साथ-साथ चल रहे हैं, हालांकि यह तीनों एक सिंडिकेट में होने के बाद भी अपने-अपने ब्रांड की ही लॉटरी बेचने का काम करेंगे, ऐसा ही इकरार तीनों के बीच हुआ है.सूत्रों की मानें तो झरिया से लेकर सिंदरी तक एक-दो थाना-ओपी को छोड़ दिया जाए तो सिंडिकेट को हर थाने से हरी झंडी मिल चुकी है. ये खेल मात्र तीन-चार दिनों में खेला गया है. कुल मिलाकर यह कहा जाए कि अब लूटने के इस कारोबार को लॉटरी माफिया संगठित हो करेंगे. बताते चलें कि पूर्व में समीर ने पुलिस मैनेज कर लॉटरी के कारोबार में अपना दबदबा कायम किया था, इसके बाद समीर इस अवैध धंधे में किसी को भी आसपास फटकने नहीं दे रहा था. हालाकि अब लगभग हर क्षेत्र में लॉटरी के धंधेबाज खड़े हो गए हैं और अपना पांव पसार रहे हैं. हालांकि पुराने शातिर समीर को आज भी टक्कर देना आसान नहीं था, इस कारण तीन बड़े धंधेबाज एक जुट हो गए और तीनों मिलकर काम कर रहे हैं, हालांकि शातिर समीर के पैंतरे भी कम नहीं हैं, आने वाले दिनों में वो भी कुछ नया गुल खिला सकता है, ऐसे में यह बात कहना गलत नहीं होगा कि इन सभी लोगों में इस बात की होड़ मची है कि कौन गरीबों व मजदूरों और हर दिन कमा कर जिंदगी गुजारने वालों को कितना ज्यादा लूट सकता है, ऐसे कारोबार में खाकी की खुली सहमति मिलना और भी खतरनाक साबित हो सकता है. बताते चलें कि पूर्व एसएसपी के समय ये सारे अवैध कारोबारी खूब फले-फुले थे, नए एसएसपी एचपी जर्नादनन के आने के बाद मामला फंस गया. साहब का मूड भांपा गया तो कोई भी लाइजनर फिलहाल तक यहां नहीं पहुंचा है.

हालांकि कोई वर्मा है, जो इन धंधेबाजों को वादा कर रहा है कि वो साहब से बात कर लेगा. इस कारण ये सारे धंधेबाज बिना पुलिस को मैनेज किए ही काम कर रहे थे, लेकिन धंधेबाज पूरी तरह से बेखौफ और खुलकर काम करना चाहते हैं, इस कारण सभी धंधेबाजों की दस्तक थानेदार, डीएसपी और शहरी साहब के दरवाजे तक पहुंच चुकी है. सूत्रों की मानें तो जोरापोखर थाना को छोड़कर अन्य जगहों पर हरी झंडी मिल चुकी है, जोरापोखर में अभी मामला पेंडिंग पड़ा है.

निक्की ने किया सिंडिकेट को एकजुट

झरिया का निक्की भी लॉटरी के धंधे में एक पुराना नाम है. पूर्व में निक्की सरकारी यानी वैध लॉटरी का कारोबार करता था. कई सालों तक उसने पश्विम बंगाल के दुर्गापुर में लॉटरी का काम किया. इसके बाद वह करीब एक साल से झरिया आ गया और अवैध लॉटरी का काम करने लगा. साल भर में निक्की ने लॉटरी के काम में कमाई देख ली और उसने इस कमाई के माध्यम को और बड़ा करने के लिए अब सिंडिकेट बना लिया है. इस सिंडिकेट के बने हुए मात्र तीन-चार दिन ही हो रहे हैं और तीन-चार दिनों में ही सिंडिकेट की गतिविधि तेज हो गई है. सिर्फ जिले के बड़े साहब को छोड़कर सब जगह बात बन चुकी है या फिर बनने के करीब है, ऐसे में निक्की ने सिंडिकेट को भरोसा दिलाया है कि बड़े साहब के यहां वर्मा नाम का एक आदमी है, जो काम करा देगा. इसी बात पर पूरा सिंडिकेट खुश है. वहीं समीर इस खेल का पुराना माहिर है, उसे पूर्व से ही मैनेज करने का अनुभव है, इस कारण उसे भी फिलहाल तक कोई खास दिक्कत नहीं हुई, सिर्फ जोरापोखर में ही उसे भी फटकार मिली और बैरंग लौटा दिया गया था.

इधर, झरिया में गेसिंग भी चालू

लॉटरी के साथ-साथ झरिया में दो जगहों पर गेसिंग का काम चालू हो गया है. झरिया के बनियाहीर मैदान और इंदिरा नगर भालगोरा में दो अलग-अलग धंधेबाजों ने गेसिंग शुरू किया है. गेसिंग में रकम लगाने वालों की भीड़ इन जगहों पर जमा होने लगी है. बताते चलें कि गेसिंग भी एक तरह का जुआ है, जिसमें जुआरी रकम लगाते हैं, कभी धनबाद में हजारों लोग इस गेसिंग के खेल में बर्बाद हुए थे, कई सालों से धनबाद में गेसिंग का खेल बंद था लेकिन अब एक बार फिर से गेसिंग की शुरुआत हो गई है.

1. पुलिस व विवाद मैनेज करने के लिए तीन लॉटरी माफियाओं का बना है सिंडिकेट

2. जामाडोबा का तनवीर व अली के साथ मिल गया झरिया का निक्की, समीर को दी चुनौति

3. कई थानों व पदाधिकरियों से मिली इस सिंडिकेट को हरी झंडी,जबकि समीर पहले ही ले चुका है

धनबाद जेल में छापा, मोबाइल इस्तेमाल का संदेह गहराया

मोबाइल चार्जर, खैनी, कैंची, चिलम आदि बरामद

संवाददाता । धनबाद

अमन सिंह हत्याकांड के बाद धनबाद जेल में लगातार छापेमारी की जा रही है. रविवार को भी प्रशासनिक और पुलिस विभाग की टीम ने जेल में छापेमारी की और सभी वार्ड को खंगालने का काम किया. इस दौरान टीम को एक मोबाइल चार्जर, कैंची, चिलम, नेलकटर आदि मिले हैं. चार्जर मिलने से इस बात का संदेह गहरा गया है कि जेल के अंदर फिर से मोबाइल का प्रयोग तो नहीं हो रहा है. बताते चलें कि अमन सिंह की हत्या में जेल के अंदर और बाहर के कनेक्शन मोबाइल से जुड़े थे और वारदात को अंजाम तक ले गए थे. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक के नेतृत्व में रविवार की सुबह धनबाद मंडल कारा में तलाशी ली गई. अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर आज सुबह सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, कार्यपालक दंडाधिकारी रविंद्र कुमार, पुटकी व झरिया के अंचल अधिकारी, टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं जिला पुलिस बल ने संयुक्त रूप से मंडल कारा की औचक तलाशी ली।

इस क्रम में मंडल कारा के सभी वार्डों की सघन जांच की गई. जांच के दौरान मिली आपत्तिजनक सामानों को प्रभारी कारा अधीक्षक को सुपुर्द कर दिया गया.

खास बातें

- अमन सिंह की हत्या के बाद से लगातार हो रही छापेमारी
- आपत्तिजनक सारे सामान काराधीक्षक के सुपुर्द किया

प्रबंधन से वार्ता के बाद हड़ताल खत्म

- खदान कर्मियों ने शनिवार सुबह से ही काम ठप किया था
- सभी हड़ताली कर्मचारी देर रात काम पर लौट आए हैं

संवाददाता। किरीबुरु

पिछले चुनाव ड्यूटी के एवज में फाइनल बिल के डीए से काटे गये 0.50 फीसदी राशि का भुगतान की मांग को लेकर सेल, किरीबुरु खदान के कर्मियों की हड़ताल शनिवार की रात 12 बजे समाप्त हो गई. हड़ताल प्रबंधन से वार्ता के 10 घंटे बाद खत्म हुई.

यह हड़ताल 9 मार्च की दोपहर लगभग 2 बजे से शुरू हुई थी. हड़ताल समाप्त होने के बाद सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं. इसके बाद किरीबुरु खदान में उत्पादन व प्रेषण सामान्य रुप से प्रारंभ हो गया. इस मामले को लेकर सेलकर्मियों ने बताया कि किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय, महाप्रबंधक (वित्त) एसआर स्वांय, उप महाप्रबंधक (पीएंडए) अमित विश्वास आदि अधिकारियों के साथ संयुक्त रुप से हड़ताल किये सभी यूनियनों के सेलकर्मियों की लंबी बैठक हुई. जेनरल ऑफिस में हुई बैठक की अध्यक्षता सीजीएम कमलेश राय ने की थी.इसके बाद प्रबंधन ने सेलकर्मियों को आश्वासन दिया कि पूर्व में काटे गये 0.50 फीसदी पैसे को वापस दिलाने हेतु उच्च अधिकारियों से वार्ता की जाएगा. 10 दिनों के अंदर यह पैसा दिलाने की कोशिश करेंगे. इसके बाद सेलकर्मियों ने इसे अपनी बड़ी जीत मानते हुये आंदोलन समाप्त कर दिया. सभी सेलकर्मी अपने-अपने काम पर लौट गये.

चार दर्जन मामलों में आरोपी बनाये गये ढुल्लू को क्या भाजपा देगी लोकसभा का टिकट

राजनीति का हुआ अपराधीकरण : विजय झा

संवाददाता। धनबाद

लोकसभा चुनाव के लिए धनबाद प्रत्याशी की घोषणा भाजपा द्वारा किये जाने में चंद घंटों का समय बाकी हैं. 24 से 48 घंटों के बीच भाजपा अपना उम्मीदवार घोषित कर सकती है. ऐसे में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय झा ने भाजपा को नसीहत दी है. विजय झा ने कहा कि जिस बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के ऊपर चार दर्जन मामले दर्ज हैं, उसे भाजपा को अपना लोकसभा उम्मीदवार नहीं बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि 70 से 80 के दशक में जो भाजपा भ्रष्टाचार एवं अपराध की धुर विरोधी थी. उसमें कई तरह के बदलाव आ गए हैं . आज कितना भी बड़ा भ्रष्टाचारी भाजपा में आकर शुद्ध हो जा रहा है. उन्होंने कहा कि राजनीति का अपराधीकरण हो गया है. अपनी पार्टी में शामिल नेताओं का अपराध भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को नहीं दिखता है. जबकि अन्य दलों के नेताओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जाती है.

ढुल्लू महतो

धरने पर बैठे बाघमारा के रैयतों के साथ न्याय हो

बाघमारा के रैयतों द्वारा दिये जा रहे अनिश्चित कालीन धरने के समर्थन में विजय झा ने कहा कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि एक विधायक के द्वारा उसके क्षेत्र की जनता के घर की बिजली पानी काट देना भी अपराध की श्रेणी में ही आता है. उन्होंने कहा कि यदि भाजपा ऐसा करती है तो आज दो चार परिवार धरने पर बैठे हैं, कल को पूरे जिले के लोगों को बारी बारी धरने पर बैठना पड़ेगा. हर पार्टी को चाहिए कि राजनीति में व्याप्त अपराधी को बाहर का रास्ता दिखाए.

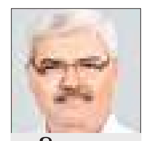

विजय झा

तड़ीपार का प्रयोग करें जिला प्रशासन : विजय झा ने धनबाद में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए डीसी एवं एसएसपी से तड़ीपार का इस्तेमाल करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि एक तरह को दर्जन भर मामलों में आरोपी को तड़ीपार किया जाना चाहिए. ऐसे करने से ही अपराध पर लगाम लगाया जा सकता है. शनिवार को ढुल्लू महतो पर हुए केस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनपर रंगदारी, गोलीबारी आदि के गंभीर मामलों के कई केस दर्ज है. ऐसे अपराधी को तड़ीपार किया जाना चाहिए.

बढ़ती घटनाएं नशा, जुआ और लॉटरी का फैलने लगा है कारोबार

...8 दिन में सरायकेला जिले में 2 करोड़ की चोरियां

संवाददाता। आदित्यपुर

सरायकेला जिले के नए पुलिस कप्तान और उनके थानेदारों से नहीं संभल रही है जिले की विधि व्यवस्था. यहां लगातार चोरी की घटना में वृद्धि हो रही है. इतना ही नहीं जिले में नशे का कारोबार फिर से जोर पकड़ रहा है. गलियों में जुआ और अवैध लॉटरी का धंधा भी फिर से फलने फूलने लगा है. जिले के ताजा हालात पर गौर करें तो चोरी की दो बड़ी वारदातों ने जिले वासियों को अपने अमानत में खयानत होने का भय सताने लगा है. बीते शनिवार की रात जिला मुख्यालय के सरायकेला थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित गैरेज चौक के एक बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फर्नीचर दुकान से 40 से 50 लाख रुपए के आसपास के मोबाइल की चोरी हुई है. हालांकि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. लेकिन इसके बावजूद पुलिस चोरों की सुराग तलाश रही है.

6 फ्लैटों में हुई थी एक साथ चोरी : बता दें कि कुछ इसी तरह की वारदात पिछले हफ्ते शनिवार की ही रात आदित्यपुर के आरआईटी थाना क्षेत्र में घटी थी. यहां भी चोरों ने अर्थ इन्क्लेव सोसाइटी में एक साथ छह फ्लैट का ताला तोड़कर एक करोड़ से भी अधिक की नगदी और जेवरात की चोरी की थी. यह घटना भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी लेकिन पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है. 8 दिनों के अंदर करीब 2 करोड़ रुपए की चोरी की घटना घटित होना और पुलिस को कोई सफलता नहीं मिलना यहां की घटिया पुलिसिया सिस्टम को दर्शाती है. बीती रात सरायकेला मुख्यालय में हुई चोरी की घटना में बताया जाता है कि दो की संख्या में आये चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया है. जो दुकान के पिछले दरवाजे से अंदर प्रवेश किए और दुकान में रखे 40 से 50 लाख रुपए के मोबाइल चुरा ले गए हैं. सुबह 9 बजे के आसपास दुकान के मालिक शुभम डे जब दुकान खोलने पहुंचे तो उनके होश उड़ गए. जब उन्होंने अपने दुकान से भारी मात्रा में मोबाइल को गायब पाया. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना सरायकेला थाना को दी. सूचना पाकर करीब एक घंटे बाद पुलिस दुकान में पहुंचकर जांच पड़ताल की है, और सीसीटीवी कैमरे को खंगाला है.

बढ़ती चोरियों से लोग हलकान

बता दें कि इन दिनों जिले में चोरों का आतंक सर चढ़कर बोल रहा है. 8 दिनों में दो बड़े चोरी की वारदातों से जिले के कारोबारी, व्यवसायी, दुकानदार सभी हलकान हैं, वे जिले में कारोबार करना सुरक्षित नहीं मान रहे हैं. अब तो लोग खुल कर पुलिस पर सवाल उठाने लगे हैं. लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता से ही वारदातों में इजाफा हुआ है.

लाइट हाउस प्रोजेक्ट का पीएम ने किया वर्चुअल उद्घाटन

रांची । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रांची के लाइट हाउस प्रोजेक्ट का रविवार को पीएम मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया. इस कड़ी में राजधानी के मौसीबाड़ी मैदान पंचमुखी मंदिर के नजदीक कुल-1008 आवासों का उद्घाटन किया गया. ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज के तहत 3डी वॉल्युमेट्रीक प्रीकस्ट विधि से 5.15 एकड़ में 7 इमारत बनाए गए हैं. 131 करोड़ की लागत से 18 महीनों में 1008 फ्लैट बनाए गए. हरेक फ्लैट 1बीएचके है, जो 315 स्क्वायर फीट में बना है.उद्घाटन के दौरान 10 लाभुकों को सांकेतिक रूप से फ्लैट की चाबी दी गई. लाभुकों में शोभा देवी, केशरी देवी, संजय कुमार कर्ण, मनोज कुमार वर्मा, राकेश कुमार दास, पूनम देवी, इंदू देवी, मुन्नी देवी, सबिता कुमारी और अजय कुमार ठाकुर के नाम शामिल हैं.

जुगसलाई में लेन-देन के विवाद में भाई ने भाई की कर दी हत्या

संवाददाता। जमशेदपुर

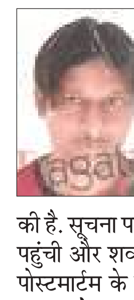

जमशेदपुर के जुगसलाई थाना अंतर्गत गरीब नवाज कॉलोनी में लेन-देन के विवाद के बाद बड़े भाई ने छोटे भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी. घटना शनिवार देर रात की है. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं पुलिस ने हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है.

दरअसर इस्लाम नगर निवासी 30 तसव्वर हुसैन स्कैप चुनकर जीवन यापन करता है. इस काम में भाई गौहर हुसैन भी उसका साथ देता है. दोनों स्कैप चुनने के बाद उसे टाल में बेच देते थे. जो रुपये भी मिलता उसे आपस में बांट लेते थे.

लाठी से कई बार किया सिर पर वार : परिजनों ने बताया कि दोनों नशे के आदि थे. तस्सवुर की शादी तीन साल पहले हुई थी पर नशा करने के कारण पत्नी छोड़कर चली गई. बीती रात दोनों लेन-देन के पैसों को आपस में बांट रहे थे. इसी बीच विवाद शुरु हो गया जिसके बाद गौहर ने पास ही रखी लाठी उठाई और तसव्वर के सिर पर कई बार वार किया. उसने तब तक वार किया जब तक की तसव्वर की जान नहीं चली गई. रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया. फिलहाल पुलिस आरोपी गौहर को जेल भेजने की तैयारी कर रही है.

हजारीबाग लोस से भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने रामगढ़ जिले में शुरू किया जनसंपर्क अभियान

मां छिन्नमस्तिका की विशेष पूजा-अर्चना मांगा जीत का आशीर्वाद

संवाददाता। रामगढ़

चुनावी जनसंपर्क

- भाजपा कार्यकर्ताओं संग मां के दरबार में हाजिरी लगाई
- क्षेत्र में घूम कर लोकसभा चुनाव में से मांगा जनसमर्थन

हजारीबाग लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने रामगढ़ जिले में रविवार को अपने जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की. सबसे पहले उन्होंने चितरपुर प्रखंड के रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना किया. यहां उन्होंने नारियल बलि देकर मां भगवती से आशीर्वाद मांगा. वहीं, हजारीबाग नगर पूर्वी मंडल के कार्यकर्ताओं ने उनके संग मां के दरबार में विशेष पूजा-अर्चना की.

कार्यकर्ताओं ने हजारीबाग लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल की जीत के लिए माता से मन्नत मांगी. इस दौरान सह हजारीबाग लोकसभा के संयोजक कुंटु बाबू, रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, खिरोधर साहू, समाजसेवी विजय जायसवाल, युवा नेता राजीव जायसवाल, जिला मंत्री बसुद तिवारी, दिलीप सिंह, आईटी सेल प्रभारी धीरज साहू, जिला मीडिया प्रभारी भीम सेन चौहान, भाजपा नगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता, महामंत्री राजीव सिंह, महामंत्री अजय प्रजापति, उपाध्यक्ष रिंकू वर्मा, उपाध्यक्ष विजय चौधरी, नगर मंत्री शिवकुमार प्रजापति, अरुण कुमार, सुधीर कुमार, बाबू सिंह, महेंद्र मेहता, उमेश प्रजापति, गोला मंडल अध्यक्ष बबलू साव, बरलंगा मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, युवा मोर्चा महामंत्री मनसू बेदिया, बबली सिंह, मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य साथ थे.

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता : जायसवाल

- 7.45 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास
- 10 पंचायतों के 25 गांवों में विकास को मिलेगी गति

हजारीबाग। डेमोटांड़ में रविवार को सदर विधायक सह हजारीबाग लोकसभा से भाजपा के सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने विधायक मद से सदर प्रखंड क्षेत्र के 10 पंचायत के करीब 25 गांवों के विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. करीब 2 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य होगा. इसके साथ ही 4 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से सदर बीडीओ, सीओ सहित अन्य कर्मचारियों के आवास निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया. वहीं डेमोटांड़ के मॉडल सामूदायिक भवन के दूसरे तल का भी उद्घाटन किया. इस अवसर पर मनीष जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी प्राथमिकता रही है और इसी भाव से आगे भी कार्य करूंगा. उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि अगर आप मौका दें, तो पूरे हजारीबाग लोस क्षेत्र के लोगों का सुख-दु:ख का साथी बनूंगा.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में मॉड्यूलर ओटी का निर्माण पूरा

संवाददाता। हजारीबाग

स्वास्थ्य व्यवस्था

- चिकित्सीय सुविधाओं का मिलेगा लाभ, उद्घाटन आज
- डीएमएफटी मद से 62.13 लाख रुपये से हुआ है निर्माण

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण को लेकर जिला प्रशासन के दूरदर्शी प्रयास से एक और मील का पत्थर स्थापित हुआ है. उपायुक्त नैंसी सहाय और उपविकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित के कुशल नेतृत्व में आधुनिक परिवर्तन देखने को मिल रहे है. इस कड़ी में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आर्थो विभाग में मॉड्यूलर ओटी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है.

इस मॉड्यूलर ओटी का विधिवत उद्घाटन 11 मार्च को कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया जाएगा. डीएमएफटी मद से 62.13 लाख रुपये की लागत से इस आधुनिक मॉड्यूलर ओटी का निर्माण किया गया है. इसके बनने से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हजारीबाग के साथ-साथ निकटवर्ती जिलों से इलाज के लिए आने वाले जरूरतमंदों को ऑर्थो संबंधी चिकित्सीय सुविधाओं का लाभ मिल पाएगा.

ब्रीफ खबरें

दूसरे को परीक्षा दिलाने वाला आरोपी पकड़ाया

हजारीबाग। शहर के कोर्रा थाना पुलिस ने अपने नाम पर दूसरे व्यक्ति को परीक्षा दिलाने के आरोपी सुभाष कुमार को कोडरमा से गिरफ्तार कर लिया है. यह जानकारी सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष ने दी. उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी को बहुत दिनों से ट्रैक किया जा रहा था. इस बीच पुलिस को उसके कोडरमा में मौजूद रहने की सूचना मिली. उन्होंने कोर्रा थाना पुलिस को तत्काल छापेमारी कर गिरफ्तार करने का निर्देश दिया. कोर्रा थाना प्रभारी शमशेर बहादुर दल-बल के साथ कोडरमा पहुंचे और फिर मोबाइल लोकेशन ट्रेस करते आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पकड़ा गया आरोपी झारखंड सीटेट सेकंड पेपर की परीक्षा में अपने एडमिट कार्ड पर दूसरे व्यक्ति का फोटो चिपका कर उसे परीक्षा देने भेज दिया था.

सड़क निर्माण शिलापट्ट उखाड़ ले गए शरारती

विष्णुगढ़। प्रखंड के उच्चाघना से निर्माण कार्य का शिलापट्ट गायब कर दिया गया. जोबर पंचायत के उच्चाघना से चटकरी पिपराटांड़ तक पांच किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का शिलापट्ट बीते शुक्रवार रात कुछ शरारती उखाड़ ले गए. मांडू के भाजपा विधायक जेपी पटेल ने शुक्रवार को ही इसकी आधारशिला रखी थी. इस कच्ची सड़क का कालीकरण किया जाना है. यह कृत्य किसने किया है, इसकी जानकारी नहीं हो सकी है. इस बावत पूछे जाने पर पूर्वी मंडल भाजपा अध्यक्ष नारायण महतो अनभिज्ञता जाहिर की. कयास लगाया जा रहा है कि यह विधायक से रंजिश रखने वालों का कारनामा हो सकता है. फिलहाल, पूरे प्रकरण को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की बातें हो रही है.

महिलाएं समाज की मजबूत नींव : सुनीता

रामगढ़। शहर के वार्ड नंबर 7 में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक सुनीता चौधरी उपस्थित थीं. कार्यक्रम का नेतृत्व रीना शाह, अध्यक्षता सिंधु मेहता और संचालन मीरा देवी ने किया. कार्यक्रम में पूजा देवी, रिंकी देवी, आशा पासवान, बबीता देवी, सविता देवी, सुनीता देवी, सुलेखा देवी ने तिलक और स्माइली बैच लगा कर सभी महिलाओं का स्वागत किया. कार्यक्रम में विधायक सुनीता चौधरी ने कहा कि महिलाएं समाज की सबसे मजबूत नींव हैं. इसी सोच के साथ आजसू पार्टी ने राज्य की महिलाओं को पंचायती राज्य व्यवस्था में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है. सम्मेलन में समाज की बुजुर्ग महिलाओं को उपहार और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया.

गांव से शहर तक फैल रहा नकली शराब का अवैध कारोबार

कहीं लील न ले जिंदगियां

शुभम संदेश पड़ताल

साहब जागिए

- कौन है व्यापारी, कहां से आ रही है नकली शराब की खेप
- कई दुकानों और होटलों में अवैध रूप से बिक रही शराब

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

> हजारीबाग जिले में कहां-कहां अवैध शराब की बिक्री रही है, इसकी कोई जानकारी नहीं है. अगर कोई जानकारी मिलेगी, तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.
>
> – सुनील कुमार चौधरी, सहायक उत्पाद आयुक्त

जिले में इन दिनों नकली शराब की गोरखधंधा खूब फल-फूल रहा है. गांव से लेकर शहर तक के राशन दुकान, तंबाकू दुकान के अलावा होटलों में इसकी बिक्री धड़ल्ले से हो रही है. ग्रामीण क्षेत्र के कई दुकानदार होलसेलर के रूप में काम कर रहे हैं. अगर समय रहते नकली शराब के अवैध कारोबार पर नकेल नहीं कसा गया, तो इसका सेवन करने वाले लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं.

बता दें कि जिले में सरकार की निगरानी में 72 शराब काउंटर चलाए जा रहे हैं. इसमें 17 विदेशी शराब और 12 काउंटर देसी शराब की बिक्री के लिए हैं. वहीं कंपेजिट शराब की 44 दुकानें हैं, जिसमें देसी और विदेशी दोनों प्रकार शराब उपलब्ध रहते हैं. इन शराब काउंटरों से राज्य सरकार ने पहले एक साल के लिए 2.22 करोड़ की शराब बेचने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में बढ़ा कर 115 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन, सूत्रों की मानें, तो जिले में एक साल में 300 करोड़ रुपये की शराब गटक ली जा रही है. ऐसे में सरकार की शराब कम और नकली शराब की बिक्री ज्यादा हो रही है. इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है.

राज्य सरकार 72 शराब दुकानों में काम करने वाले लोगों के मानदेय पर एक माह में 8,76,000 रुपये खर्च करती है. वहीं, अवैध व नकली शराब की बिक्री, शराब तस्करी आदि पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी उत्पाद विभाग को दी है. इसके बावजूद जिले में नकली शराब का कारोबार तेजी से फैल रहा है. हालांकि, कभी-कभार वरीय अधिकारियों को खुश करने के लिए अवैध शराब की खेप के साथ तस्कर और कारोबारियों को भी पकड़ा जाता है. मगर, यह सिर्फ खानापूर्ति करने भर के लिए सीमित रह जाता है.

अवैध शराब कारोबारियों को समय रहते चिह्नित कर कार्रवाई जरूरी

राज्य सरकार द्वारा संचालित शराब काउंटरों में सरकार ही अपने होलसेलर के माध्यम से एमआरपी पर शराब उपलब्ध कराती है. लेकिन, उन अवैध शराब करोबारियों और तस्करों को चिह्नित करना काफी जरूरी है, जो गांव-गांव में जाकर नकली शराब पहुंचा रहे हैं. आने वाले समय में होली के साथ-साथ चुनाव भी है. अगर, समय रहते नकली शराब की बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई, तो नकली शराब की बिक्री और भी बढ़ सकती है. सूत्रों की मानें, तो जिले के सीमावर्ती इलाकों और एनएच किनारे बने लाइन होटलों में धड़ल्ले से शराब की बिक्री की जाती है. यहां तक कि शराब पीने की भी पूरी सुविधा दी जाती है. शाम ढलने ही इन होटलों में पियक्कड़ों का जमावड़ा लगने लगता है. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आखिर यहां शराब कहां से आती है.

लोगों का आरोप सूचना देने के बाद भी नहीं की जाती है कोई कार्रवाई

इस संबंध में कुछ लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अवैध शराब कारोबारी और अधिकारियों के बीच मिलीभगत होती है. सूचना देने के बावजूद भी विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है. कभी फोन पर सूचना देने के बाद उत्पाद विभाग के कर्मी मौके पर जाते भी हैं, तो सौदा कर शराब माफिया को छोड़ देते हैं और फिर उससे प्रति महीना नजराना लेते हैं. ऐसा ही मामला दो माह पहले मंडई से सामने आया था. उस वक्त उत्पाद विभाग को सूचना देने के बाद विभाग के दो कर्मी गए और माफिया को पकड़ लिया. बाद में 25,000 रुपये शराब माफिया को छोड़ने की बात ने काफी तूल पकड़ा था. सूत्रों की मानें, तो आज भी उस इलाके में अवैध शराब की खेप होटल तक पहुंचनी है. ऐसे में शराब माफिया का मनोबल बढ़ता ही जा रहा है.

8 केंद्रों पर 1031 बच्चों ने दी परीक्षा

संवाददाता। बरकट्ठा

परीक्षा संपन्न

- पाचु महतो सेवा संघ की ओर से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता
- 17 मार्च को जारी किया जाएगा परीक्षा का परिणाम

प्रखंड क्षेत्र के कपका स्थित पाचु महतो सेवा संघ द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता, बरकट्ठा 2024 को लेकर रविवार को शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हो गई. संस्था के मुख्य ट्रस्टी सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि प्रखंड में कुल 8 केंद्र बनाए गए थे. इसमें पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका, मध्य विद्यालय बरकट्ठा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सलैया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गयपहाड़ी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बंडासिंगा, डीएस राज स्टडी प्वाइंट बंडासिंगा, डॉ. बीआर अंबेडकर कंप्यूटर सेंटर बेडोकला को परीक्षा केंद्र बनाया गया था.

इस परीक्षा में कुल 1031 विद्यार्थियों ने भाग लिया. परीक्षा का परिणाम 17 मार्च को जारी किया जाएगा. प्रथम पुरस्कार के रूप में कंप्यूटर, द्वितीय पुरस्कार साइकिल, तृतीय पुरस्कार कलाई घड़ी दिया जाएगा. इसके अलावा टॉप 20 बच्चों को स्कूल बैग और टॉप 100 बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देने के साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा.

चौपारण वार्ड संघ के अध्यक्ष राजेश और सचिव बने रंजीत

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड की सभी पंचायतों के वार्ड सदस्यों ने रविवार को टॉउन हॉल में बैठक की. इस क्रम में 26 पंचायतों के 298 वार्ड सदस्यों की उपस्थिति में संघ का गठन किया गया. इसमें झापा पंचायत के वार्ड संख्या 6 के वार्ड सदस्य राजेश कुमार को अध्यक्ष, पड़रिया पंचायत के वार्ड संख्या 8 के वार्ड सदस्य रंजीत कुमार सिंह को सचिव, बेला पंचायत के वार्ड संख्या 11 की वार्ड सदस्य रजंती देवी को उपाध्यक्ष बनाया गया.

वहीं, करमा पंचायत के वार्ड सं. 12 के वार्ड सदस्य श्री प्रसाद ठाकुर को कोषाध्यक्ष, चैथी पंचायत के वार्ड संख्या 2 के वार्ड सदस्य सुकेश रजक को उपसचिव, करमा पंचायत के वार्ड संख्या 5 के वार्ड सदस्य विनोद कुमार, झापा पंचायत के वार्ड संख्या 14 के वार्ड सदस्य राजेश राणा एवं चयकला पंचायत के वार्ड सदस्य सलाउद्दीन को मीडिया प्रभारी के रूप में सर्वसम्मति से चयनित किया गया है. मौके पर प्रयाग भुइयां, गणेश भुइयां, नौशाद आलम, रंजीत दांगी, जितेंद्र कुमार, विजय दांगी, विनोद यादव, कुसुमलता देवी, फूलो देवी, सुमिता देवी, मुन्नी देवी, चंपा देवी, रेखा देवी, सबेदा खातून, हसीना बेबी, शेर खान, प्रियंका कुमारी, ललिता, गायत्री सहित सभी वार्ड सदस्य उपस्थित थे.

दो बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

बरकट्ठा। गोरहर थाना क्षेत्र के गोरहर में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई. वहीं, दो लोग घायल हो गए. मृतक की पहचान गिरिडीह जिला के मुंडरो अटका निवासी कैलाश महतो के रूप में की गई है. वहीं, दूसरी बाइक पर सवार महेंद्र मुर्मू व संतोष मुर्मू घायल हैं. गोरहर निवासी महेश कुमार से दुर्घटना सूचना मिलने पर ने जिप सदस्य प्रतिनिधि सीके पांडेय ने तीनों घायलों को एंबुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया. लेकिन, हॉस्पिटल पहुंचते ही एक व्यक्ति ने लाज के दौरान दम तोड़ दिया. गोरहर थाना प्रभारी ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिया हजारीबाग भेज दिया.

विवाहिता की संदिग्ध मौत, मृतका की मां ने थाने में दिया आवेदन

ससुरालवालों पर हत्या का आरोप

- बेटी के पति समेत सास-ससुर को किया नामजद
- ससुरालवालों पर जहर खिलाने का लगाया आरोप

संवाददाता। टाटीझरिया

आंगो थाना क्षेत्र के ग्राम बेड़म में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है. इस संबंध में मायकेवालों ने ससुराल वालों पर विवाहिता को जहर देकर मारने का आरोप लगाया गया है. मामले को लेकर मृत विवाहिता की मां पलमा निवासी सुमित्रा देवी, पति- चंद्रदेव महतो ने थाना में आवेदन देकर दहेज के लिए बेटी की हत्या का आरोप लगाया है.

आवेदन में उन्होंने पुलिस को बताया है कि उनकी बेटी आशा कुमारी (25) की शादी वर्ष 2018 में बेडम निवासी प्रेमचंद्र महतो के पुत्र सुरेंद्र कुमार महतो से हुई थी. शादी के समय 3 लाख नकद और अन्य सामान दिया था. शादी के कुछ माह बाद ही उनकी बेटी को ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे और दहेज में 5 लाख रुपए की मांग करने लगे. मृतका की मां ने दामाद सुरेंद्र कुमार महतो, ससुर प्रेमचंद्र महतो, सास फूलमनी देवी पर उसकी बेटी का गला पकड़ कर जहर खिलाने का आरोप लगाया है. इस संबंध में टाटीझरिया थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर जांच की जा रही है.

आदिवासी शिक्षिका लापता, भाई ने थाने में दिया आवेदन

टाटीझरिया। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के पसेरी महुआटांड निवासी तालो कुमारी (23) की गुमशुदगी को लेकर उसके भाई दिनेश मुर्मू ने टाटीझरिया थाना में आवेदन दिया है. उसने बताया कि तालो कुमारी नेशनल पब्लिक स्कूल, टाटीझरिया में सहायक शिक्षक है. वह 9 मार्च को दिन के 11:45 बजे स्कूल छुट्टी होने के बाद से अभी तक वह घर नहीं पहुंची है. कहा कि उसकी बहन प्रत्येक दिन महुआटांड़ से मुरूमातु पत्थर माइंस ब्लॉक रोड टाटीझरिया होते हुए नेशनल पब्लिक स्कूल पैदल आना-जाना करती थी. कुछ दिन पहले उसने पत्थर माइंस के हाइवा चालकों के द्वारा छेड़खानी की गई थी. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

चालक की सूझबूझ से खाक होने से बचा कंटेनर

विष्णुगढ़। पटना से रांची जा रहे लाडली रोडवेज का कंटेनर (जेएच 10 सीक्यू 4076) में बीच रास्ते में आग लग गई. इस हादसे में कंटेनर तो जलने से बच गया, मगर उसपर लदे बजाज कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक सामान आधे के करीब जल गए. घटना रविवार को बगोदर-विष्णुगढ़ सड़क पर घटी. कंटेनर चालक ने बताया कि चलनिया जंगल के पास पीछे से आ रहे एक बाइक सवार ने उसे बताया कि उसके वाहन के पिछले हिस्से से धुआं निकल रहा है. गाड़ी रोक कर देखा, तो लदे सामान सुलग रहे थे. चालक ने इसकी सूचना मालिक को दी और गाड़ी को विष्णुगढ़ जमुनिया डैम के वासिंग सेंटर ले गया. वहां पानी की बौछार से आग बुझाने की कोशिश की गयी. इसी दौरान वहां मौजूद लोग लदे सामानों को जलते वाहन से निकालने में जुट गए. इसके बावजूद लगभग आधे सामान जल गए. इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को मिली, तो मदद के लिए पहुंची और आग बुझाने में सहयोग किया.

यशवंत सिन्हा लड़ सकते हैं चुनाव, रोचक हो सकता है मुकाबला

बिगड़ सकता है भाजपा का खेल!

राजेन्द्र कुमार दुबे। विष्णुगढ़

दांव पेंच

- हजारीबाग में लंगर डालना, इसी ओर कर रहा है इशारा
- कई भाजपा कार्यकर्ताओं की जगजाहिर रही है नजदीकी

हजारीबाग लोकसभा सीट पर इंडी गठबंधन की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं. इसको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है. बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद और बरही विधायक उमाशंकर यादव उर्फ अकेला यादव की ऋष्व वाटिका में यशवंत सिन्हा से हुई मुलाकात, इस चर्चा को और हवा दे रही है. हजारीबाग में उनका लंगर डालना इसी ओर इशारा भी कर रहा है.

अब सवाल यह है कि क्या भाजपा के चुनावी अश्वमेघ के घोड़े को यशवंत सिन्हा हजारीबाग में रोक पाएंगे. इस पर दावे के साथ तो कुछ नहीं कहा जा सकता है, मगर उनके हजारीबाग के चुनावी रण में कूदने से टक्कर कांटे की हो सकती है. इसके पीछे कई वजह हैं. इनमें हजारीबाग से उनके चार दशक पुराने राजनीतिक रिश्ते के अलावा कांग्रेस के नाम पर एकमुश्त अल्पसंख्यक मतदाताओं के वोट मिलने की संभावना है. राजनीतिक पंडित भी इस संभावना से इनकार नहीं करते. उधर यशवंत सिन्हा के कारण भाजपा के वोटों में सेंधमारी हो सकती है.

ऐसा इसलिए कि यशवंत सिन्हा के भाजपा छोड़ने के बावजूद कई भाजपा कार्यकर्ताओं की उनसे नजदीकी में कोई कमी नहीं आई है. उनके हजारीबाग प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का मिलना-जुलना होता रहता है. वैसे कार्यकर्ता भाजपा में भले हों, लेकिन मन से यशवंत सिन्हा के साथ हैं. इस घालमेल का तोड़ भाजपा के पास नहीं है. इन तमाम परिस्थितियों से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को दो-चार होना पड़ेगा. हालांकि, उन्हें राम लहर और मोदी मैजिक पर पूरा विश्वास है और अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वश्त हैं.

बहरहाल, लोकसभा चुनाव में हजारीबाग सीट को लेकर यशवंत सिन्हा की दस्तक से हर ओर चर्चा का बाजार गर्म है. गौरतलब हो कि वर्तमान में इस सीट से यशवंत सिन्हा के पुत्र जयंत सिन्हा भाजपा कोटे से सांसद हैं. लेकिन, पार्टी द्वारा इस चुनाव में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा से पूर्व ही उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जाहिर कर दी थी.

आयोजन

बरकाकाना रेलवे की महिला कर्मचारियों को किया गया सम्मानित, योगदान की हुई खूब सराहना

महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देने पर जोर

संवाददाता। रामगढ़

महिला दिवस

- प्रतियोगिताओं में विजेता महिलाओं को पुरस्कृत किया
- अधिकारियों ने महिलाओं के योगदान को अहम बताया

विश्व महिला दिवस के अवसर पर बरकाकाना रेलवे की महिला कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया. इसका उद्देश्य महिला सशक्तीकरण और समाज में उनके सम्मान को बढ़ावा देना था. इस अवसर पर महिलाओं के योगदान को समझाने के लिए विभिन्न गतिविधियां हुईं. साथ ही उनके योगदान की प्रशंसा और प्रोत्साहन के लिए कई पुरस्कार भी बांटे गए.

इस आयोजन में भाग लेने वाली सभी महिलाओं ने अपनी सामाजिक, आर्थिक और पेशेवर उपलब्धियों के साथ अपने अनुभवों को भी साझा किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नम्रता कुमारी (एडीएमओ), विशिष्ठ अतिथि कुमार अंकित (डीटीएम बरकाकाना), सुरभि सिंह, सपना के अलावा ईसीआरकेयू के प्रतिनिधि महेंद्र कुमार महतो और बरकाकाना रेल के कई कर्मी भी शामिल थे. मंच संचालन आरके चौबे ने किया. सभी अतिथियों ने महिलाओं के समर्थन में अपने संदेश को जाहिर किया. उन्होंने समाज में महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए और उनके उत्थान की बात कही. इस आयोजन में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्चारी यूनियन की कई महिलाएं भी शामिल हुईं.

इस कार्यक्रम में क्रिकेट टूर्नामेंट, म्यूजिकल चेयर, ब्लाइंड फोल्ड, मटका फोड़, रस्सा-कस्सी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले लोगों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और एक-दूसरे के साथ आनंद का माहौल बनाया. आयोजन के अंत में विभिन्न प्रतियोगियों के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गीतांजलि, द्वितीय स्थान पर पुतुल देवी और तृतीय स्थान पर लाली कुमारी को सम्मानित किया गया. वहीं, क्रिकेट टूर्नामेंट में मुख्य खिलाड़ी के रूप में गीतांजलि कुमारी को सम्मानित किया गया.

हर डिपार्टमेंट की महिला कर्मियों ने लिया भाग

महिला दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट से अनीता तिर्की, मनीषा तिर्की, राधा रानी, कांति, शकुंतला, द्रौपदी, नूर जहां व खुशबू सिंह, पीडब्लूआई से जेशिका, ललिता, रीना व सोनाली, एईएन ऑफिस से सविता तिवारी, टेली कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट से मंजू देवी, आशा, सुनीता, एस बक्सला व जोजो, आरपीएफ से खुशबू मूर्ति, कंट्रोल ऑफिस से दिशा, सुरभी, गीतांजलि, रेवा, प्रियंका, फुल कुमारी व कल्पना चावला, वजन घर से किरण देवी व प्रतिभा, कैरिज एंड वैगन डिपार्टमेंट से लाली कुमारी, फूलो देवी, पटल देवी, ऋण देवी, गीता देवी, ललिता देवी, सपना कुमारी व लक्ष्मी कुमारी और बुकिंग डिपार्टमेंट से रूबी व काजल ने भाग लिया.

अंबा प्रसाद ने हहारो नदी पर किया पुल का शिलान्यास

संवाददाता। बड़कागांव

विकास कार्य

- तलसवार से सतबहिया के बीच नदी पर बनना है पुल
- समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने का निर्देश

प्रखंड के तलसवार (टिकरीटांड) से सदबहिया के बीच हाहारों नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण का शिलान्यास विधायक अंबा प्रसाद ने नारियल फोड़ कर किया गया. उक्त पुल का निर्माण कश्यप कंस्ट्रक्शन के द्वारा झारखंड सरकार ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा निर्गत लगभग 4 करोड़ की प्राक्कलित राशि से किया जाएगा.

शिलान्यास समारोह के बाद कांग्रेस पार्टी के पंचायत अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि की अध्यक्षता में सभा का आयोजन किया गया. सभा को संबोधित करते हुए विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि इस पंचायत का यह उच्च स्तरीय पुल का निर्माण होना ग्रामीणों की मेहनत का फल है. ग्रामीण इसे अपनी देखरेख में टिकाऊ बनवाना सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने कंस्ट्रक्शन कंपनी को समय से गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने का निर्देश दिया. कहा कि पंचायत कोर कमेटी के माध्यम से सभी पंचायत में विकास की योजनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं. इस पुल का निर्माण होने से अगल-बगल के सभी गांवों, विशेष कर सदबहिया में बसे बिरहोर परिवारों को काफी सहूलियत होगी.

ब्रीफ खबरें

गिट्टी लदे ट्रक को पुलिस ने पकड़ा

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना पुलिस ने गिट्टी लदे एक ट्रक को जब्त किया है. बताया गया कि ट्रक में बिना वैध कागजात के गिट्टी लोड कर बेंगाबाद छोटकी खरगडीहा के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा था. इसी दौरान पुलिस की गश्ती टीम ने शनिवार की रात ट्रक को छोटकी खरगडीहा के पास रोका और कागजातों की जांच की. जांच पड़ताल में वैध कागजातों की कमी पाए जाने पर गिट्टी लदे ट्रक को जब्त कर थाना लाया गया. बताया गया कि इस मामले में बेंगाबाद थाना द्वारा डीएमओ गिरीडीह की जांच के लिए प्रतिवेदन भेजा गया है. जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी.

सीएम चंपाई सोरेन को गार्ड ऑफ ऑनर

पीरटांड़ (गिरिडीह)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को सीएम चंपाई सोरेन पीरटांड़ प्रखंड स्थित मधुबन पहुंचे . मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को मधुबन स्थित सीआरपीएफ केम्प में ही गॉड ऑफ ऑनर दिया गया . मौके पर गिरिडीह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी दीपक कुमार शर्मा सहित कई नेता एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया . जिसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला कार्यक्रम स्थल मधुबन फुटबॉल मैदान के लिए रवाना हो गया .

दर्जनों महिलाओं ने थामा झामुमो का दामन

बोकारो। कसमार प्रखंड के मधुकरपुर में रविवार को एक सादे समारोह में पंचायत क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने झामुमो पार्टी पर अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी में शामिल हुए. इस दौरान झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद एवं प्रखंड प्रमुख नियोति कुमारी ने माला पहनाकर सभी कार्यकर्ताओं का पार्टी में स्वागत किया. सभी को झामुमो चुनाव चिन्ह का गमछा भेंट कर पार्टी में स्वागत किया गया. शामिल हुईं महिलाओं एवं अन्य लोगों ने कहा कि झामुमो की नीतियां जनकल्याणकारी हैं.

एनईपी 2020 की विशेषता पर कार्यशाला का आयोजन

बोकारो । चिन्मय विद्यालय बोकारो में एनईपी 2020 की विशेषताएं एवं उसके क्रियान्वयन के तरीके की जानकारी के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया. उन्हें इस बात की जानकारी दी गयी कि कैसे एनईपी 2020 शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाने वाले हैं. साथ हीं आने वाले वर्षों में सभी विद्यालयों में इस शिक्षा नीति का पालन किया जाएगा, जिससे छात्र एक सफल जीवन जीते हुए भारत के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं.

बीआरसी भवन में छापा, एक गिरफ्तार

साहिबगंज। बोरियो अंचल कार्यालय स्थित बीआरसी भवन में शनिवार देर शाम पदाधिकारियों ने छापेमारी की. पदाधिकारियों ने आधार कार्ड एजेंट जितेंद्र साह को गिरफ्तार कर लिया है. बीडीओ नागेश्वर साव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आधार कार्ड का काम कर रहा एजेंट फर्जी तरीके से मृत्यु प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र बनाता है. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नागेश्वर साव, अंचलाधिकारी (सीओ) विजय हेमराज खालको, थाना प्रभारी, प्रशिक्षु डीएसपी रूपक कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से छापेमारी की.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन,सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सबका मन मोहा

डीवीसी ने बेरमो की महिलाओं को किया सम्मानित

संवाददाता। बोकारो थर्मल

डीवीसी सीएसआर के द्वारा स्थानीय स्टेशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन बेरमो प्रमुख गिरिजा देवी, जिप सदस्य शहजादी बानू, मुखिया चंदना मिश्रा, डॉ छाया कुमारी, डॉ संगीता रानी, पंसस अनीता देवी, प्रो नीलम पूर्णिमा तिर्की, स्वाति होलकर व अंजलि करन सिन्हा ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया. समारोह को संबोधित करते हुए डीजीएम बीजी होलकर व प्रमुख गिरिजा देवी ने कहा कि भारतीय महिलाएं देश के विकास की गाथा की सूत्रधार हैं. कृषि के सतत विकास के साथ ही कई क्षेत्रों में उनकी भागीदारी शिखर पर है. वित्त, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, विमानन, अंतरिक्ष के साथ ही हर क्षेत्र में भारतीय महिलाएं देश के विकास की गाथा लिख रही हैं.

डॉ. छाया कुमारी व डॉ संगीता रानी ने कहा कि दुनिया की महिलाओं के बिना समानता पर आधारित समाज की कल्पना करना भी मुश्किल है. आज के समय में महिलाएं देश और समाज दोनों के निर्माण में बेहद अहम भूमिका निभा रही हैं. प्रो नीलम पूर्णिमा तिर्की व अंजलि करन सिन्हा ने कहा कि समय के साथ महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन आया है, लेकिन आज भी महिलाएं भेदभाव का शिकार है.

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दर्जनों महिलाओं को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ शीर्षक पर एक नाटक का मंचन और ऊपरघाट स्थित नारायणपुर के एपटा की टीम के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. समारोह का संचालन डीवीसी सीएसआर के प्रबंधक सुनील करन ने किया.

खास बातें
- महिलाएं देश और समाज में अहम भूमिका निभा रही है
- समय के साथ महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन आया है
- एपटा की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

चौड़ी नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

सुदूरवर्ती गांव बरमसिया से गावां प्रखंड मुख्यालय की ओर आने के लिए लिखर व चौड़ी नदी में पुल नहीं रहने के कारण दर्जनों गांवों के लोगों को बरसात के दिनों में काफी दिक्कत होती है. खासकर गर्भवतियों और बीमार-बुजुर्ग को. गावां प्रखंड मुख्यालय को जोड़ने के लिए भी इस नदी पर कोई पुल नहीं. पानी बढ़ने पर संपर्क भंग हो जाता है. संबंधित गांवों के लोग नदी पर पुल बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से कर रहे है, लेकिन जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस समस्या को हल्के में ले रहे हैं. बताते चलें कि बरमसिया पिकेट को जाने वाले रास्ते में चौड़ी नदी की चौड़ाई लगभग 200 फीट से ज्यादा है. बरसात के दिनों में नदी में बाढ़ काफी विकराल रूप ले लेती है. बरसात के दिनों में उस पार के दर्जनों गांव के ग्रामीणों को आने जाने में डर लगता है. वजह पता नहीं कब बाढ़ आ जाए. चौड़ी नदी के उस पार के दर्जनों गांव जैसे रेहा, कुबरी, लोढियाटांड़, अहराय, डूमरझारा, कुरहा, राजोखार, अलगडीहा और ढिलुआ समेत दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीणों का आना जाना प्रखंड मुख्यालय गावां से होता है.

बरहेट में कल्पना सोरेन व मंत्री हफीजुल हसन के आगमन पर उमड़ी भीड़

यहां की मिट्टी में क्रांति, हेमंत ने घुटने नहीं टेके : हफीजुल

संवाददाता। साहिबगंज

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि यह क्षेत्र युवा सम्राट हेमंत सोरेन का विधानसभा क्षेत्र है, बीजेपी षड्यंत्र के तहत आज हेमंत सोरेन को भले ही जेल में डाल दिया है. लेकिन यह वीर शहीद की धरती है . यहां की माटी में क्रांति हैं, यहां के युवाओं के नस में क्रांति भरी हुई है, इसलिए हेमंत सोरेन ने जेल का रास्ता अपनाया लेकिन घुटने नहीं टेके हैं.मंत्री हफीजुल हसन ने यह बात रविवार को बरहेट प्रखंड स्थित नौगछिया में लोगों को संबोधित करते हुए कही. हफीजुल हसन ने विभिन्न योजनाओं का परिसंपत्ति का वितरण भी किया. साथ ही कुल 31 करोड़ 10 लाख योजनाओं का शिलान्यास किया.

गुलामी बर्दाश्त नहीं : समारोह को पूर्व मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन ने भी संथाली तथा हिंदी में लोगों को संबोधित किया और अपने हक-अधिकार की लड़ाई की बात की. उन्होंने कहा कि आदिवासी कभी भी गुलामी बर्दाश्त नहीं करेंगे.

हेलीकॉप्टर से सभा स्थल पहुंचे : इससे पूर्व रविवार को बरहेट प्रखंड स्थित नौगछिया मैदान में पूर्व मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन का आगमन हेलीकॉप्टर के माध्यम से हुआ. हेलीकाप्टर से उतरकर सबसे पहले दोनों सड़क मार्ग से सिद्धो कान्हू की जन्म स्थली भोगनाडीह पहुंचे और शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. मंच पर पहुंचने से पूर्व कार्यकर्ताओं ने नारे बाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया. आदिवासी कन्याओं ने अतिथियों को स्वागत गीत गाते हुए ढोल नगाड़ा बजाते इन्हें मंच तक ले गए. कल्पना सोरेन, मंत्री हफीजुल हसन, सांसद विजय हांसदा, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू, जिला परिषद अध्यक्षा मोनिका किस्कू ने सामूहिक रुप से दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, भूमि उप समाहर्ता जयवर्धन कुमार, जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तर पदाधिकारी , पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे.

खास बातें
- 31 करोड़ दस लाख योजनाओं का शिलान्यास
- कार्यक्रम में परिसंपत्ति का वितरण भी किया गया

चार साल में सराहनीय काम हुए : विजय हांसदा

इस मौके पर सांसद विजय हांसदा कहा है कि झामुमो की सरकार ने चार साल में जितना काम किया है वह सरहनीय है .पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास को नकारा नहीं जा सकता है . भले ही एक साजिश के तहत केन्द्र की सरकार ने उन्हें जेल डाल दिया है . उन्होंने कहा कि कोरोना काल में थोड़ी बाधा जरुर पड़ी, लेकिन सर्वजन पेंशन योजना, आबूवा आवास योजना और विभिन्न प्रकार की योजनाओं और विकास देखकर विपक्ष घबड़ा गया . पर जनता का प्यार और स्नेह ने हेमंत को लड़ने की शक्ति दी है . हेमंत सोरेन के सपने को सीएम चंपाई सोरेन धरातल पर उतार रहे हैं .

यूपी के मंत्री पहुंचे पाकुड़, कहा मोदी सरकार में सब सुरक्षित

संवाददाता। पाकुड़

आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर यूपी के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस पहुंचे. जहां उन्होंने प्रेस वार्ता किया. प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार में देशवासी पूरी तरह से सुरक्षित हैं. यदि इन 10 वर्षों के कार्यकाल को देखा जाए तो पूरे देश में एक भी आतंकी घटना नहीं घटी. लोग पूरी तरह से सुरक्षित रहे. पहले जहां श्रीनगर की लाल चौक पर तिरंगा फहराना मुश्किल था, वहीं आज जश्न मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीब, किसान, आदिवासी पिछड़े के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की और इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया गया. उन्होंने कहा कि जहां भी डबल इंजन की सरकार है, वहां विकास तीव्र गति से हुआ है, लेकिन वैसे प्रदेश जहां भाजपा की सरकार नहीं है वहां की स्थिति यदि देखी जाए तो वहां अपराधियों का मनोबल बढ़ा है. भाजपा राजनीति को बिजनेस नहीं मानती है, बल्कि राजनीतिक सेवा भावना के साथ करती है.

भाकपा माले ने शुरू किया चुनावी अभियान

गिरिडीह। कोडरमा लोकसभा चुनाव के लिए भाकपा माले ने अभियान शुरू कर दिया है. रविवार को कोवाड़ में सदर प्रखंड के प्रमुख पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक कर सभी पंचायतों में जनता के सवालों पर सभाएं करने तथा सभी बूथों पर कमेटियां बनाते हुए घर-घर चुनावी संघर्ष कोष इकठ्ठा करने की रणनीति बनाई गई. बैठक की अगुवाई जिला कमेटी सदस्य संजय चौधरी तथा मनोज कुमार यादव ने करते हुए कहा कि कोडरमा में माले ही मजबूत है और हम लोग ही भाजपा को हराएंगे. इधर बैठक में मौजूद पार्टी नेता सह अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश को जुमलों में फंसाकर ठगने का काम किया है. देश के किसान, मजदूर, युवा सभी इस सरकार से 10 साल का हिसाब मांग रहे हैं.

मिल गए मंदिर से चोरी गये सभी सामान

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

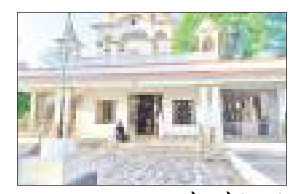

निमियाघाट थाना क्षेत्र के दिगम्बर जैन 20 पंथी कोठी इसरीबाजार के पीछे स्थित श्री कृष्णा बाई उदासीन आश्रम के पार्श्वनाथ भगवान मंदिर के गेट का ताला तोड़कर शनिवार रात चुराई गए सभी सामान बरामद कर लिए गए हैं. चोरों ने अष्ट धातु एवं पीतल की बनी 12 मूर्तियों सहित अन्य समान चुरा लिए थे.

बताया गया कि सुबह जब आश्रम की कुसुम दीदी मंदिर में पूजा करने पहुंची तो गेट का ताला टूटा हुआ था. समाज के अन्य लोगो को इसकी जानकारी दी गई. सूचना मिलते ही जैन समाज के लोग मंदिर पहुंचे व निमियाघाट पुलिस को चोरी की सूचना दी.सूचना पाते ही निमियाघाट थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह सदलबल मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली. इसके बाद जैन समाज व स्थानीय लोगों के साथ मंदिर परिसर का निरीक्षण करने लगे. इसी क्रम में 12 मूर्तियां परिसर के भीतर ही एक स्थान पर रखा हुआ पाया गया. जिसे पुनः मंदिर में रख दिया गया. हालांकि मंदिर के गेट का ताला काटते चोरों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है. पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है. इस संबंध में जैन समाज के अशोक जैन ने बताया कि मंदिर से अष्टधातु व पीतल से बनी भगवान पार्श्वनाथ, आदिनाथ,शांति नाथ भगवान, महाबीर स्वामी व 24 तीर्थांकर के छोटी छोटी मूर्ति व सात अष्ट प्रातिहार मंदिर में रखे गए थे . जिसे चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर चुरा लिया था. पर खोजबीन के क्रम में मंदिर परिसर में ही सभी मूर्तियां एक स्थान पर मिल गए . संभावना जतायी जा रही है कि चोरों ने पीतल की मूर्ति होने की वजह से ही मंदिर परिसर में छोड़ गया.

सावित्री बाई फुले की पुण्य तिथि मनाई गई

महिलाएं आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहीं हैं : किशोर

संवाददाता। गिरिडीह

रविवार को गिरीडीह सदर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय कुसुंबा में देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की 127 वीं पुण्य तिथि मनाई गई. अम्बेडकर सामाजिक संस्थान गिरीडीह एवं मजदूर मंच गिरीडीह के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था. सबसे पहले उपस्थित लोगों ने सावित्री बाई फुले के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया. वार्ड सदस्य और मुखिया प्रतिनिधि किशोर मुर्मू ने उद्घाटन भाषण में कहा कि आज महिलाएं हर दिशा में प्रगति कर रही है, उसकी आधार शिला सावित्री बाई फुले, शेख फातिमा और ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी. जब महिलाओं को न घर से निकलने दिया जाता था न पढ़ने दिया जाता था, उस विकट परिस्थितियों में भी शिक्षा और समाज सेवा का अलख जगाया था.

सामाजिक आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी : अम्बेडकर सामाजिक संस्थान गिरीडीह के सचिव रामदेव विश्वबंधु ने कहा कि आज से सौ साल पहले सामाजिक आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी.

किसान जनता पार्टी के धरणार्थियों ने जड़ दिया था ताला

प्रशासन ने तोड़ा तिसरी प्रखंड कार्यालय गेट का ताला

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

किसान जनता पार्टी के धरणार्थियों द्वारा शनिवार को तिसरी प्रखंड सह अंचल कार्यालय के मुख्य गेट में की गई तालाबंदी को लगभग 30 घंटे के बाद प्रशासन द्वारा ताला तोड़कर खोला गया. रविवार की दोपहर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मनीष कुमार और थाना प्रभारी संजय नायक दलबल के साथ ब्लॉक कार्यालय पहुंचे. जिसके बाद इन पदाधिकारियों की उपस्थिति में भाजपा नेता उपेंद्र साव, राहुल यादव, सुधीर कुमार आदि ने धरणार्थियों द्वारा मुख्य गेट में लगाए गए ताले को हथौड़े की मदद से तोड़ा. जिसके बाद बीडीओ के आदेश पर कार्यालय में कुछ कर्मी चुनाव संबंधित कार्यों में लग गए. साथ ही कार्यालय की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों को भी तैनात किया जा रहा है.

क्या कहते हैं प्रखंड विकास पदाधिकारी : इस संबंध में बीडीओ सह सीओ मनीष कुमार ने कहा कि बीते दिन वे चुनाव संबंधी कार्यों को लेकर जिला कार्यालय में आयोजित बैठक में थे.

इसी बीच कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा सरकारी कार्य व निर्वाचन कार्य को प्रभावित करने के उदेश्य से कार्यालय के मुख्य गेट में ताला बंद कर दिया गया. जिसके बाद उन लोगों को काफी समझाने - बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन वे लोग नहीं माने. आज पुनः निर्वाचन कार्य के लिए कार्यालय आने के दौरान तालाबंद पाया गया जिसके बाद इस ताले को खुलवाया गया.

धरना प्रदर्शन करने पर रोक : बीडीओ

बीडीओ मनीष कुमार ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के धारा 188 के अंतर्गत किसी लोक सेवक द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करना नागरिकों का कर्तव्य है . साथ ही हो - हल्ला करने से सरकारी कार्य भी प्रभावित होता है . इसलिए प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन करने पर पाबंदी रहेगी .

गोमिया,पेटरवार,कसमार और जरीडीह में 12 से शिविर

एक्सप्रेस-वे की प्रगति कार्य की उपायुक्त ने की समीक्षा

संवाददाता। बोकारो

बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने भारतमाला परियोजना फेज -टू (वाराणसी कोलकाता एक्सप्रेस वे) के प्रगति कार्य की समीक्षा की. मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा एवं भू अर्जन कार्यालय से संबंधित कर्मी उपस्थित थे. उपायुक्त ने भारतमाला परियोजना फेज -टू (वाराणसी – कोलकाता एक्सप्रेस वे) के तहत भूमि अधिग्रहण, मुआवाजा भुगतान की प्रगति की जानकारी ली. उन्होंने जिला भू अर्जन पदाधिकारी को भूमि अधिग्रहण वाले क्षेत्रों में मुआवजा के लिए दावा, आवेदन समर्पित करने, प्राप्त करने को लेकर शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया. कहा गया कि 12 मार्च से एक एक दिन छोड़ कर आगामी 22 मार्च तक गोमिया, पेटरवार,कसमार एवं जरीडीह अंचल के 30 गांवों के मौजा हरिडीह हरदी, करकट्टा कलान, बुण्डु, लेपो, महुआटांड, अराजु, गोपालपुर, करकट्टा खुर्द, बरईकला, होन्हे, सुन्दरो, बरईखुर्द, मधुकरपुर, चरगी, बारीडारी, बेलडीह, कुरको, रंगामाटी, मुंगा सरला उर्फ बुढ़नगोड़ा, तिरला, कमलापुर, जामकुदर, नावाडीह, एटके, छोटकी पुन्नु, बगियारी, अरारी, हरदागढ़हा, बड़की पुन्नु, कोह में प्रत्येक दिन शिविर का आयोजन करें. साथ ही इसका व्यापक प्रचार प्रसार करें. उन्होंने बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के स्थानीय पदाधिकारी को शिविर से एक दिन पूर्व संबंधित क्षेत्रों में शिविर के आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर माइकिंग कराएंगे.

समाज की पीड़ा

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- भाजपा कुशवाहा समाज को अपना पिछलग्गू न समझे

जो टिकट देगा उसके साथ है कुशवाहा समाज

संवाददाता। गिरिडीह

अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि भाजपा कुशवाहा समाज को अपना पिछलग्गू न समझे. आगामी लोकसभा चुनाव में समाज को वाजिब हक नहीं मिला तो कुशवाहा समाज कोई भी कदम उठाने से परहेज नहीं करेगा. स्थानीय होटल में रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए राजू महतो ने साफ शब्दों में कहा कि अब तक भाजपा की जीत में कुशवाहा समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहा है, बावजूद राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं मिल रही है. उन्होंने कहा कि कुशवाहा समाज को एकजुट करने के लिए राज्यव्यापी दौरा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में कुशवाहा समाज की बड़ी जमात है. यहां से समाज के रीतलाल प्रसाद वर्मा 5 बार सांसद रह चुके हैं. कहा कि भाजपा का देश में खाता खोलने वाला संसदीय क्षेत्र कोडरमा लोकसभा है, जहां से रीतलाल प्रसाद वर्मा ने पांच बार प्रतिनिधित्व किया.

खास बातें
- कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में है समाज की बड़ी जमात
- रीतलाल प्रसाद वर्मा ने पांच बार प्रतिनिधित्व किया है

बाबूलाल मरांडी को ऋण चुकाने का मौका

राजू महतो ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को यह ऋण चुकाने का मौका था, पर नई कमेटी में मरांडी ने उपाध्यक्ष रहे प्रणव वर्मा के साथ नाइंसाफी कर नई कमेटी में उन्हें जगह नहीं दी . उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मरांडी से प्रणव वर्मा के साथ न्याय करने की गुहार लगाई . कहा गया कि चतरा लोकसभा क्षेत्र से प्रणव को टिकट देकर पार्टी बड़े समाज को जोड़ने की पहल कर सकती है .

स्वर्गीय रीतलाल को भारत रत्न देने की मांग

पत्रकारों को संबोधित करते हुए महतो ने कहा कि अखंड बिहार में कर्पूरी ठाकुर तथा रीतलाल प्रसाद वर्मा दो जननायक हुए . कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया गया तो रीतलाल की उपेक्षा क्यों की गई . उन्होंने कहा कि जिस समाज ने भाजपा को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसकी लगातार उपेक्षा की जा रही है . अलग राज्य निर्माण में भी कुशवाहा समाज महत्वपूर्ण भूमिका रहा है .

स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम का आयोजन

सबको सम्मान का ध्यान रखना चाहिए : मुकेश कुमार

संवाददाता। गिरिडीह

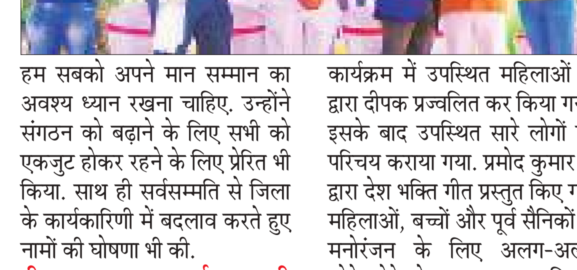

रविवार को पूर्व सैनिक संगठन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन आफ झारखंड गिरिडीह इकाई का चौथा स्थापना दिवस खंडोली के एक रेस्टोरेंट में मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वेटरन मुकेश कुमार, विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष एमपी सिंह और प्रवक्ता संजीत सिंह उपस्थित हुए. मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा लोगों का उत्साह वर्धन किया गया. मुख्य अतिथि मुकेश कुमार ने बताया हम लोग उच्च स्तर में पूर्वसैनिकों की सुविधा जिन्हें भी नहीं मिल पाता है तो उनके लिए विभागीय कार्यालय में पहुंच बनाकर उनका कार्य कराया जाता है. उन्होंने बताया हम सबको अपने मान सम्मान का अवश्य ध्यान रखना चाहिए. उन्होंने संगठन को बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर रहने के लिए प्रेरित भी किया. साथ ही सर्वसम्मति से जिला के कार्यकारिणी में बदलाव करते हुए नामों की घोषणा भी की.

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत : मंच का संचालन संगठन के जिला अध्यक्ष नवीन कांत सिंह ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के द्वारा दीपक प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद उपस्थित सारे लोगों का परिचय कराया गया. प्रमोद कुमार के द्वारा देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए. महिलाओं, बच्चों और पूर्व सैनिकों के मनोरंजन के लिए अलग-अलग छोटे-छोटे गेम कराए गए. जिसमें म्यूजिकल चेयर रेस,सैंडल-जूते पिक वियर रेस, लेमन स्पून रेस, सुई-धागा रेस की प्रतियोगिताएं की गई.

करिश्माई आंकड़ों की कथा

अर्थव्यवस्था संबंधी ताजा आंकड़ों ने एक तरह का चमत्कारिक प्रभाव पैदा किया है. कई रिपोर्टों में इसका उल्लेख किया गया है कि जहां दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी टालने के लिए संघर्षरत हैं, वहीं भारत में इस वित्त वर्ष में चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज होने जा रही है. इसलिए यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि आखिर ऐसा कैसे हुआ है! कहानी दरअसल यह है कि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़ों में कई संशोधन किए. नतीजा हुआ कि भारत के 2023-24 के आर्थिक आंकड़ों में चमत्कारिक चमक आ गई. पिछले महीने एनएसओ ने इस वर्ष जीडीपी में वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. अब इसे बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है. बताया गया है कि वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई. चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) को 6.9 प्रतिशत पर रखा गया है. जाहिर है, सारी कहानी आंकड़ों में किए गए संशोधनों पर आ कर टिक जाती है. एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग में अब सिर्फ तीन प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है, जबकि जनवरी में जारी आंकड़ों में इसके 4.4 प्रतिशत रहने का अंदाजा लगाया गया था. तीसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र के जीवीए में तो गिरावट आने- यानी माइनस ग्रोथ की बात कही गई है. यह गिरावट 0.8 फीसदी की रहने का अनुमान लगाया गया है. पूरे वित्त वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि होने की बात कही गई है. यह जाना-पहचाना तथ्य है कि आज भी भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है. इस क्षेत्र में वृद्धि दर लगभग गतिरुद्ध अवस्था में है. इसके बावजूद अगर ऊंची जीडीपी वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह स्वाभाविक प्रश्न उठेगा कि जीडीपी की इस खुशहाली में कौन शामिल है और कौन इससे बाहर है. मगर इस मुद्दे पर आने के पहले अभी आए आंकड़ों पर कुछ और गौर करना उचित होगा.एनएसओ ने बताया है: व्यापार, होटल, ट्रांसपोर्ट, संचार और प्रसारण जैसे क्षेत्रों में 2023-24 में जीवीए ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है. 2022-23 में यह वृद्धि 12 प्रतिशत रही थी. यानी इस वर्ष इसमें 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आएगी. ये वे क्षेत्र हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है. तो यह सवाल लोगों की ओर से उठेगा कि तो फिर वृद्धि कहां दर्ज हुई है. एनएसओ के आंकड़ों से ही यह साफ है कि जिस क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को अपने कंधों पर उठा रखा है, वह सरकार का पूंजीगत निवेश है. यहां याद करना उचित होगा कि चालू वित्त साल के बजट में सरकार ने दस लाख करोड़ रुपए इस मद में रखे थे. मगर इस मद में ज्यादा पैसा खर्च करने का परिणाम हुआ है कि सरकारी उपभोग में गिरावट आई है. तीसरी तिमाही में इसमें 3.2 प्रतिशत की गिरावट आई. तो कुल सूरत यह उभरती है कि कृषि सहित अर्थव्यवस्था के वे क्षेत्र, जहां ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है, वहां खुद सरकारी आंकड़ों के मुताबिक रुझान गिरावट का है.

> पूरे वित्त वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि होने की बात कही गई है. यह जाना-पहचाना तथ्य है कि आज भी भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है. इस क्षेत्र में वृद्धि दर लगभग गतिरुद्ध अवस्था में है.

सुभाषित

पुण्यतीर्थे कृतं येन तपः क्वाप्यतिदुष्करम्।
तस्य पुत्रो भवेद्वश्यः समृद्धो धार्मिकः सुधीः।।

जिस व्यक्ति ने तीर्थ यात्रा में जाकर तपस्या की है, तो उसके प्रभाव से उसका पुत्र आज्ञाकारी, धनवान, गुणी और विद्वान बनता है.

ये गरीबी क्या बला है, जो खत्म न हुई

भारत एक अमीर लोगों वाला गरीब देश है. मतलब कि देश के कुछ लोग बहुत अमीर हैं, लेकिन एक बड़ी संख्या गरीबों की भी है. पिछले 75 सालों से अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां गरीबी से जुड़े नारे देकर सत्ता में आती रही हैं. 1971 में इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा देकर सरकार बनायी थी. उनके बाद राजीव गांधी ने भी यही नारा दिया और देश के प्रधानमंत्री बने. फिर 2014 में नरेंद्र मोदी ने भी देश से गरीबी हटाने के कई वादे किए थे.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

अब एक बार फिर देश में अगले कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनाव से पहले संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का एक ही लक्ष्य है- देश में कोई भी गरीब भूखा न सोए. इस स्लोगन के जरिए मोदी सरकार भारत के 80 करोड़ लोगों को एक साथ साधना चाहती है. भारत को आजाद हुए 75 साल से भी ज्यादा हो गए. इस दौरान देश ने 12 प्रधानमंत्री देखे. लेकिन गरीबी और भुखमरी का मुद्दा ज्यों का त्यों रहा. हाल ही में नीति आयोग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले कुछ सालों में गरीबी का स्तर तेजी से कम हुआ है. नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम का कहना है कि पिछले कुछ सालों में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग काफी समृद्ध हुए हैं. इतना ही नहीं, दोनों क्षेत्रों के बीच के खर्च में भी ज्यादा फर्क नहीं रह गया है. नीति आयोग की इसी रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2013-14 में भारत की 29.17 प्रतिशत आबादी एमपीआई (बहुआयामी गरीबी सूचकांक) के हिसाब से गरीब थी. जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत हो गया है. यानी एमपीआई के अनुसार इन नौ सालों में 17.89 प्रतिशत लोग गरीबी से बाहर आए है. इन आंकड़ों को देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि इन तीन दशकों में गरीबी हटाओ के नारे को जीवंत बनाने के लिए जबर्दस्त तेजी दिखाई गई है. लेकिन इस कहानी का दूसरा पहलू भी है.

कुछ अर्थशास्त्रियों का दावा है कि इस रिपोर्ट में पूरी तस्वीर पेश नहीं की गई है. 2022 में आई ग्लोबल हंगर इंडेक्स की लिस्ट के अनुसार भी भारत 121 देशों में 107वें स्थान पर है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर भारत में वाकई गरीबी खत्म हो रही है, तो हंगर इंडेक्स में देश की दशा इतनी बुरी क्यों है? 9 साल पहले यानी 25 सितंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 एसडीजी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) तय किया गया था. एसडीजी का सबसे बड़ा मकसद गरीबी को जड़ से उखाड़ फेंकना था. सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स में यह भी साफ़ कहा गया था कि गरीबी किसी एक मानक से तय नहीं की जा सकती. यही कारण है कि एमपीआई को विकसित किया गया. एमपीआई से यूएन को दुनियाभर के देशों में गरीबी की स्थिति का आकलन करने में मदद मिलती है. कुछ अलग-अलग इंडिकेटर के आधार पर एमपीआई की गणना की जाती है और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसका एक लेखा-जोखा भी बनाया है. हालांकि अपनी स्थिति के अनुसार हर देश इन इंडिकेटर में थोड़ा बहुत बदलाव कर सकते हैं. भारत में एमपीआई की गणना 12 इंडिकेटर के आधार पर की जाती है. इन 12 मापदंडों में पोषण, स्कूली शिक्षा के साल, प्रेग्नेंसी के दौरान देखभाल, बाल और किशोर मृत्यु दर, खाना पकाने में किस ईंधन का इस्तेमाल होता है और स्कूल में उपस्थिति जैसे इंडिकेटर्स शामिल हैं. इन 12 मानदंडों में स्वच्छता, किन घरों में बिजली है. किन घरों में पीने के पानी की उपलब्धता है, घर है या नहीं, संपत्ति कितनी है और बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता है या नहीं, भी शामिल किया गया है. साल 1971 में जनगणना के अनुसार उस वक्त भारत की आबादी 54 करोड़ थी. इनमें से 57% आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी और लगभग 66 प्रतिशत लोग अनपढ़ थे. जनगणना के अनुसार उस वक्त ग्रामीण से ज्यादा शहरी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे थे. वहीं, साल 2020 में संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूएनडीपी ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि भारत की कुल 135 करोड़ आबादी में से 22 करोड़ लोग अब भी गरीबी रेखा के नीचे हैं. दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारत में गरीबों की संख्या का स्थान सबसे ऊपर है. हालांकि, इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस देश में पिछले 20 साल में 40 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं. हालांकि साल 2022 में आई ग्लोबल हंगर इंडेक्स की लिस्ट में भारत को 121 देशों में 107 वां स्थान दिया गया था. रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना के बाद 5 करोड़ 60 लाख भारतीय फिर से गरीबी रेखा के नीचे आ गए.

पटना यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने कहा, भारत में कितनी प्रतिशत आबादी गरीब है इसकी गिनती लोगों की आय के आधार पर की जाती है. लेकिन गरीबी रेखा निर्धारण के इस पैमाने में एक खामी है और वह यह है कि इस तरीके के सर्वे करने के कारण गरीबी के अन्य आयामों को नजरअंदाज कर दिया जाता है. उदाहरण के लिए ऐसे समझिए की एक तरफ एक बेघर व्यक्ति है और दूसरी तरफ एक ऐसा व्यक्ति है जिसके पास रहने के लिए छत हो और घर में बिजली भी हो, ये दोनों ही व्यक्ति आमदनी के आधार पर तो गरीबी रेखा के नीचे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर देखा जाए तो बेघर व्यक्ति की हालत मकान वाले के मुकाबले काफी बदतर है. नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात का भी दावा किया गया है कि अलग अलग कल्याणकारी योजनाओं ने देश में गरीब अमीर की दूरी को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है. हालांकि डीडब्ल्यू की एक रिपोर्ट में दिल्ली के जेएनयू में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे अरुण कुमार का कहना है कि सरकार की रिपोर्ट की दोबारा व्याख्या की जरूरत है. उन्होंने आगे कहा कि साल 2019 और साल 2021 के पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के डेटा का इस्तेमाल करने से सर्वेक्षण के आधार पर अभाव सूचकांक में काफी त्रुटियां हुई होंगी, जिससे नीति आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्ष संदेह के घेरे में आ गए हैं. भारत में सबसे गरीब राज्य छत्तीसगढ़ है. इसके बाद झारखंड, मणिपुर, बिहार, अरुणाचल प्रदेश और असम में भी गरीबी चरम पर है. वहीं सबसे अमीर राज्यों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, कर्नाटक, यूपी और राजस्थान का नाम आता है. राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक की साल 2023 की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल की 11.89 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी के तहत निवास करती है, जबकि आंकड़ा गुजरात में 11.66 प्रतिशत है, जोकि पश्चिम बंगाल से कुछ ही कम है. हालांकि एक तथ्य यह भी है कि सांख्यिकी मंत्रालय के 2021-22 के अनुमान के अनुसार, गुजरात की प्रति व्यक्ति आय प्रतिवर्ष औसत लगभग 2.5 लाख रुपए है, जो पश्चिम बंगाल की 1.24 लाख रुपए से लगभग दोगुनी है. जाति के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 45.3 प्रतिशत एसटी, 31.5 प्रतिशत एससी, 22.6 प्रतिशत ओबीसी और 15.5 अन्य गरीबी रेखा से नीचे हैं. वहीं, दूसरी तरफ शहरी इलाकों में 24.1 प्रतिशत एसटी, 21.7 प्रतिशत एससी, 15.4 फीसदी ओबीसी और 8.1 अन्य गरीबी रेखा से नीचे हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

ध्यान की साधना

बहुत समय पहले की बात है, एक वृद्ध संन्यासी हिमालय की पहाड़ियों में कहीं रहता था. वह बड़ा ज्ञानी था और उसकी बुद्धिमत्ता की ख्याति दूर -दूर तक फैली थी. एक दिन एक महिला उसके पास पहुंची और अपना दुखड़ा रोने लगी, "बाबा, मेरा पति मुझसे बहुत प्रेम करता था, लेकिन वह जबसे युद्ध से लौटा है, ठीक से बात तक नहीं करता" "युद्ध लोगों के साथ ऐसा ही करता है", संन्यासी बोला. "लोग कहते हैं कि आपकी जड़ी-बूटी इंसान में फिर से प्रेम उत्पन्न कर सकती है, कृपया आप मुझे वह जड़ी-बूटी दे दीजिए", महिला ने विनती की. संन्यासी ने कुछ सोचा और फिर बोला, "देवी, मैं तुम्हें वह जड़ी-बूटी ज़रूर दे देता, लेकिन उसे बनाने के लिए एक ऐसी वस्तु चाहिए जो मेरे पास नहीं है" "आपको क्या चाहिए मुझे बताइए, मैं लेकर आऊंगी!", महिला ने आग्रह किया. "मुझे बाघ की मूंछ का एक बाल चाहिए!", संन्यासी ने बताया. अगले ही दिन महिला बाघ की तलाश में जंगल में निकल पड़ी, बहुत खोजने के बाद उसे नदी के किनारे एक बाघ दिखा, बाघ उसे देखते ही दहाड़ा, महिला सहम गयी और तेजी से वापस चली गयी. अगले कुछ दिनों तक यही हुआ, महिला हिम्मत कर के उस बाघ के पास पहुंचती और डर कर वापस चली आती. महीना बीतते-बीतते बाघ को महिला की मौजूदगी की आदत पड़ गयी. अब तो महिला बाघ के निकट जाकर उसे परेशान करते कीट मक्खियों को दूर करती, सहलाती. बाघ को भी उसकी उपस्थिति रास आने लगी. उनकी मैत्री बढ़ने लगी, अब महिला बाघ को थपथपाने भी लगी. और देखते देखते एक दिन वह भी आ गया, जब उसने हिम्मत दिखाते हुए बाघ की मूंछ का एक बाल भी निकाल लिया. फिर क्या था, वह बिना देरी किये संन्यासी के पास पहुंची, और बोली, "मैं बाल ले आई बाबा!" "बहुत अच्छे!" और ऐसा कहते हुए संन्यासी ने बाल लेकर उसे जलती हुई अग्नी में झोंक दिया. "अरे! यह क्या बाबा, आप नहीं जानते, इस बाल को लाने के लिए मैंने कितना कठिन श्रम किया और आपने इसे जला दिया? अब मेरी जड़ी-बूटी कैसे बनेगी?", महिला घबराते हुए बोली. "अब तुम्हें किसी जड़ी-बूटी की ज़रूरत नहीं है", "संन्यासी बोला. जरा सोचो, तुमने बाघ को किस तरह अपने वश में किया! जब एक हिंसक पशु को धैर्य, मनोबल और प्रेम से जीता जा सकता है तो भला एक इंसान को क्यों नहीं? तुमने धैर्य, सहनशीलता, ध्येय समर्पण व पुरुषार्थ से लक्ष्य सिद्ध करने का पाठ न केवल पढा, बल्कि उसे प्रायोगिक सिद्ध भी कर लिया है. बस अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं आत्मकेन्द्रित मनोबल चाहिए, यही कार्य की सफलता का मंत्र है.

आर्थिक संकटों के बीच लोकतंत्र का खतरनाक प्रहसन

• देशांतर

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान में नागरिक पिछले कुछ महीनों से चुनावी माहौल में रमे हुए थे और चाहवान थे कि चुनाव प्रक्रिया मुक्त, ईमानदार और लोकतांत्रिक ढंग से हो. लेकिन जल्द ही साफ हो गया और जो कुछ उन्हें देखने को मिला वह इस कल्पना जैसा नहीं था. यह तो बल्कि वह नाटक था, जिसकी पटकथाएं सेनाध्यक्ष जनरल सईद असीम मुनीर ने लिखी थीं. सेनाध्यक्ष बनने से पहले मुनीर का कार्यकाल काफी तनातनी भरा रहा. पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मुनीर सुहाते नहीं थे, उन्होंने तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा द्वारा मुनीर को आईएसआई मुखिया बनाए जाने वाले आदेश को निरस्त कर अपने चेहते को पद पर बैठा दिया था. तत्पश्चात, निर्वाचित सरकार को गिराने की जो ताकत पाकिस्तानी सेना के हाथ में सदा से रही है, जनरल बाजवा ने उसका इस्तेमाल करते हुए इमरान की जबरन विदाई यकीनी बना दी. पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी. अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में मदद की. हालांकि, यहां मानना पड़ेगा कि भारत के मामले में उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले समझदारी भरा और सकारात्मक रुख बनाए रखा. जाहिर है, और यह ठीक भी है, उन्हें इल्म था कि भारत से तनाव में बढ़ोतरी का असर उल्टा पाकिस्तान पर अधिक होगा. हालांकि यह बात उनके द्वारा नियुक्त और जानशीन जनरल असीम मुनीर के बारे में नहीं कही जा सकती. दरअसल, उनकी सेवानिवृत्ति के उपरांत पाकिस्तान अपनी बनाई मुश्किलों में फंसता गया, इसमें एक वजह हालिया चुनाव में गलत आचरण और जानबूझकर की गई हेराफेरी भी है. लोकतांत्रिक रिवायतों को पूरी तरह छींके पर टांग देने वाले इस अभियान की अगुवाई जनरल मुनीर और उनकी सेना ने की. लोकतंत्र का हनन करने वालों के सम्मुख खड़े होने वाले हिम्मतियों का साथ देने की बजाय पाकिस्तान की न्यायपालिका, नौकरशाही, सिविल सोसायटियों ने शुतुर्मुगी रवैया अपनाए रखा. पाकिस्तान के संविधान को नीचा दिखाने के कृत्य में वे भी शामिल हो गए. जनरल मुनीर के नेतृत्व में रीढ़विहीन बना सिविल प्रशासन और पुलिस तंत्र चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने में भागीदार बन गया. यह भांपकर कि मतदान में घपलेबाजी होगी, इमरान खान ने अपने समर्थकों से आह्वान किया कि मतदान संबंधी अड़चनों का सामना करें और खुलकर वोट डालें.सेना की इन हरकतों का यदि कोई राजनीतिक दल गंभीर रूप से विरोध कर रहा था तो वह थी इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी. अन्य मुख्य राजनीतिक दल तो सेना के आगे बिछ गए और इसके सहयोग से अपने-अपने गढ़ में अच्छी जीत हासिल कर पाए. हालांकि कलई खुलने पर, कई मौकों पर सेना को नामोशी झेलनी पड़ी है. यद्यपि इमरान खान ने प्रतिबंधों का तोड़ पहले से तैयार रखा था और अपने उम्मीदवार बतौर आजाद प्रत्याशी खड़े किए, उनके 93 बंदे सांसद चुने गए हैं. जबकि नवाज़ शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग के 75 तो भुट्टो-ज़रदारी परिवार के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के 54 सांसद चुनकर आए हैं. लेकिन जिस भौंडे ढंग से पाकिस्तान के संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हनन हुआ है, उससे दुनिया और लगभग समूचे पाकिस्तानी अवाम की नज़र में सेना की छवि खराब हुई है. इसी बीच सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने बयान दागा: 'जब भारत को पाकिस्तान का वजूद गवारा नहीं, तो हमें उसका कैसे हो?' दुनिया के लिए यह देखना एक झटका था कि किस ढिठाई और गैर-कानूनी ढंग से जनरल मुनीर ने पाकिस्तान के संविधान, चुनाव प्रक्रिया का अपहरण कर लिया. तथापि, जैसा कि अपेक्षित था, सेना ने शरीफ़ बंधुओं और भुट्टो परिवार और कुछ छोटे दलों को एकजुट करवाया. यह करना इमरान खान की हार और उन्हें सलाखों के पीछे बनाए रखने के लिए जरूरी था. इमरान खान द्वारा हालिया चुनाव में धांधली के आरोपों से पाकिस्तानी सरकार साफ इनकार करती है. हाल ही में रावलपिंडी के कमिश्नर ऑफ कैपिटल लियाकत अली चट्ठा ने स्वीकारोक्ति की है कि उनकी मौजूदगी में 8 फरवरी के चुनाव में हेराफेरी हुई है, और उन्होंने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की. हालांकि, उन्हें अपना उक्त इकबालिया बयान और इस्तीफा वापस लेने के लिए मजबूर किया गया.

> पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी. अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में मदद की.

लोकतंत्र की मजबूती के लिए सशक्त लोकपाल जरूरी

• विमर्श

के रवीन्द्रन

भारतीय चुनाव का मौसम एक जीवंत तमाशा है. रैलियां ऊर्जा से भरी होती हैं, रंग-बिरंगे झंडे लहराते हैं और घोषणापत्र भविष्य के लिए भव्य दृष्टिकोण पेश करते हैं. फिर भी, जश्न के माहौल के नीचे एक परेशान करने वाला सवाल छिपा है: क्या ये वायदे महज़ बयानबाजी का खेल हैं, जिनके हकीकत में बदलने की बहुत कम संभावना है? शायद, अब चुनावी वायदों के लिए एक लोकपाल को संस्थागत बनाने का समय आ गया है-पार्टियों को व्यवहार्यता के लिए जवाबदेह बनाने और उनके वादों पर अमल करने के लिए एक तंत्र को अस्तित्व में लाने का. भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों द्वारा तेजी से बढ़ते महत्वाकांक्षी वायदों के मद्देनजर इस तरह के नियंत्रण और संतुलन की आवश्यकता विशेष रूप से स्पष्ट है. 2019 के चुनावों में, भाजपा ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा किया था, इस लक्ष्य को विशेषज्ञों ने व्यापक रूप से अवास्तविक माना था. दूसरी ओर, कांग्रेस ने न्यूनतम आय गारंटी योजना (न्यूनतम आय योजना) का वायदा किया- महत्वपूर्ण बजटीय निहितार्थ वाला एक सामाजिक कल्याण कार्यक्रम. भारत के चुनाव आयोग को अक्सर अजीबोगरीब वायदों के खिलाफ संभावित संरक्षक के रूप में उद्धृत किया जाता है. हालांकि, चुनाव आयोग की भूमिका मुख्य रूप से निष्पक्ष चुनाव कराने और चुनाव प्रचार के लिए दिशानिर्देशों का एक सेट, आदर्श आचार संहिता लागू करने तक ही सीमित है. उन्हें घोषणापत्र के वायदों की जांच करने का अधिकार नहीं है, जिससे वे बड़े पैमाने पर अनियंत्रित हो जाते हैं. चुनाव के बाद वायदों की पूर्ति पर नज़र रखने के लिए एक मजबूत तंत्र की अनुपस्थिति चुनाव आयोग की प्रभावकारिता को और सीमित कर रही है. जश्न मनाने के लिए ऊपर फेंके जाने वाले चमचमाते कागज के टुकड़ों (कन्फेटी) के नीचे गिरकर शांत होने के बाद घोषणापत्र अक्सर धूल फांकते हैं, उनके कार्यान्वयन का कोई व्यवस्थित अनुवर्ती मूल्यांकन नहीं होता है. अनुवर्ती कार्रवाई की यह कमी लोकतांत्रिक जवाबदेही के विचार को कमजोर करती है. मोदी सरकार ने एक निश्चित प्रकार के चुनावी वायदों को लागू किया है, लेकिन इनका मुख्य उद्देश्य समावेशी लोकतांत्रिक प्रगति को बढ़ावा देने के बजाय विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाना था.इसके लिए एक लोकपाल की मांग इसी कमी से उपजती है. समर्थक एक स्वतंत्र निकाय की कल्पना करते हैं जिसके पास व्यवहार्यता और वित्तीय व्यवहार्यता के लिए घोषणापत्र के वादों की जांच करने की शक्ति हो. लोकपाल चुनाव के बाद जनता और चुनाव आयोग को समय-समय पर रिपोर्ट जारी करके वायदा की गई योजनाओं की प्रगति पर भी नज़र रख सकता है. ऐसी प्रणाली बहुत आवश्यक पारदर्शिता लायेगी और वायदे के खेल में कुछ ताकत लायेगी. राजनीतिक दलों को यथार्थवादी और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा, यह जानते हुए कि वे जांच के अधीन होंगे. लोकपाल की रिपोर्टों से सशक्त मतदाता मतपेटी में अधिक जानकारीपूर्ण विकल्प चुन सकते हैं. लोकपाल प्रस्ताव के विरोधियों ने नवाचार को दबाने और राजनीतिक प्रवचन को सूक्ष्म रूप से प्रबंधित करने के बारे में चिंता जताई है. उनका तर्क है कि घोषणापत्र-लेखन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक अंतर्निहित हिस्सा है, और मतदाताओं में यथार्थवादी वायदों को मात्र दिखावे से समझने की क्षमता होती है. हालांकि, ये चिंताएं वर्तमान वास्तविकता को झुठलाती हैं. मौजूदा प्रणाली, जवाबदेही से रहित, काल्पनिक वायदों की अनुमति देती है जो अंततः राजनीतिक प्रक्रिया में जनता के विश्वास को खत्म कर देती है. एक लोकपाल नवप्रवर्तन को नहीं रोकेगा; इसके बजाय यह पार्टियों को अपने एजेंडे तैयार करने में अधिक रचनात्मक और जिम्मेदार होने के लिए प्रोत्साहित करेगा.एक लोकपाल राजनीतिक विमर्श को भी नहीं दबायेगा. नीतिगत विकल्पों के बारे में स्वस्थ बहस लोकतंत्र की आधारशिला है. लोकपाल की भूमिका यह सुनिश्चित करने की होगी कि यह बहस वास्तविकता पर आधारित हो, न कि अवास्तविक वादों की मृगतृष्णा पर. आगे के रास्ते पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है. पार्टियों के अपने विचार प्रस्तुत करने के वैध अधिकार के उल्लंघन से बचने के लिए लोकपाल की शक्तियों और सीमाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की आवश्यकता होगी. शायद एक परामर्शी दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है, जहां लोकपाल पार्टियों को उनके वायदों की व्यवहार्यता पर सलाह देता है और संभावित लाल झंडे दिखाता है. अंततः लोकपाल का निर्माण भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक कदम होगा.

> लोकपाल प्रस्ताव के विरोधियों ने नवाचार को दबाने और राजनीतिक प्रवचन को सूक्ष्म रूप से प्रबंधित करने के बारे में चिंता जताई है. उनका तर्क है कि घोषणापत्र-लेखन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक अंतर्निहित हिस्सा है, और मतदाताओं में यथार्थवादी वायदों को मात्र दिखावे से समझने की क्षमता होती है. हालांकि, ये चिंताएं वर्तमान वास्तविकता को झुठलाती हैं.

मीडिया में अन्यत्र

पर्यटन क्षेत्र में फिसलन भरी ढलान

सुप्रीम कोर्ट ने जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में लगभग 6,000 पेड़ों की कटाई के मामले में उत्तराखंड सरकार को कड़ी फटकार लगाई है. अदालत के मुताबिक, वन अधिकारियों और राज्य के एक शीर्ष राजनेता ने मिलकर पार्क परिसर में 'टाइगर सफारी' के दायरे को व्यापक रूप से विस्तारित करने के लिए पर्यावरण के संरक्षण से जुड़ी कार्यप्रणालियों का मखौल उड़ाया है. तीन न्यायाधीशों की पीठ के फैसले में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई ने कहा, "जंगलों में बाघों की मौजूदगी पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की तंदुरुस्ती का एक संकेतक है. जब तक बाघों की सुरक्षा के लिए कदम नहीं उठाए जाते, बाघों के इर्द-गिर्द घूमने वाले पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा नहीं की जा सकती... कॉर्बेट की तरह अवैध निर्माण और पेड़ों की अवैध कटाई जैसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है." राजनीतिक भ्रष्टाचार और पर्यावरणीय क्षति के बीच का रिश्ता इस मामले में खासतौर पर प्रासंगिक है, क्योंकि अदालत के इस फैसले का वन्यजीव पार्कों के प्रबंधन पर प्रभाव पड़ेगा, विशेष रूप से इस सवाल पर कि वन्यजीव पार्कों के 'बफर और फ्रिंज जोन' में 'टाइगर सफारी' की व्यवस्था पर्यावरण के संरक्षण के उपायों के साथ अच्छी तरह मेल खाती है या नहीं. अदालत ने पार्क के आसपास के विभिन्न रिसॉर्टों का भी जिक्र किया जहां अक्सर तेज संगीत बजाया जाता है और जो जानवरों के लिए खतरा पैदा करते हैं. केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, दोनों केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संबद्ध विशेषज्ञ निकाय हैं और इन्हें जंगली जानवरों के संरक्षण एवं सुरक्षा की जिम्मेवारी सौंपी गई है. सिद्धांत रूप में, इन संगठनों को 'टाइगर सफारी' के अस्तित्व पर कोई आपत्ति नहीं है बशर्ते इन्हें दिशानिर्देशों की एक श्रृंखला के दायरे में संचालित किया जाए. एक निर्दिष्ट स्थान पर वन्यजीव सफारी जंगल के मुख्य क्षेत्रों से दूर ध्यान आकर्षित करती है और इस प्रकार जंगल की अक्षुण्ण प्रकृति को बढ़ावा देती है और साथ ही पर्यावरण संरक्षण के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाती है. सफारी के पीछे यही अंतर्निहित तर्क है. लिहाजा, उनका व्यापक उद्देश्य इको-पर्यटन होना चाहिए, न कि व्यावसायिक पर्यटन. हालांकि, हाल के दिनों में, यह तर्क जोर पकड़ रहा है कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का एक स्रोत हो सकता है और राज्य सरकारों को इसे बढ़ावा देना चाहिए. हाल ही में अफ्रीका से मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में चीतों के स्थानांतरण का मकसद भी चीतों की मौजूदगी को पुनर्जीवित करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जोर/जोड़

पेश है बेदार भोपाली का यह शेर-हर जोर सितम मंज़ूर उन्हें हर ज़ुल्म गवारा है उनको, फिर भी तो तिरे दीवानों की क़िस्मत में तिरा दीदार नहीं. इस सुप्रसिद्ध नारे से तो आज हर कोई अवगत है-हर जोर ज़ुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है. इन दोनों वाक्यों पर ध्यान देंगे तो पाएंगे कि इनके प्रारंभ में जोर शब्द का प्रयोग हुआ है. जोर ज़ुल्म कहें या जोर सितम, दोनों का यही आशय है घोर अत्याचार, अन्याय, दमन, दबाव, शोषण. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जोर फारसी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है शरीर का बल, शक्ति, ताकत, किसी चीज का दबाव, धन या पद के कारण होनेवाला दबदबा, रुतबा, उन्नति, बढ़त, प्रबलता, तेजी, वेग, बल-प्रयोग, जबरदस्ती, शारीरिक बल के कारण प्रदर्शित किया जानेवाला उत्साह या समार्थ्य, वश, अधिकार, इख्तियार, भरोसा, आसरा, सहारा, श्रम, मेहनत, व्यायाम, कसरत. क्रिया विशेषण के रूप में जोर का मतलब है कार्य या परिणाम के विचार से बहुत अधिक, खूब, काफी. मुहावरा है जोर आजमाना यानी अपनी ताकत का प्रयोग करके देखना, भिड़ना, मुकाबला करना, जोर लगाना, जोर देना यानी किसी बात को बहुत महत्वपूर्ण बताना, जोर लगाना यानी किसी काम के लिए पूरी कोशिश करना. जिसमें जोर हो, बलशाली हो, प्रबल हो उसे जोरदार कहा जाता है. इसका श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द है जोड़. इसका अर्थ है जुड़ाव की अवस्था या भाव, योग, मिलान, दो या दो से अधिक चीजों के हिस्से जुड़ने का स्थान, संधि स्थान, संधि, गांठ, दो वस्तुओं का इस प्रकार जुड़ना कि वे एक ही प्रतीत हों, अनेक संख्याओं के जोड़ने से निकलनेवाली संख्या, योगफल, टोटल, वह टुकड़ा या भाग जो कहीं जोड़ा जा सके, ऐसा मेल-मिलाप या संयोग जो उपयुकत और सुंदर जान पड़े, वह जो किसी के समतुल्य या बराबर हो, मेल, जोड़ा, समानता, बराबरी, खेल में एक घर में आनेवाली दो गोटें या मोहरे, सिर से पांव तक पहनने के सब कपड़े, पूरा पहनावा या पोशाक.

चाय पीने-पिलाने का फायदा-नुकसान

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

शुक्लाजी चाय चौकन्ने होकर पीते हैं. पीते समय ही कोई आ न टपके. यह चिंता लगातार बनी रहती है. जैसे आहट मिलते ही कुत्ते भौंकने लगते हैं. वैसे ही ये किसी की आहट पाते ही चाय पीना बंद कर देते हैं. छुपाकर रख देंगे. बाद में ठंडी ही सही, पर खुश होकर पी जाते हैं. पत्नी कभी कह दे कि गर्म कर देती हूं तो कहते हैं कि गर्म चाय नुकसान करती है. गैस खर्च होगी तो जाहिर सी बात है नुकसान तो होगा ही. चाय में मक्खी गिर जाय तो न ही चाय छोड़ते हैं और न ही मक्खी को. मक्खी फेंकने से पहले उसे चूस लेते हैं. तिवारीजी सुबह के समय टहलने निकलते हैं. टहलते-टहलते एक दो चाय किसी न किसी के घर से रोज पी जाते हैं. एक बार किसी ने कहा कि चीनी थोड़ी कम हो गई है तो बोले कि चीनी का क्या करना है. बस गर्म होना चहिये. दरअसल आदत बस बोल गए कि चीनी का क्या करना है? जब भी पत्नी चीनी लाने को कहती है तो यही कहते हैं. गर्म से ही मतलब हो तो खौलाकर पानी ही पी लिया जाय तो सेहत भी ठीक रहे. गांव-शहर, कस्बों, बाजारों, गलियों, चौराहों आदि पर चाय आसानी से मिल जाती है. दो रुपए से लेकर चालीस-पचास और सैकड़ों रूपये कप वाली चाय पी और पिलाई जाती है. चौराहों-नुक्कडों की चाय की दुकानों पर भीड़ देखते ही बनती है. यहीं पर देश और समाज का भविष्य तय किया जाता है. सरकारें बनायी और बिगाड़ी जाती हैं. राजनीतिक पार्टियों व राजनेताओं के भविष्य की घोषणाएं की जाती हैं. कभी-कभी गाली-गलौज और मार-पीट तक की नौबत भी आ जाती है. जहां इतने अहम फैसले और मुद्दे होंगे. वहां यह सब तो आम बात है. संसद और विधानसभाएं इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं. कुछ लोग कहते हैं कि अरे उनकी बात न करो. दरवाजे पर चले जाओ तो एक कप चाय भी नहीं पिला सकते. लेकिन मेरे यहां से कोई बिना चाय पिए वापस नहीं जा सकता. बड़े भाई प्रधान हुए हैं. चीनी मुफ्त में उठा लेते हैं. कोटे की आधी चीनी इसी ओर आती है. कई लोग किसी-किसी को बड़ी उम्मीद से चाय पिलाते हैं. उम्मीद पर पानी फिर जाने पर पछताते हैं और कहते हैं कि हमारे पास फालतू पैसा थोड़े था. लेकिन सोच रहा था कि काम करा देंगे. सैकड़ों चाय गटक गए. और आज साफ मुकर गए कि यह हमसे नहीं हो पायेगा. कई लोग इसी गलतफ़हमी का शिकार होते हैं और दूसरे मजे में चाय गटकते जाते हैं. कई लोग इसी इंतजार में रहते हैं कि कोई चाय पिलाने वाला मिल जाता तो चाय पी लेते. कोई न मिले तो बहुत मायूस होकर लौट आते हैं और सोचते हैं कि आज का दिन खाली चला गया. कई लोग तो चाय पीते समय उठना भी भूल जाते हैं. चाहे जितनी देर हो रही हो, लेकिन टस से मस नहीं होते. कोई न कोई मसला छेड़ते रहेंगे. कभी–कभी तो ऐसा लगता है कि कुल्हड़ भी चट कर जायेंगे. उसमें कुछ बचा हो अथवा नहीं, उसे चूसते रहेंगे. लेकिन जब तक किसी के सब्र का बांध टूट नहीं जायेगा, कदापि नहीं उठेंगे. इस स्थिति में कई बार मेरे सब्र का बाँध टूटा है. आखिर कुछ रुपये बचाने के चक्कर में कब तक बैठा रहा जाय?

मोटिवेशन

अनकहे महत्वपूर्ण नियम

कोई कितनी भी किताबें पढ़ ले, कितना भी ज्ञान अर्जित कर ले, अगर उसे कब, कहां, किसके साथ कैसे व्यवहार करना है, नहीं पता तो सारी पढ़ाई, सारा ज्ञान अधूरा है. वल्लभ भाई पटेल ने बहुत सही बात कही है - आदमी का असली सौंदर्य उसका शिष्टाचार होता है. कोई भी परफेक्ट नहीं होता. कई बार हमसे जाने-अनजाने कुछ गलतियां हो जाती हैं. हम कुछ ऐसा कर बैठते हैं, जो शिष्टाचार के खिलाफ होता है. कभी हमें इसका एहसास होता है, कभी नहीं होता. बहुत बार इसलिए नहीं होता क्योंकि इसकी हमें जानकारी नहीं होती या हम इसे गलत नहीं मानते. शिष्टाचार से संबंधित ऐसे ही 15 अनलिखे नियमों के बारे में बात करने जा रहा हूं, जिनका पालन हर किसी को करना चाहिए.

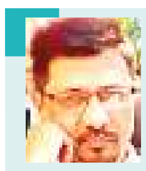

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. कभी किसी से बैठे हुए हाथ नहीं मिलना चाहिए. हमेशा खड़े होकर हाथ मिलाना चाहिए.
2. किसी बड़े को बैठे हुए प्रणाम करना भी उचित नहीं. उन्हें खड़े होकर प्रणाम करना चाहिए.
3. अगर कोई बड़ा हमें गिफ्ट, सैलरी, पैसा दे रहा हो, तो हमेशा खड़े होकर लेना चाहिए.
4. अगर कोई एक या दो बार हमारा बिल पे कर दे, तो तीसरी बार निश्चित रूप से बिल हमें पे करना चाहिए.
5. अगर किसी व्यक्ति को हम आमंत्रित नहीं कर रहे, तो उसके सामने किसी दूसरे को आमंत्रित करना शिष्टाचार के खिलाफ है.
6. अगर कोई हमारे लिए पे कर दे रहा है, तो हमें कम मूल्य की चीजें चुननी चाहिए.
7. कोई हमें शॉपिंग पर ले जाता है तो उस पर अपनी पसंद नहीं थोपनी चाहिए. सिर्फ सलाह देनी चाहिए, फाइनल निर्णय उसी पर छोड़ देना चाहिए.
8. अगर हम ग्रुप में हैं तो हमें ऐसे टॉपिक पर बात करनी चाहिए, जिसे सभी समझ सकें. कुछ लोग अपनी लोकल भाषा में अपने दोस्त या करीबी से बात करने लगते हैं, जिसे ग्रुप वाले नहीं समझते. यह शिष्टाचार के खिलाफ है.
9. बड़े-बुजुर्गों के लिए हमेशा जगह छोड़ देनी चाहिए. उन्हें बैठने के लिए स्थान देना चाहिए.
10. किसी को दो बार कॉल करना चाहिए. अगर कॉल नहीं उठा रहा तो लगातार फोन न करें.
11. लगातार कॉलिंग बेल बजाना भी शिष्टाचार के खिलाफ है. एक बार बजा कर थोड़ी देर इंतजार करें, होस्ट को आकर खोलने का समय दें.
12. पार्टी, दुकान, कैंटीन, बस या रेलवे स्टेशन, कहीं भी रास्ता छेंक कर खड़ा न हों. बात करनी हो, तो साइड होकर बात करें.
13. कार्यक्रम या मीटिंग में अपने मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखना चाहिए. अगर कॉल आता है, और उसे रिसीव करना जरूरी है, तो सिर्फ एक लाइन बोलें कि अभी कार्यक्रम में हूं या मीटिंग में हूं, थोड़ी देर बाद कॉल करता हूं. अगर बात करनी बहुत जरूरी हो, तो कार्यक्रम या मीटिंग से बाहर निकल कर बात करें. अपने गेस्ट को बैठाकर मोबाइल पर किसी लंबी बात नहीं करनी चाहिए.
14. हम कितने भी बड़े जानकार क्यों न हों, किसी को बिन मांगे सलाह नहीं देनी चाहिए. किसी सामान का मूल्य तभी बताना चाहिए, जब कोई पूछे.
15. मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता. याद है न यह डायलॉग. फिल्म दीवार का यह डायलॉग शिष्टाचार से ही जुड़ा हुआ है. किसी को पैसा या कोई भी सामान फेंक कर देना गलत बात है.

मूल मंत्र : अभद्र व्यवहार अशिष्ट लोगों की पहचान है, चाहे वे कोई भी हों. सही आदमी वही है, जो निरंतर सीखता रहे, अपने आप को सुधारता रहे, और पॉलिश करता रहे. डायाना मादर ने कितनी सही बात कही है- आकर्षक व्यक्तित्व में सबसे अहम भूमिका होती है शिष्टाचार की.

इन दिनों मेरी किताब

ग्रामीण बाल मनोविज्ञान की उपज ये कविताएं

दीपक ठाकुर
शोधार्थी, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय धनबाद

कोयला आर माटी डॉ.मुकुंद रविदास की तीसरी कृति है. हिंदी में 'छायावादोत्तर हिन्दी गीत ' एवं 'छायावादोत्तर हिन्दी नवगीत' के बाद झारखंड के बहुसंख्यकों की भाषा एवं कवि की मातृभाषा खोरठा में रचित यह कविता संग्रह है. जिस भाषा के स्वरूप निर्धारण और मानकीकरण को लेकर अभी भी असामंजस्य व्याप्त हो, इसमें अपने यथार्थ अनुभवों से उपजी मनोवृत्तियों को रेखांकित करने का काम डॉ. मुकुंद रविदास ने किया है. उनका कविता संग्रह ₹कोयला आर माटी₹ 2023 में छपकर आया है जिसमें कुल मिलाकर 25 कविताएं संकलित हैं. ₹पढ़ नुनू पढ़₹, ₹एक डुभा भात₹, ₹कोयला आर माटी₹, ₹आइगर₹, ₹झींगा फूलर₹ जैसी कविताएं आकर्षित करती हैं. ₹पढ़ नुनू पढ़₹ की पृष्ठभूमि उनकी अपनी पृष्ठभूमि नज़र आती है- ₹इसकूल आर कोलेज/ होइ गेलहो बंद/ मगुर तोञ तनी/ किताब गुला खोल/ ओकरे में तोर जिनगी/ लिखल होर₹
वहीं जब ₹एक डुभा भात₹ की पंक्तियों -₹दूसर के देइख हमरो मनवा/ कखनो-कखनो होइ जाहे उदास/ जोडा-पारि संगीक देइख कुन/ हाम्हूं सोइच ही/ कइसे लागतइ हमरो भइया/ देहीक गात/ जब ले खइबइ नाञ हाम/ एक डुभा भात₹
बाल मनोविज्ञान का कितना अनूठा उदाहरण हैं ये पंक्तियां. ₹पढ़ नुनू पढ़₹ में जो नुनू है, उसका बाल मन इस चिंता में लिप्त है कि अगर हर दिन एक डुभा भात नहीं मिलता है तो उसका शरीर कैसे लगेगा? वो अपने संगी साथियों जैसा तंदरुस्त कैसे होगा? मन्नू भंडारी के बंटी की चिंताओं की आधारभूमि भी तो ऐसी ही है कि अगर मेरी मम्मी किसी दूसरे से शादी कर लेगी तो मैं कहां रहूंगा? बाल मनोविज्ञान का चित्रण भी इतने स्तरों पर हो सकता है, यह भी कवि की अपनी उपलब्धि ही है. यही नुनू जब बड़ा होता है तब "जिनगी बेकार भइ गेल" कविता का पात्र बनकर उभरता है. जिसकी नियति दर-दर की ठोकरें खाना और ग्रुप डी का चपरासी बनना तय होता है जबकि उसके लिए कितने सपने बुने गए थे -
"जे दिना तोञ/ पास करल हले मेटरिक/ सइ दिना सोंसे गांवे/ बाप तोर
खुसी से बांटल हलो लड्डू/ जे दिना तोर सेलेकसन
भइ गेल हलो इंजिनियरिंग में/ सह दिना बाप तोर/ खुसी से/ गोटे गांवे घुमल हलो/ बांइध के पगड़ी/ आर ताइन के सीना"
खोरठा के कई प्रयोगों का अध्ययन मैंने किया है. मेरे जैसे हिंदी के पाठक हमेशा उस भाषाई प्रवाह के साथ आगे बढ़ते हुए आंचलिक शब्दों के साथ एक असहजता महसूस करते हैं. लेकिन मुकुंद जी की पहली ही किताब में ऐसी सरल भाषा है कि कोई भी हिंदी पट्टी का आदमी उसे पढ़कर ही उसका ठीक-ठीक अर्थ जोड़ ले और कोई भी बांग्ला पट्टी का आदमी उसे सुनकर ही उसमें अपनत्व का आभास पा जाए. इसी तरह इनकी कई कविताओं में जो प्रतीक योजना बुनी गई है वो सहजता के साथ पाठक को इस किताब से जोड़ेगी. बिसथापित, इसकूल, असथापित जैसे शब्दों में आंचालिकत का जो पुट है वो विशेष रूप से ध्यानाकर्षित करता है.

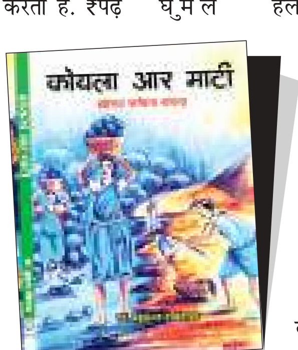

किताब : कोयला आर माटी
प्रकाशक : ब्राइट एमपी पब्लिशर
मूल्य : रु 110/-

जोड़ों का डिंक से डिंकवाड तक का सफर

पति-पत्नी और फर बेबी

डिंक कपल शब्द से अब तक आप वाकिफ नहीं तो बता दें कि यह शब्द उन जोड़ों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनमें दोनों कमाते तो हैं लेकिन उनके कोई बच्चे नहीं होते हैं. डिंक का फुल फॉम है डबल इनकम नो किड्स. यह टर्म लंबे समय से ऐसे जोड़ों के उपयोग में लिया जा रहा है जिनमें पति-पत्नी दोनों कामकाजी होते हैं, कमाते हैं लेकिन उन्होंने अपनी जीवनशैली में बच्चों के जन्म, परवरिश व जिम्मेदारी को शामिल नहीं किया है. बच्चों की परवरिश उनकी चिंता में शामिल नहीं होता. दरअसल यह जीवनशैली की उनकी पसंदगी होती है जिसमें वे करियर व ट्रैवल पर फोकस करते हैं, बच्चों की जिम्मेदारी से मुक्त जिंदगी का आनंद उठाते हैं. यह पैरेंटिंग की जिम्मेदारी से मुक्त होकर करियर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने की एक कोशिश है. बच्चों का ना होना कोई मजबूरी या शारीरिक कमी नहीं होती, बल्कि जीवनशैली को लेकर उनकी पसंदगी होती है. यह ट्रेंड कोई नया नहीं. करीब दो दशक पहले मैट्रो शहरों से शुरू हुआ यह ट्रेंड अब झारखंड के शहरों में भी आम है. नया है ऐसे मिंया-बीबी के बीच फर बेबी का पूरे हक-लाड़ से शामिल होना. ऐसे कपल अब डिंक से डिंकवाड हो गए हैं. यानी डबल इनकम नो किड्स विद अ डॉग. (हालांकि डॉग की जगह कैट भी हो सकती है). जिंदगी में फर वाले नन्हें पालतू जिन्हें वे बेबी का संबोधन देते हैं (और खुद को उनका ओनर नहीं बल्कि पैरेंट्स) को शामिल कर एक अधूरेपन को बिना अधिक जिम्मेदारी उठाए पूरा करने की कोशिश करते हैं.

डिंक कपल का कॉन्सेप्ट नया नहीं. जब दोनों पति-पत्नी कामकाजी होते हैं, कमाते हैं, अपनी इच्छा से संतान रहित होते हैं तो उन्हें सालों से डिंक कपल के रूप में हम पहचानते आ रहे हैं. डिंक यानी डबल इनकम नो किड्स. लेकिन ये डिंक कपल अब एक कदम आगे बढ़ कर डिंकवाड हो गए हैं. डिंकवाड यानी डबल इनकम नो किड्स विद ए डॉग. जोड़ों के इस नए ट्रेंड पर एक नजर...

क्यों फर बेबी

आर्थिक स्वतंत्रता

बच्चों की परवरिश इन दिनों बहुत महंगी है. उनकी पढ़ाई से लेकर हॉबी क्लासेज तक के लिए पैसों की अंतहीन मांग होती है. वहीं डिंक्स कपल आर्थिक आजादी को एंजॉय कर रहे होते हैं. ऐसे में पालतु कुत्ते/ बिल्ली को फर बेबी के रूप में अपनी जिंदगी में शामिल कर वे उनके लिए सर्वश्रेष्ठ खाना, खिलौने और हेल्थ केयर उपलब्ध करा सकते हैं. बच्चों की परवरिश से जुड़ी आर्थिक जिम्मेदारियों से मुक्ति उन्हें अपने फर बेबी के लिए आरामदेह और लग्जरीयिस जिंदगी उपलब्ध कराने की सुविधा देती है.

क्या बच्चे पसंद नहीं

ऐसा बिल्कुल नहीं की सभी डिंक या डिंकवाड कपल बच्चों को नापसंद करते हैं. उन्हें आप अपने भाई-बहन, रिश्तेदार, यहां तक की पड़ोसियों के बच्चों के साथ समय गुजारते, उन्हे खूब प्यार करते देख सकते हैं. फिर बेबी की जगह डॉग क्यों! जवाब सीधा सा है, क्योंकि कुत्तों की परवरिश बच्चों की परवरिश जितनी महंगी नहीं. आज की तारीख में बच्चों को जन्म देना आर्थिक रूप से आसान नहीं, विशेषकर कामकाजी महिला के लिए. उन्हें इसके लिए ढेर सारी प्लानिंग करनी होती है. जब वे वर्क प्लेस पर हों तो कौन उसकी देखभाल करेगा से अगर करियर में ब्रेक लेती हैं तो कार से होमलोन तक के ईएमआई का क्या होगा तक. यह भी सच है कि बच्चे के गर्भ में आने से उसके कॉलेज जाने तक बेशुमार खर्च और जिम्मेदारियां हैं. एक कुत्ते को साथ रखना पॉकेट और जिम्मेदारी, दोनों लिहाज से आसान है.

क्या हमेशा डिंकवाड ही रहेंगे कपल

ऐसा बिल्कुल नहीं है. आर्थिक लक्ष्य जैसे खुद का बड़ा मकान, कर्ज से मुक्ति आदि की प्राप्ति के बाद ऐसे कपल्स बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी एक सही योजना के तहत लेते हैं. शादी के कुछ सालों डिंकवाड कई कपल अपने गोद में बच्चे लाने के लिए इतने लालायित रहते हैं कि कई बार आईवीएफ सेंटर तक के चक्कर काटते नजर आते. ज्यादातर जोड़े एक निश्चित समय के बाद अपने आंगन में बच्चों का स्वागत ही करते हैं.

मुश्किल है दौर मगर

वक्त भी सिखाता है और शिक्षक भी. पर दोनों में अंतर सिर्फ इतना होता है कि शिक्षक सीखा कर इम्तिहान लेते हैं और वक्त इम्तिहान लेकर सिखाता है. दोनों ही स्थितियों में हम सीखते ही हैं. अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम कठिनाइयों को किस रूप में लेते हैं. संघर्ष से सीख लें और आगे बढ़ें-

गुड़िया झा

हिम्मत न हारें : परिस्थितियों को अपनाएं और खुद से कहें कि यह सही है कि अभी हमारा समय प्रतिकूल चल रहा है और यह समय भी बहुत जल्द ही गुजर जायेगा. इससे मन को शांति मिलती है. हम सिर्फ समस्याओं के बारे में ही सोचेंगे तो आसपास हमेशा वही दिखाई देगी. जबकि मन को हल्का कर समाधान के बारे में रास्ते निकालने की सोचेंगे तो हमारा काम आसान हो जाता है. अनुभवी लोगों से बाते करें. इससे हमारा काम आसान हो जाता है. चुनौतियां गुजर जाने के बाद हमें हमारी मजबूती का अहसास भी दिलाती हैं.

आत्मविश्वास बनाए रखें : आत्मविश्वास बनाए रखें. सकारात्मक सोच से यह विश्वास रखें कि जो हो रहा है उसमें हमारे लिए जरूर ही कुछ अच्छा होगा. हमेशा हमारे मन के मुताबिक नहीं होता है. हमें भी परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है.

30 मिनट मेडिटेशन : मन को शांति और सुकून देने के लिए कम से कम 30 मिनट का मेडिटेशन जरूर करें. ये हमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रदान करने के लिए भी बहुत उपयोगी है.

ये ताक-झांक करने वाले

कुछ लोग हमारे अड़ोस-पड़ोस, रिश्ते या ऑफिस में ऐसे जरूर होते हैं जिनसे सामना सिरदर्द से कम नहीं होता. खुद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर बताना और दूसरों की जिंदगी में इस हद तक तांक-झांक करना कि निजता प्रभावित हो जाए और हम असुविधाजनक अनुभव करने लगे. कई बार तो आपसे जानकारियां हासिल कर उसका दुरुपयोग भी करते हैं. आइए, ऐसे लोगों से कैसे निबटे, इस पर करें चर्चा-

- ***सीमाएं तय करें***
जाहिर है इनका स्वभाव तो हम बदल नहीं सकते. ऐसे में बेहतर होगा कि हम अपनी सीमाएं तय कर लें. अगर इस सीमा को वे क्रॉस करने की कोशिश करें तो बिना उसकी प्रतिक्रिया की चिंता किए दो टूक कह दें कि यह आपको पसंद नहीं.
- ***व्यस्तता जाहिर करें***
अगर सीधे-सीधे बोलना कठीन लगता है तो बेहर हो कि उनके सामने आते ही किसी फोन पर व्यस्त हो जाएं या किसी काम का बहाना बता कर निकल जाएं. एक-दो बार में जाहिर हो जाएगा कि आपकी उसमें दिलचस्पी नहीं

- ***चुप लगा लें***
जब भी ऐसे व्यक्ति आपसे अधिक निजी सवाल पूछे, चुप हो जाएं. एक-दो बार ऐसे अनुभव से रू-ब-रू होने पर वह जान जाएगा कि पूछने से कोई फायदा नहीं.
- ***छोटी, मगर काम की बातें***
ऐसे लोग अक्सर मीठी-मीठी बातों की चाशनी में कब आपसे सबकुछ उगलवा लेते हैं, आपको खुद पता नहीं चलता. बेहतर हो कि ऐसे लोगों से बातचीत बेहद संक्षिप्त रखें.

यहां जागती एक मुट्ठी जलधर चुराने की ख्वाहिश

यात्रा वृत्तांत

अनिता रश्मि

विभिन्न रंगों के ऊंचे, भरे-पूरे पर्वतों की श्रेणियां. हरियाली से आच्छादित पर्वतों के बीच की पगडंडियां. तुषार धवल पर्तमालाएं. नदी, नालों, झरनों की कल-कल ध्वनि और इन सबके बीच बहता जीवन. पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग को पहाड़ों की रानी कहा जाता है. हिमालयी चोटी की बांहों में स्थित इस पहाड़ों की रानी के पास ही एक और नन्हा सा पर्यटन स्थल है- वह है मिरिक! एक छोटी लगभग अछूती पर बेतरह आकर्षक जगह.
बाल सूर्य अगली सुबह धरा पे कदम रख रहा था, हम मिरिक की ओर चल पड़े. चार दिन पहले ही हम आठ लोग रांची से भाड़े के बोलेरो से दार्जिलिंग आए थे. जैसे-जैसे हम दार्जिलिंग से नीचे की ओर उतर रहे थे, वैसे-वैसे प्रकृति की अप्रतिम सुंदरता हमें अवाक् कर रही थी. घुमावदार, पहाड़ी सड़कों पर सरपट दौड़ती गाड़ी के शीशों पर ओस-सी जल की बूंदें टपक रहीं थीं. झरने, नदी, चाय बगान के साथ सड़क किनारे आकाश से मिलने के लिए भागते पेड़ों की फुनगी दिखलाई पड़ रही थी.

रंगों में बंटे देश

आगे बढ़ते हुए हम बहुत छोटे स्थान पर आ पहुंचे, जहां सड़क के एक ओर भारत, दूसरी तरफ छोटा सा भूखंड नेपाल का हिस्सा है. एकदम छोटे से भूखंड पर खड़े होकर सैलानी साश्चर्य अपने हिंदुस्तान की सड़क तथा बेहद नीचे वादी में दोनों देशों के घरों को देख रहे थे. घाटियों में श्वेत-श्याम छतों वाले गृह. दोनों देशों के घरों के अंतर को दर्शाने के लिए दो तरह के रंग में रंगी छतें. हम विदेश नेपाल को अलविदा कह, उसी रोड से, जो देश में था, आगे बढ़े.

बाजार में महिलाएं

हम मिरिक के व्यस्ततम बाजार में जा पहुंचे. यह बाजार अंग्रेजों के जमाने से है. दुकानें सज रही थीं. मोमो, नेपाली तथा दक्षिण भारतीय भोजन की अलग ठाठ थी. स्थानीय पेंटिंग से सजी दुकानें भी ग्राहकों को बुला रही थीं. काले कपड़ों पर कहीं दलाई लामा, कहीं बौद्ध मठ, कहीं हिमालय की खूबसूरती, कहीं स्थानीय पुष्प, कहीं वहां की सज-धज, गहनों के साथ महिलाएं चटख रंगों में चित्र बनकर मौजूद! महिलाओं ने प्रतिष्ठानों की कमान सँभाल ली थी. इधर हर व्यावसायिक विकास के केंद्र में महिला नजर आई.

धुंध ही धुंध

पहाड़ के गर्भ में मिरिक झील हमारी असली मंजिल थी. हम बीच में मिले बाजार और बस्ती का मोह छोड़ और आगे बढ़ चले. गाड़ी रुकी नहीं कि आगवानी करने श्वेत बादलों का झुंड उमड़ पड़ा. धुंध से भरे हाथ को हाथ सुझाई न देनेवाली जगह पर हम उतर तो गए, झील तक जाएँ कैसे, किधर से? कुछ भी नजर नहीं आ रहा था. थोड़ी ठंड थी, घन हमें घेरे हुए थे.
लगा, एक...बस एक मुट्ठी जलधर चुराकर ले चलूँ. रेतीले समुद्र तल, नदी के पथरीले किनारों से रेत या चिकने पत्थर उठाकर लाना तो संभव है लेकिन जगह-जगह हमसे आँखमिचौली खेल रहे जलधर को लाना संभव था? यहाँ उसने सारी हदें तोड़ दी थीं.
लो, अभी बगल में खड़ा व्यक्ति नजर नहीं आ रहा था, अभी धूप खिल उठी. हटते धुरंधरों के साथ झील के पास जाने का रास्ता दिखलाई पड़ने लगा. काफी बड़े मैदान के पार बहुत बड़ी विलक्षण झील थी. पीछे ऊंचे-ऊंचे दरख्त. दरख्तों की छाया झील में जल संग डोलती हुईं, कभी हिलोरें ले गुम सी जातीं. यहां बोटिंग की उत्तम सुविधा.

घुड़सवारी, नौकायन

झील के पास मैदान में दौड़ते घोड़ों को देख उस पर चढ़ने का लोभ यायावर छोड़ नहीं पा रहे थे. आजीविका की तलाश में आए नेपाल या आस-पास से लोग, अनगिनत घोड़ेवाले. गोरे-गोरे, ललछौंही रंगत, चमकती त्वचावाले किशोर, युवा भर दिन घोड़ों को दौड़ाते हुए अपने घरों की जिम्मेदारी उठाते हैं. दार्जिलिंग के वाशिंदे भी यहां अपनी सेवाएं दे रहे थे. एक ने बताया, ₹मिरिक को सुमेंदु लेक भी कहते हैं साब जी. और यहाँ पास में सावित्री पुष्प बाग और संतरे के बाग हैं, उसे भी देखना. पूरे बंगाल में सबसे अधिक ऑरेंज यहीं होता है.₹
हमने भी घुड़सवारी की, थोड़ा डरते हुए, थोड़ा आन्नद लेते हुए. अश्वारोहण के पश्चात् लगभग डेढ़ कि. मी. लंबी झील के शांत-स्वच्छ जल पर नौकाओं की सैर का मजा नहीं लिया, तो मिरिक घूमने का आन्नद अधूरा रह जाता है.
झील पर रेनबो ब्रिज इंद्रधनुषी आकार के कारण आकर्षक लगा. पास में अच्छे होटल, दुकानें, नर्सरी आदि थीं. कुछेक दुर्लभ पौधे नर्सरी की शोभा बढ़ा रहे थे. हमने चंद आकर्षक ऑर्किड के पौधे खरीदे. एक कैक्टस पर गुलाबी-गुलाबी घनी बुनावटवाले पुष्प...जैसे मुश्किल जिंदगी के बीच उल्लास का राग. काफी सालों तक वह मनमोहक कैक्टस मेरे टैरेस में खिला. गमले के साथ मन में भी खिलता-खिलाता हुआ.
कई घंटे गुजारने के बाद हम सिलीगुड़ी की राह पर. देखा, चाय बागान, बागानों में पीठ पर बाँस की टोकरी बाँधे काम करती स्त्रियों का झुंड. हम जब निकल रहे थे, धूप-छाँव खेलती प्रकृति रोने लगी थी. विदाई के अश्रु बूँदों की शक्ल में गिर रहे थे. जैसे-जैसे हम नीचे उतर रहे थे, एक मटमैली नदी साथ चल रही थी...तिस्ता. जलद जलविहीन हो रहे थे, गर्मी बढ़ती जा रही थी. हम रात को तारों भरा चंदोवा टँगने के बाद सिलिगुड़ी पहुंच पाए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला : भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में फिर से साबित की बादशाहत

युवा व अनुभव खिलाड़ियों के मिश्रण ने दिलायी भारतीय टीम को सफलता

यशस्वी जायसवाल मैच 05 रन 712 औसत 89

भाषा । धर्मशाला

इंग्लैंड के खिलाफ जीवंत पिचों पर खेली गई श्रृंखला में भारत ने घरेलू धरती पर अपनी यादगार जीत दर्ज करके सबसे लंबे प्रारूप में अपनी बादशाहत फिर से साबित की. भारत के युवा और अनुभव से मिश्रित टीम ने पहला मैच गंवाने के बाद श्रृंखला में शानदार वापसी. भारत ने पांच मैच की इस श्रृंखला को 4-1 से जीता और इंग्लैंड की आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने की 'बैजबॉल' रणनीति पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया.

भारत की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विराट कोहली और मोहम्मद शमी जैसे सीनियर खिलाड़ी पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं थे, जबकि केएल राहुल और रविंद्र जडेजा भी पहले टेस्ट मैच के बाद चोटिल हो गए थे. रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हालांकि धैर्य बनाए रखा और लगातार चार मैच जीते.

श्रृंखला ने पांच खिलाड़ियों ने किया डेब्यू : भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ इस श्रृंखला में पांच खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका दिया, जिनमें से चार खिलाड़ियों सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप और देवदत्त पडिक्कल ने दिखाया कि वे शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. इन युवा खिलाड़ियों के बीच स्वयं कप्तान रोहित, उप कप्तान जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने अच्छा प्रदर्शन करके उदाहरण पेश किया.

जायसवाल ने खुद को रन मशीन साबित किया

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुद को रन मशीन साबित किया जबकि अनुभवी कुलदीप यादव ने अपनी कलाई का जादू बिखेरा. इससे यह स्पष्ट हो गया कि भारत की अगली पीढ़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार है. जायसवाल इस श्रृंखला में भारत की नई रन मशीन बनकर उभरे. उन्होंने श्रृंखला में 712 रन बनाए और इस तरह से सुनील गावस्कर के बाद किसी एक श्रृंखला में 700 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने. उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके इंग्लैंड के गेंदबाजों को पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. इस युवा सलामी बल्लेबाज ने इस बीच लगातार दो मैच में दोहरे शतक लगाए. उन्होंने श्रृंखला में 26 छक्के जड़े, जिससे पता चलता है कि वह गेंदबाजों पर किस कदर हावी रहे.

घरेलू पर फिर चमकी अश्विन-जडेजा की जोड़ी

अश्विन और जडेजा ने क्रमशः 26 और 19 विकेट लेकर फिर से साबित किया कि घरेलू परिस्थितियों में उनका कोई जवाब नहीं है. इन दोनों को कुलदीप यादव का भी अच्छा साथ मिला जिन्होंने अंतिम चार टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करके टीम में तीसरे नंबर के स्पिनर के तौर पर अपनी जगह मजबूत की. भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि जिन खिलाड़ियों को उसने इस श्रृंखला में पदार्पण का मौका दिया, वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे.

रोहित शर्मा मैच 05 रन 400 औसत 44.44

युवाओं का श्रृंखला में प्रदर्शन

शुभमन गिल	सरफराज खान	ध्रुव जुरेल	देवदत्त पड्डिकल	आकाश दीप
मैच-05	मैच-03	मैच-03	मैच-01	मैच-01
रन-452	रन-200	रन-190	रन-65	विकेट-03
औसत	औसत	औसत	औसत	औसत
56.5	50	63.33	65	27.66

अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन

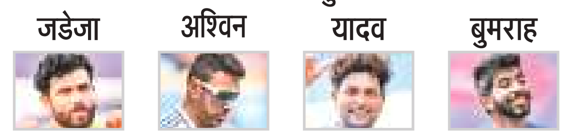

रविंद्र जडेजा	रविचंद्रन अश्विन	कुलदीप यादव	जसप्रीत बुमराह
मैच-04	मैच-05	मैच-04	मैच-04
रन-232	रन-116	विकेट-19	विकेट-19
विकेट	विकेट	औसत	औसत
19	26	20.15	16.89

टेस्ट में सफलता के लिए एक दूसरे की जरूरत : राहुल द्रविड़

भाषा । धर्मशाला

क्या कहा

- द्रविड़ ने कहा- टेस्ट श्रृंखला जीतना बहुत मुश्किल
- शारीरिक व मानसिक रुप से कठिन होता है टेस्ट

भारत की इंग्लैंड पर पांच मैच की श्रृंखला में 4-1 की यादगार जीत के बाद भारतीय कोट ने ड्रेसिंग रूम में प्रेरणादायक भाषण दिया. राहुल द्रविड़ कहा कि युवा खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट की मुश्किल डगर में फतह हासिल करने के लिए एकजुट बने रहने और एक इकाई के तौर पर खेलना अहम है. हैदराबाद में पहले टेस्ट में हारने के बाद मेजबान टीम ने शानदार वापसी करते हुए अगले चार मैच जीतकर श्रृंखला कब्जायी. द्रविड़ ने कहा कि इस तरह श्रृंखला को जीतना होता है और यह मुश्किल है. कभी कभार टेस्ट क्रिकेट मुश्किल होता है. यह आपके कौशल के मामले में, शारीरिक रूप से और मानसिक रूप से भी मुश्किल होता है जैसा कि आपने देखा ही है. द्रविड़ ने कहा कि लेकिन अंत में यह बहुत संतोषजनक होता है. आपको श्रृंखला जीतने के बाद जो संतुष्टि मिलती है, मुझे लगता है कि यह अभूतपूर्व होती है. जैसे इस श्रृंखला में एक मैच में हार से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-1 से जीतना, कितना संतोषजनक है. वहीं विराट कोहली और मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे अहम खिलाड़ी श्रृंखला के दौरान अनुपलब्ध रहे. टीम को श्रृंखला में कुछ युवा खिलाड़ी मिले जिन्होंने शानदार खेल दिखाया. इस श्रृंखला में भारत के पांच खिलाड़ियों रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, देवदत्त पडीक्कल, सरफराज खान और आकाश दीप ने पदार्पण किया. जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा भी एक एक मैच में नहीं खेले.

बजरंग पूनिया व रवि दहिया के ओलंपिक का सपना टूटा

भाषा । सोनीपत (हरियाणा)

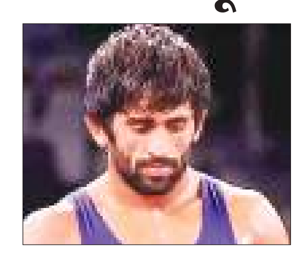

चयन ट्रायल

- सेमीफाइनल में रोहित कुमार ने बजरंग को 9-1 से हराया
- तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले के लिए भी नहीं रूके बजरंग
- चोट से वापसी कर रहे दहिया को अमन ने हराया

तोक्यो ओलंपिक खेलों के पदक विजेता बजरंग पूनिया और रवि दहिया रविवार को यहां आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल में अपने मुकाबले हारने के बाद पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो गये. भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुआई करने वाले पूनिया को पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किग्रा सेमीफाइनल में रोहित कुमार से 9-1 से हार मिली. इससे पहले वह रविंदर के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज करने में कामयाब हुए थे. अगर रविंदर ने मुकाबले में चेतावनी से अंक नहीं गंवाया होता तो पूनिया पहले ही मुकाबले में बाहर हो गये होते. सेमीफाइनल में हारने के बाद पूनिया गुस्से में तुरंत भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र से चले गये.राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों ने पूनिया के डोप नमूने लेने की कोशिश की लेकिन वह तीसरे-चौथे स्थान के मुकाबले के लिए भी नहीं रूके. पूनिया ने ट्रायल्स की तैयारी के लिए रूस में ट्रेनिंग ली थी. पूनिया ने हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय में यह कहते हुए मुकदमा जीत लिया था कि निलंबित डब्ल्यूएफआई के पास ट्रायल्स कराने का कोई अधिकार नहीं है. चोट से वापसी कर रहे दहिया बड़े स्कोर वाले पहले मुकाबले में अमन से 13-14 से हार गये.

ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट रोमांचक

क्राइस्टचर्च । ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक मोड़ पर पहुंचे दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत के लिए 202 रन जबकि न्यूजीलैंड को छह विकेट की जरूरत है. पहली पारी में 82 रन से पीछे रहने वाले न्यूजीलैंड की तरफ से दूसरी पारी में चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए. रचिन रविंद्र ने 82, टॉम लैथम ने 73, डेरिल मिशेल ने 58 और केन विलियमसन ने 51 रन का योगदान दिया. इनके अलावा स्कॉट कुगलेइज़न की 49 गेंदों में 44 रन की तूफानी पारी खेली जिससे न्यूजीलैंड 372 रन बनाने में सफल रहा. ऑस्ट्रेलिया के सामने इस तरह से दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के लिए 279 रन का लक्ष्य था. ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 77 रन बनाए थे. स्टंप उखड़ने के समय मिशेल मार्श 27 और ट्रेविस हेड 17 रन पर खेल रहे थे. इन दोनों ने दिन के अंतिम 10 ओवर में ऑस्ट्रेलिया को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया. मैट हेनरी और बेन सियर्स ने अंतिम सत्र में दो-दो विकेट लिए.

विदर्भ के खिलाफ शार्दुल ने करायी मुंबई की वापसी

भाषा । मुंबई

रणजी ट्रॉफी

- 224 रन बनाए मुंबई ने अपनी पहली पारी में
- शार्दुल ने अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण 75 रन बनाए

दिग्गज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और अजिंक्य रहाणे का रणजी ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन शारदुल ठाकुर के हरफनमौला खेल के दम पर मेजबान मुंबई रणजी ट्रॉफी फाइनल के शुरुआती दिन विदर्भ के खिलाफ खराब स्थिति से वापसी करने में सफल रहा. शारदुल ने 69 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 75 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे 111 रन पर छह विकेट गंवाने वाली मुंबई की टीम ने 224 रन बनाये. शारदुल ने इसके बाद गेंद से भी कमाल करते हुए विदर्भ के सलामी बल्लेबाज ध्रुव शोरे को खाता खोले बगैर पगबाधा कर मुंबई को शानदार शुरुआत दिलायी. दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने तीन विकेट पर 31 रन बनाये थे. टीम अब भी मुंबई से 193 रन पीछे है. स्टंप्स के समय सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे 21 रन बनाकर क्रीज पर थे जबकि रात्रि प्रहरी आदित्य ठाकरे उनका साथ दे रहे थे. अपने प्रथम श्रेणी करियर का आखिरी मैच खेल रहे रहे तेज गेंदबाज ने धवल कुलकर्णी ने दिन के आखिरी सत्र में आउटस्विंग का शानदार इस्तेमाल करते हुए अमन मोखाडे (आठ) और अनुभवी करुण नायर (शून्य) को विकेटकीपर हार्दिक तामोरे के हाथों कैच कराकर मैच पर मुंबई का दबदबा बनाया.

हमें 'बैजबॉल' शब्द ने भ्रमित कर दिया: नासिर

धर्मशाला । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारत के खिलाफ हार पर निराशा व्यक्त करते हुए टीम के बल्लेबाजों को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर काम करने और 'बैजबॉल' के प्रति अपना जुनून छोड़ने की सलाह दी. इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए 'बैजबॉल' शैली को अपनाया लेकिन भारत के खिलाफ उसकी यह रणनीति नहीं चल पाई और उसे श्रृंखला में करारी हार का सामना करना पड़ा. 'बैजबॉल' शब्द इंग्लैंड के टेस्ट कोच ब्रैंडन मैकुलम के उपनाम 'बैज' से लिया गया है. हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स में अपने कॉलम में लिखा कि हम इस शब्द 'बैजबॉल' के कारण भ्रमित हो गए. टीम और टीम प्रबंधन को यह शब्द 'बैजबॉल' रास नहीं आ रहा है. उन्हें अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर ध्यान देने की जरूरत है. इंग्लैंड की तरफ से 45 टेस्ट मैच में कप्तानी करने वाले हुसैन ने कहा कि विपक्षी टीम को देखिए. उन्होंने जिंदगी के हर पहलू की तरह प्रयास किया और उनसे सीख ली. फिर हमारा पतन क्यों हुआ.

तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम नंबर वन

भाषा । दुबई

भारत ने धर्मशाला में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देकर पांच मैच की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया. भारत ने ऑस्ट्रेलिया की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया. इस तरह से भारतीय टीम खेल के तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गई है. भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में पहले ही शीर्ष पर बना हुआ है. न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्राइस्टचर्च में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच का परिणाम कुछ भी रहे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम शीर्ष पर बनी रहेगी. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा विजेता ऑस्ट्रेलिया ने वेलिंगटन में पहला टेस्ट मैच 172 रन से जीता था और वह अभी श्रृंखला में 1-0 से आगे है. भारत के टेस्ट रैंकिंग में अब 122 रेटिंग अंक हो गए हैं जो ऑस्ट्रेलिया से पांच अधिक हैं. इंग्लैंड की टीम 111 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर है. वनडे में भारत के 121 रेटिंग अंक हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया 118 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर है. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के 266 अंक हैं. इंग्लैंड इस प्रारूप में 256 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है. भारत सितंबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहा था. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला बराबरी पर छूटने के कारण भारत दूसरे नंबर पर खिसक गया था.

टेस्ट टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	122
2	ऑस्ट्रेलिया	117
3	इंगलैंड	111
4	न्यूजीलैंड	101
5	द. अफ्रीका	99

वनडे टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	121
2	ऑस्ट्रेलिया	118
3	दक्षिण अफ्रीका	110
4	पाकिस्तान	109
5	न्यूजीलैंड	102

टी-20 टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	266
2	इंग्लैंड	256
3	ऑस्ट्रेलिया	255
4	न्यूजीलैंड	254
5	पाकिस्तान	249

बैडमिंटन भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के सियो व कांग को सीधे गेम में हराया

सात्विक व चिराग की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में

भाषा । पेरिस

खास बातें

- 21-13, 21-16 से जीती सात्विक-चिराग के जोड़ी
- केवल 40 मिनट में भारतीय जोड़ी ने मुकाबला अपने नाम किया

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व में नंबर एक भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के सियो सेउंग जे और कांग मिन ह्युक को सीधे गेम में हराकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया. भारतीय जोड़ी ने इस साल लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है. फ्रेंच ओपन में भी यह जोड़ी तीसरी बार फाइनल में पहुंची है. सात्विक और चिराग ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में कोरिया की जोड़ी को 21-13, 21-16 से हराया. सात्विक और चिराग ने दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ जोड़ियों के बीच खेले गए मुकाबले में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और इस साल के शुरू में इंडिया ओपन में मिली हार का बदला चुकता किया. मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में भी कोरियाई जोड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया. भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 40 मिनट में अपने नाम किया. भारतीय जोड़ी फाइनल में चीनी ताइपे के ली झे हुई और यांग पो ह्वान से भिड़ेगी, जिन्होंने सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराया.

लक्ष्य सेन का अभियान समाप्त

पुरुष एकल में हालांकि लक्ष्य सेन का अभियान मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से हारने के बाद समाप्त हो गया. कुनलावुत ने सेमीफाइनल में एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 21-13, 21-11 से जीत दर्ज की.

डब्ल्यूपीएल : एक्लेस्टो व नवगिरे पर जुर्माना

नयी दिल्ली । यूपी वारियर्स की सोफी एक्लेस्टोन और किरण नवगिरे पर यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. दोनों पर शुक्रवार को हुए मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया. डब्ल्यूपीएल के एक बयान के अनुसार, सोफी और किरण दोनों ने अनुच्छेद 2.2 के अंतर्गत लेवल एक का उल्लंघन स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदानी उपकरण के दुरुपयोग से संबंधित है. इसके अनुसार, आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है.

जोकोविच ने जीत के साथ की इंडियन वेल्स में वापसी

भाषा । इंडियन वेल्स

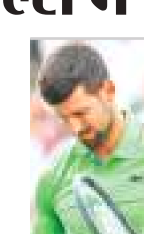

- 400 मैच जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बने जोकोविच
- जोकोविच ने वुकिच को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया

नोवाक जोकोविच ने अलेक्जेंडर वुकिच को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में पांच साल बाद जीत के साथ वापसी की. चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन जोकोविच इस जीत से राफेल नडाल के बाद एटीपी मास्टर्स 1000 सीरीज प्रतियोगिता में 400 मैच जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं. इंडियन वेल्स में 2019 के बाद पहली बार खेल रहे जोकोविच इस टूर्नामेंट में पांच बार के पूर्व चैंपियन हैं.

कोको गॉफ ने क्लारा बुरेल को हराया : महिला वर्ग में कोको गॉफ ने भी क्लारा बुरेल को 2-6, 6-3, 7-6 (4) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ तीसरे दौर में लूसिया ब्रोंजेटी से भिड़ेगी जिन्होंने एन्हेलिना कलिनिना को 6-3, 6-4 से हराया. जेसिका पेगुला हालांकि दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई. उन्हें रूस की अन्ना ब्लिंकोवा ने 6-2, 3-6, 6-3 से हराया. नाओमी ओसाका ने रूस की ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-3 से हराकर बाहर किया.

सिदगोड़ा स्थित टाउनहॉल में आयोजित भारतीय जनतंत्र मोर्चा का एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

झारखंड मे भ्रष्टाचार पर दोहरा मापदंड अब नहीं चलेगाः सरयू राय

संवाददाता। जमशेदपुर

भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संरक्षक और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने रविवार को भ्रष्टाचार करने वालों पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने कहा-2015-16 से 2019-20 तक किया गया भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार नहीं है, लेकिन 2020 के बाद तीन भ्रष्टाचार के मामले भ्रष्टाचार कहलाते हैं. यह भ्रष्टाचार पर दोहरा मापदंड है, यह नहीं चलेगा. सरयू राय रविवार को सिदगोड़ा स्थित टाउनहॉल में आयोजित भारतीय जनतंत्र मोर्चा के एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक बीएमडब्ल्यू कार पर सवारी कर ली तो वह भ्रष्टाचारी हो गए जबकि वह बीएमडब्ल्यू धीरज साहू के नाम से है. लेकिन, जमशेदपुर में 1101 नंबर की इनोवा गाड़ी पर जब पूर्व मुख्यमंत्री, उनकी पत्नी, उनके अन्य रिश्तेदार घूमते रहे, तब यह भ्रष्टाचार का मामला नहीं बना. यह इनोवा भी प्रेम प्रकाश और उसके मित्र भार्गव ने खरीदी थी. यह भ्रष्टाचार के दोहरे मापदंड का ही उदाहरण है.

खास बातें

- इनोवा पर चलने वाला कैसे हो सकता है गैर-भ्रष्टाचारी
- रघुवर व हेमंत सरकार दोनों से पूछताछ करे ईडी

भ्रष्टाचार का मामला उठाया तो नहीं मिला टिकट

सरयू राय ने कहा कि मैं जिस सरकार में मंत्री था, उस सरकार में भ्रष्टाचार के 35 मामले हुए. उन 35 में से कुछ मामलों को मैंने उठाया. चूंकि मैंने मंत्री रहते उन मामलों को उठाया तो मुझे भारतीय जनता पार्टी ने टिकट नहीं दिया. मैंने तो पार्टी से कहा था कि अगर आप मुझे टिकट नहीं देना चाहते तो पहले बता दें. मैं लोगों से कह दूंगा, मीडिया से कह दूंगा कि अब मैं राजनीति से बाहर जा रहा हूं. लेकिन, भाजपा ने मुझे यह भी नहीं करने दिया.

ईडी पक्षपात नहीं करती तो दोनों से पूछताछ करती

राय ने कहा कि हम तो चाहते हैं कि दोनों सरकारों में जितने भी भ्रष्टाचार के मामले हैं, सबकी गिनती करें और दोनों के ऊपर में कार्रवाई करें. अगर ईडी पक्षपात नहीं करती तो दोनों को बुला कर पूछताछ करती. पूजा सिंघल का तो मामला ही अजीब है. 2017 में पूजा सिंघल को तत्कालीन मुख्यमंत्री के दस्तखत से क्लीन चिट दे दिया गया था. उन्हीं आरोपों में ईडी ने पूजा सिंघल को 2022 में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वह दो साल से जेल में हैं.

भाजमो का राजनीतिक व सामाजिक प्रस्ताव

1. झारखंड की दुर्दशा के लिए झारखंड में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जिम्मेवार हैं
2. भारतीय जनतंत्र मोर्चा भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मुखर होकर संघर्ष करेगा
3. केन्द्रीय जांच एजेंसियों को प्रधानमंत्री के संकल्प को सकार करते हुए ना गलत करेंगे ना करने देंगे, ना खाएंगे ना खाने देंगे, ऐसे देश व राज्य को लूटने वाले हर लोगों पर न्याय संगत कारवाई करनी चाहिए
4. झारखंड में ईडी ने पूजा सिंघल से संबंधित मामले में अपने चार्जशीट में जिन जिन के नामों का उल्लेख किया है, उन सभी पर समान रूप से कारवाई होनी चाहिए
5. झारखंड में रह रहे लोगों के लिए स्थानीयता झारखंड बंटवारे की तिथि 15 नवंबर 2000 के मानक को आधार मानकर होना चाहिए क्योंकि 15 नवंबर 2000 के पूर्व सभी बिहार के ही निवासी थे
6. एक समावेशी स्थानीयता नीति बनानी चाहिए
7. झारखंड आंदोलन का क्रेडिट लेने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए
8. स्थायी प्रवृत्ति के कार्य में लगे ठेका मजदूरों, संविदा आधारित कर्मचारी, पारा शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, स्वास्थ्य साहियाओं को स्थायी कर्मचारी घोषित किया जाए
9. निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा सीएसआर पर जो खर्च किया जाता है, उसका अंकेक्षण कराकर इसका ब्योरा सरकार को आम जनता के बीच देनी चाहिए
10. कोविड के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे द्वारा दी जा रही किराए में रियायत की कटौती को समाप्त कर अविलंब कोविड काल के पूर्व की व्यवस्था लागू की जाए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चंद्रमा राहु बारहवें भाव में हैं. किसी नए कार्य पर खर्च अधिक होगा और कार्य क्षेत्र में किये गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. अपनी योग्यता में वृद्धि करें, कार्य के प्रति उत्साह बना रहेगा. किये गये कार्य का लाभ मिलेगा.

वृषभ शेयर बाजार से लाभ का योग है. आय होगा आपको मेहनत का फल अवश्य मिलेगा, दिन सामान्य रहेगा. अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे. यात्रा के दौरान कोई नई वस्तु की प्राप्ति होगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन पिता और सत्कर्म के सहयोग से कर्म का लाभ मिलेगा, पर शरीर में आलस्य की प्रधानता बनी रहेगी. शिक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कर्क कोई धार्मिक यात्रा का प्रबल योग है. भाग्य और धर्म से आय बढ़ेगी. परिवार में आपका या किसी और का स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. किसी से बिना वजह के तकरार से बचना चाहिए. जल का दान करें.

सिंह कोई बड़ा नुकसान होगा मन पर परिवार का सुख भी उत्तम स्तर का प्राप्त होगा. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. गलत संगति की ओर मन आकर्षित हो सकता है. किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकता है. मीठा वस्तु का दान करें.

कन्या जीवनसाथी का सुख मिलेगा. पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा. वाहन का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें. आज मिथ्या आरोप लग सकते हैं. धन से संबंधित दिक्कतें आ सकती है. मंदिर में जल और अन्न का दान करें.

तुला मौसमी बीमारियों से बचें. कोई पुराना रोग परेशान कर सकता है. अपने काम पर ध्यान दें. शत्रु से बचें. अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करेंगे. घर में किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा. गुस्से पर काबू नहीं रहेगा. अकारण क्रोध से बचें.

वृश्चिक शिक्षा में कोई नयी जिमेवारी मिल सकती है. माता की सहायता से लाभदायक फलों की प्राप्ति होगी. पढ़ाई लिखाई में पूरी तरह से मन नहीं लग पाएगा. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है. पक्षी को जल और अन्न दें.

धनु किसी से बिना वजह का लड़ाई हो सकती है. जुबान पर नियंत्रण आवश्यक है. मेहनत और समझदारी से जीवन सुखमय बनेगा. बड़ों का आदर करने में आगे रहेंगे. परिवार का सुख मिलेगा. गृहस्थ सुख में मधुरता बनी रहेगी.

मकर भाई बहन का सहयोग मिलेगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. पारिवारिक सुख मिलेगा. मन में नया उत्साह और जोश देखने को मिलेगा. कामकाज ठीक-ठाक रहेगा. मिठाई का दान बच्चों को करें.

कुंभ कल मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. वाणी का प्रभाव दूसरों पर अच्छा बना रहेगा. मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. धन का संचय होगा. कोई बड़ा कार्य करने का मन होगा. शनि को दीपक दान करें.

मीन समय बहुत ही उत्तम है. मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. धन खर्च होगा. यात्रा करते समय सावधानी बरतें. मिठाई का दान करें.

लोन रिकवरी केसः नाबालिग को बंधक बनाने पर बाल संरक्षण आयोग से शिकायत

गढ़वा। भवनाथपुर में कर्ज नहीं चुकाने पर नाबालिग को बंधक बनाने से जुड़े मामले में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग से शिकायत की गई है. चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने रविवार को शिकायत की. गढ़वा के भवनाथपुर इलाके में माइक्रो फाइनेंस कंपनी के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने लोन नहीं चुकाने पर एक बच्चे को बंधक बना लिया था. इस दौरान बच्चे से जूठे बर्तन और शराब की बोतलें उठवाईं गईं. साथ ही बच्चे की आंखें और किडनी बेचने की धमकी भी दी गई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी बैंक मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि एक आरोपी फरार हो गया है.

ओबीसी एकता अधिकार मंच के महासम्मेलन में खेसारी लाल ने गीत गुनगुनाये

पिछड़ों से 11 सूत्री मांगों के लिए एकजुट होने का आह्वान

संवाददाता। रांची

ओबीसी एकता अधिकार मंच के तत्वावधान में रविवार को हरमू मैदान में महासम्मेलन का आयोजन किया गया. महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भोजपुरी अभिनेता खेसारीलाल यादव शामिल हुए. ओबीसी एकता अधिकार मंच ने महासम्मेलन में आये सभी लोगों के बीच 11 सूत्री मांग पत्र बांटे. मंच से 11 सूत्री अधिकारों की प्राप्ति के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया गया. वक्ताओं ने कहा कि हमारे देश की सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था जटिलताओं व विविधताओं से भरी पड़ी है. इसके बावजूद सामाजिक एकता और सौहार्द देश की विशेषता है.

वक्ताओं ने कहा कि देश में रहनेवाले विभिन्न जाति, उपजाति, अलग-अलग धार्मिक अस्तित्व व सांस्कृतिक मान्यता की पहचान के साथ जीवनयापन करते आ रहे हैं. क्षेत्रीयता व भाषा के आधार पर लोग अपनी अलग- अलग सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ अपने हक व अधिकार के लिए संघर्षरत हैं. सभी जातियां सामाजिक आर्थिक स्तर पर वर्गों में बंटी हुई हैं. यही कारण है कि पिछड़ी जाति की हालात ठीक नहीं है. झारखंड 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य के रूप में स्थापित हुआ है. राज्य में ओबीसी की आबादी 60 फीसदी से अधिक ह, फिर भी सामाजिक व आर्थिक आधार पर ओबीसी के लिए मात्र 14 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था है, जो उचित नहीं है. झारखंड में रहने वाले पिछड़े व अति पिछड़े वर्गों के द्वारा जाति के जनसंख्या के आधार पर 52 फीसदी आरक्षण की मांग के समर्थन में आवाज उठनी शुरू हो गई है.

खास बातें

- महासम्मेलन में आये सभी सदस्यों के बीच 11 सूत्री मांग पत्र बांटे गये
- ओबीसी के लिए मात्र 14 प्रतिशत आरक्षण का ही प्रावधान

ओबीसी एकता अधिकार मंच की मुख्य मांगें

- जाति आधारित जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुपात में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के महिला-पुरुष की राजनैतिक हिस्सेदारी व भागीदारी के साथ ही साथ उनकी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट जारी की जाए.
- झारखंड के रांची, लातेहार, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खरसावां, दुमका, पाकुड़, जामताड़ा, साहेबगंज जिलों में जिला स्तरीय नौकरियों में ओबीसी का नियोजन शून्य है, जहां झारखंड के अन्य जिलों की तरह ओबीसी समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाए.
- जनसंख्या के हिसाब से सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में 52 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की जाए.
- नगर निकाय एवं पंचायत चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए तय रोस्टर के अनुसार सीटें राज्य सरकार आरक्षित करें और केंद्र सरकार से संविधान संशोधन कराकर विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत व त्रि-स्तरीय ग्राम पंचायत में भी पिछड़े वर्ग के सीटों को आरक्षित करें.
- पिछड़े वर्ग ओबीसी के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए 10,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता की व्यवस्था की जाये. पेपर लीक पर केंद्र द्वारा बनाये गये कानून को सख्ती से लागू किया जाये.
- खेसारीलाल बोले- मेरी फिल्म रंग दे बसंती तैयार है, प्रार्थना करें सेंसर बोर्ड इसे पास कर दे
- महासम्मेलन में खेसारीलाल ने अपने निराले अंदाज में कहा- जय झारखंड, जोहार झारखंड. उन्होंने अपनी फिल्म रंग दे बसंती के बारे में बताते हुए कहा कि फिल्म पूरी तरह से बनकर तैयार है और 22 मार्च को रिलीज होगी. इस फिल्म में कश्मीर की खूबसूरत वादियों का मनमोहक नजारा है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगा. उन्होंने कहा कि फिल्म सभी जगह से पास हो गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड से इसे मान्यता नहीं मिली है. सभी मेरे साथ प्रार्थना करें कि सेंसर बोर्ड से इसे पास कर दिया जाए और सभी को इस फिल्म को देखने का अवसर मिले.

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी जमशेदपुर पहुंचे

भाजपा ने की ओबीसी समाज की चिंता : अरुण शंकर प्रसाद

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी अरुण शंकर प्रसाद रविवार को जमशेदपुर पहुंचा. उन्होंने भालूबासा के एक होटल में प्रेस को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रेरणास्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा प्रस्तुत अंत्योदय सिद्धांत के आधार पर नीतियां बना रही है, जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है. पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर निरंतर कार्य कर रहे हैं. आज अनुसूचित जनजाति समाज से देश के राष्ट्रपति बने हैं तो पिछड़ा वर्ग से देश के प्रधानमंत्री बने हैं. गत दिनों ही पार्टी ने ओबीसी समाज से आने वाले कुशल संगठनकर्ता एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर ओबीसी समाज का मान बढ़ाया. भाजपा सिर्फ राजनीति के लिए निर्णय नहीं लेते हैं, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय भी सम्मलित होता है. भाजपा जो बोलती है वो करती हैं और जो करती हैं उसे बताती भी हैं. धारा 370 को निरस्त करने, राममंदिर का निर्माण, तीन तलाक खत्म करने जैसे अनेकों निर्णय लिए गए हैं. जो वंचित हैं, उन्हें पार्टी और सरकार सभी जगह, भाजपा साथ लेकर आगे बढ़ रही है.

रामनवमी को लेकर जारी प्रतिबंधों का विरोध

हिंदू धर्म प्रचारकों ने सीएम आवास के समक्ष दिया धरना

संवाददाता। रांची

हजारीबाग और महुदा में रामनवमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जारी विभिन्न तरह के प्रतिबंधों के विरोध हिंदुत्व प्रचारकों ने मुख्यमंत्री आवास के सामने धर्ना प्रदर्शन किया. करीब 200 लोगों ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा के साथ धरना प्रदर्शन किया. धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमन कुमार ने कहा कि यहां सभी लोग अपनी मांगों के समर्थन में धरना देने यहां आए हैं.

हिंदू धर्म प्रचारकों की मुख्य मांगें

- रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा मिले.
- हजारीबाग और बड़कागांव के महुदी में प्रशासन द्वारा लगाये गए प्रतिबंध पूर्णतः हटाया जाये.
- पिछले वर्ष 2023 की रामनवमी में रामभक्तों पर डीजे को लेकर दर्ज एफआईआर वापस ली जाये
- निर्दोष लोगों को 107 का नोटिस न भेजे प्रशासन

पेज 1 का शेष...

लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं...

आज उसी गुरु ने झारखंड को एक नई पहचान दिलाई ताकि आदिवासी मूलवासी को एक पहचान मिल सके. आज हमलोग गर्व से बताते हैं कि झारखंडी हैं, ये आत्म सम्मान हमारे गुरुजी की देन है. और आगे का भी यही संकल्प है कि लड़ेंगे तब तक जब तक शरीर में एक बूंद खून रहेगा, लेकिन झुकेंगे नहीं. क्योंकि झारखंड झुकेगा नहीं. पिछले चार सालों में जनादेश के द्वारा चुनी गयी हेमंत सोरेन ने अबुआ राज अबुआ दिशोम का नारा लगाया था. सरकार ने इन चार सालों में लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया. हेमंत दादा ने विशेष रूप से महिला, बच्चे और बुजुर्गों के हित में काम किया. कल्पना ने कहा कि अगर एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार समाज शिक्षित होगा. इसलिए महिलाओं को आगे लाएं.

आपका बेटा हेमंत आपके साथ है : आगे कल्पना सोरेन ने कहा कि आप लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. आपका लाल आपका बेटा हेमंत सोरेन आपके साथ है, क्योंकि झारखंड का बेटा कभी झुकता नहीं है. जिस तरह से हेमंत जी को अंदर डाला गया है, वो आज की साजिश नहीं है. 2019 से विपक्ष इसलिए पीछे पड़ी हुई थी क्योंकि हेमंत एक आदिवासी हैं. हेमंत बाबू दुमका और बरहेट दो जगह से चुनाव लड़े थे, लेकिन बरहेट से जो प्यार और स्नेह मिला वो प्यार कभी नहीं भूल पाया. आज हमलोग हेमंत सोरेन जिंदाबाद का नारा इतना जोर से लगाएं कि आवाज होटवार जेल के सलाखों से पार होकर हेमंत सोरेन के कानों तक पहुंचे. ताकि उनको लगे कि बरहेट की जनता उन्हें कितना प्यार करती है. आज आपलोग इतना धूप में बैठकर मेरी बात सुन रहे हैं, इसी से पता चलता है कि आपलोग हेमंत सोरेन से कितना प्यार करते हैं. लड़ेंगे, जीतेंगे, झारखंड झुकेगा नहीं का नारा लगाकर अपनी वाणी को कल्पना ने विराम दिया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ नारेबाजी की.

झारखंड के स्कूलों ने डेटा...

झारखंड में सिर्फ 2.01% स्कूलों ने ही अपलोड किया डेटा

बोकारो : 0.87%
चतरा : 3.48%
देवघर : 1.30%
धनबादः 0.98 %
दुमका : 1.49%
गढ़वा : 0. 30%
गिरीडीहः 1.72%
गोड्डाः 2.22%
गुमलाः 5.44 %
हजारीबागः 0.79%
जामताड़ा : 1.19 %
खूंटी : 1.43 %
कोडरमा : 0.74%
लातेहारः 1.43%
लोहरदगा : 2.00%
पाकुड़ः 0.00%
पलामू : 2.9 %
प. सिंहभूम : 1.12%
पू. सिंहभूम : 4.63%
रामगढ़ : 3.33 %
रांची : 3.9 %
साहिबगंज : 1.19%
सरायकेला खरसावां : 2.21%
सिमडेगाः 1.33 %

झारखंड में 15.80% छात्रों का ही डेटा अपलोड हुआ

पश्चिमी सिंहभूम : 52.66
सिमडेगाः 35.22
गुमला : 31.40
पूर्वी सिंहभूमः 31.10
पलामूः 23.03
बोकारोः 22.63
सरायकेला खरसावां : 18.41
चतराः 17.84
लोहरदगा : 17.69
रांची : 17.22
रामगढ़ : 13.36
कोडरमाः 12.37
लातेहार : 11.40
देवघरः 10.03
हजारीबाग : 9.55
दुमका : 8.40
साहिबगंज : 7.46
जामताड़ा : 7.27
गढ़वा : 6.77
धनबाद : 6.54
खूंटी : 4.73
गिरीडीह : 4.62
गोड्डा : 4.39
पाकुड : 3.94

सीआईएसएफ ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

संवाददाता। धनबाद

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई बीसीसीएल धनबाद द्वारा रविवार को 55वां स्थापना दिवस कोयला नगर मुख्यालय में उप महानिरीक्षक सीआइएसएफ बीसीसीएल धनबाद विनय काजला के नेतृत्व में मनाया गया. इस अवसर पर उप महानिरीक्षक द्वारा स्कूली बच्चों को उनके भविष्य में आगे बढने और कैरियर को मजबूत बनाने के लिये प्रेरणा दी गई. इसी क्रम में बल के अलग-अलग वीडियों के माध्यम से दिखाया गया कि कैसे-कैसे मुश्किल व दुर्गम इलाकों में सीआईएसएफ बल सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय सम्पति को सुरक्षा प्रदान करने में अपने जीवन दांव पर लगा रहे हैं.

वर्ष 1969 में सीआईएसएफ में 3000 बल थे, जो अभी 1,70,000 से अधिक हो गई है. वर्तमान में सीआईएसएफ हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों, दिल्ली मेट्रों, इस्पात और वित्त संयत्रों आदि सहित देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा कवच प्रदान कर रहा है. विशेष सुरक्षा समूह सीआईएसएफ का एसएसजी विभिन्न क्षेणियों के विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने का दायित्व बखूबी निभा रहा है. सीआईएसएफ की अग्निशमन शाखा सार्वजनिक उपक्रमों को अग्नि से सुरक्षा प्रदान कर रहा है.

भूली के दारोगा के खिलाफ एसपी से की गई शिकायत

धनबाद। पांडरपाला की रहने वाली प्रगति कुमारी सिंह ने भूली के दरोगा विजय राम के खिलाफ सिटी एसपी से शिकायत की है. सिटी एसपी को दी गई शिकायत में बताया है कि उसने 2020 में पांडरपाला भूली के ही रहने वाले शिवकुमार सिंह पिता स्व ब्रह्मदेव सिंह को 2 लाख 80 हजार रुपया दिया था, रुपया के बदले एग्रीमेंट किया था कि वो जमीन देंगे. लेकिन उसने जमीन पर बना हुआ घर दिया और पैसा ले लिया. बाद में पता चला कि उक्त जमीन मांझी प्लॉट है, उसमे वह रहने लगी, जुलाई 2023 में उक्त जमीन दान पर दी है, ये बात लिख कर दी है. लेकिन 5 मार्च 2023 को उसने खिलाफ झूठी शिकायत कर दी, कि उसने ये जमीन नहीं लिख कर दी है, भूली के एसआई से मिलकर अब प्रताड़ित किया जा रहा है.

आमने-सामने धनबाद- जामताड़ा को जोड़ने वाली बराकर नदी पर पुल का हुआ दोहरा भूमि पूजन

एक तरफ सीएम, दूसरी ओर भाजपा सांसद व विधायक ने किया शिलान्यास

राजकुमार महतो। निरसा

धनबाद जामताड़ा को जोड़ने वाली बराकर नदी के बिरगांव और बरबेंदिया घाट पर पुल निर्माण को झारखंड सरकार द्वारा मंजूरी मिलने के बाद रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शिलान्यास किया. वहीं पुल की दूसरी ओर निरसा के भाजपा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने भी बरबेंदिया पुल पर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ शिलान्यास किया. इस पुल का श्रेय लेने को लेकर राजनीति शुरू हो गई है और सियासी दलों में होड़ मच गई है. एक ओर जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी खुद इसका श्रेय ले रहे हैं तो दूसरी ओर निरसा से भाजपा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता अपने खाते में जोड़ने की कोशिश कर रही है.

लगभग 264 करोड़ की लागत से फोरलेन पुल का होगा निर्माण : पथ निर्माण के अभियंता प्रमुख ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुल निर्माण कार्य की स्वीकृति स्टेट हाईवे अथॉरिटी द्वारा दी गई है और इसका सुपरविजन रोड डिवीजन धनबाद जामताड़ा की देखरेख में होगा. उन्होंने इस पुल की कुल लंबाई 1584 मी लगभग बताया.

पुल बन जाता तो नहीं होता हादसा

याद कीजिए 2022 का वह नाव हादसा, जिसमें 14 लोगों की डूबने से मौत गई थी 24 फरवरी 2022 को भयंकर बारिश और आंधी-तूफान में बराकर नदी में एक बड़ा नाव हादसा हुआ था, कुछ लोग किसी तरह तैरकर बाहर निकले तो कुछ लोगों को आसपास के ग्रामीणों ने बचाया शाम के समय हादसा होने के कारण बच्चे, महिला एवं पुरुष कुल मिलाकर 14 लोगों की जान चली गई थी. अगर पुल पहले बना जाता तो यह हादसा नहीं होता.

वर्षों से पुल बनाने की मांग की जा रही थी

जामताड़ा और धनबाद दो जिला को जोड़ने के वाले वीरगांव बरबेंदिया घाट पर पुल नहीं रहने से लोगों को आवागमन करने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है. नाव का सहारा लेना पड़ता है. जान जोखिम में डालकर आना-जाना करना पड़ता है. जिससे कई बार लोगों की जान भी चली जाती है बरसों से पुल अधूरा पड़ा हुआ है कई बार लोगों ने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया, आंदोलन भी किया, 14 लोगों की जान भी चली गई.

टीएमसी की जन-जन सभा रैली

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पार्टी की जन-जन सभा रैली के दौरान आगामी उम्मीदवारों के साथ चलती हुईं. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

विस्फोटक ले जाते समय धमाके में दो की हुई मौत

पेशावर (पाकिस्तान) । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक मोटरसाइकिल से विस्फोटक ले जाए जाने के दौरान हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया. यह घटना नसीर बाग रोड के बोर्ड बाजार में हुई. शवों और घायल व्यक्ति को खैबर टीचिंग हॉस्पिटल ले जाया गया. इससे पहले, पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि यह एक आत्मघाती विस्फोट है. बाद में एसपी (अभियान) काशिफ आफताब अब्बासी ने पुष्टि की कि यह विस्फोट तब हुआ जब तीन लोग एक बाइक से विस्फोटक दूसरे स्थान पर ले जा रहे थे.

पुंछ में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू । सुरक्षा बलों ने रविवार को जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले के एक जंगल में आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और सात आईईडी बरादम किये तथा एक वायरलेस सेट जब्त किया. अधिकारियों ने बताया कि यह ठिकाना सुरनकोट इलाके में दारा सांगला में एक गुफा के अंदर था. पुलिस और सेना के संयुक्त खोज दल ने इसका भंडाफोड़ किया. उन्होंने बताया कि ठिकाने से कंबल और कुछ अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं. उन्होंने बताया कि एक मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है.

एक ही परिवार के तीन लोग नदी में डूबे

भुवनेश्वर । ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में ईब नदी में नहाते समय दो नाबालिग लड़कों समेत एक ही परिवार के तीन लोग डूब गए. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सुंदरगढ़ शहर निवासी मुहम्मद फरहान (15), उसके भाई मुहम्मद रिजवान (17) और उनके चाचा मुहम्मद साजिद (35) के रूप में की गई. पुलिस अधिकारी ने कहा कि तीनों शनिवार को फरहान के जन्मदिन के मौके पर पिकनिक मनाने नदी किनारे गए थे. दोपहर को साजिद और दोनों नाबालिग नहाने के लिए नदी में गये, तभी पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए.

पीएम ने महतारी वंदन योजना का डिजिटल तरीके से किया उद्घाटन

भाजपा सरकार ने अपना वादा पूरा किया : नरेंद्र मोदी

भाषा । रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए डिजिटल तरीके से वाराणसी से रिमोट दबाकर महतारी वंदन योजना की शुरुआत की. इस अवसर पर रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की 'डबल इंजन' सरकार (केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार) की प्राथमिकता महिलाओं का कल्याण है.

प्रधानमंत्री ने समारोह को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने देश में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प लिया है. मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ में 'महतारी वंदन योजना' का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया. इस योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी. मोदी ने वाराणसी से रिमोट

योजना शुरू

- 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया
- 1000 रुपये विवाहित महिलाओं को मासिक सहायता मिलेगी

दबाकर इस योजना की शुरुआत की और 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 655 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया. उन्होंने योजना की शुरुआत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को मेरा प्रणाम. आज मुझे नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाली महतारी वंदन योजना को समर्पित करने का सौभाग्य मिला है. महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ की 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों को हर महीने एक हजार रुपये देने का वादा किया गया था. भाजपा सरकार ने अपना वादा पूरा किया है. कहा कि आज महतारी वंदन योजना के तहत 655 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की गई है.

उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं के खाते में अब हर महीने बिना किसी परेशानी के यह पैसा आता रहेगा और वह इसकी गारंटी दे रहे हैं. कहा कि जब माताएं-बहनें सशक्त होती हैं तो पूरा परिवार सशक्त होता है. इसलिए 'डबल इंजन' सरकार की प्राथमिकता हमारी माता बहनों का कल्याण है. कहा कि आज परिवारों को पक्का घर मिल रहा है, वह भी महिलाओं के नाम पर. उज्ज्वला का सस्ता गैस सिलेंडर मिल रहा है वह भी महिलाओं के नाम पर. 50 फीसदी से ज्यादा जन धन खाते भी हमारी माताओं-बहनों के नाम पर हैं. कहा कि 65 प्रतिशत से ज्यादा मुद्रा लोन भी महिलाओं ने लिया है. खासकर नौजवान बेटियों ने. उन्होंने अपना काम शुरू किया. पिछले दस वर्षों में हमारी सरकार ने सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं का जीवन बदला. मोदी ने कहा कि हमारी सरकार के प्रयासों से अब तक एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं. गांव-गांव में इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गई है. इस सफलता को देखते हुए हमने बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया.

केरल में सीटों का सूखा खत्म करने के प्रयास तेज कर रही है भाजपा

तिरुवनंतपुरम । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनावों में केरल में अपने लिए सीटों के 'सूखे' को खत्म करने के प्रयास तेज कर रही है. जनता खासतौर से अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय तक पहुंच बनाने के समन्वित प्रयासों के साथ पार्टी का उद्देश्य इस दक्षिणी राज्य में पैर जमाना है. हिंदू समर्थक माने जाने वाली भाजपा के लिए केरल का जनसांख्यिकी परिदृश्य एक कठिन चुनौती पेश करता है. राज्य की आबादी में मुस्लिम और ईसाई वर्ग की तादाद अच्छी-खासी है. बहरहाल, पार्टी मतदाताओं के विविध वर्ग को लुभाने की कोशिश में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है.

उपचारित जल से भरी जाएंगी अब सूखी झीलें

बेंगलुरु । बेंगलुरु में नगर निकाय प्राधिकारियों ने शहर में भूजल स्रोतों को फिर से भरने के लिए सूख चुकी झीलों में हर दिन 130 करोड़ लीटर उपचारित जल भरने का फैसला किया है. शहर में करीब 50 फीसदी बोरवेल पूरी तरह से सूख गए हैं. बेंगलुरु में जल संकट से निपटने के उद्देश्य से नगर निकाय बेंगलुरु जल आपूर्ति व सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) परीक्षण के बाद जल आपूर्ति के लिए झीलों की तलहटी के समीप एक नवीन प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर फिल्टर बोरवेल भी लगाएगा और जल संयंत्रों का निर्माण करेगा. बीडब्ल्यूएसएसबी के अध्यक्ष राम प्रसाथ मनोहर ने बताया कि यह कदम आईआईएससी के साथ मिलकर उठाया गया है.

आसिफ अली जरदारी बने पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति

भाषा । इस्लामाबाद

आसिफ अली जरदारी ने रविवार को पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. एक दिन पहले उन्हें भारी मतों के अंतर से देश के नये राष्ट्राध्यक्ष के रूप में चुना गया था. पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने राष्ट्रपति भवन 'ऐवान-ए-सदर' में 68 वर्षीय जरदारी को पद की शपथ दिलाई. जरदारी, डॉ. आरिफ अल्वी की जगह लेंगे, जो सितंबर 2023 में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बावजूद पांच महीने तक पद पर बने रहे. शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना के तीनों अंगों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और राजनयिक उपस्थित थे.

सत्तारूढ़ गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष जरदारी ने शनिवार को महमूद खान अचकजई को भारी मतों के अंतर से हराया. इसके बाद उन्हें दूसरी बार देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी द्वारा समर्थित अचकजई सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के उम्मीदवार थे.

टीएमसी ने जारी की 42 उम्मीदवारों की लिस्ट

कोलकाता उत्तर	सुदीप बंदोपाध्याय	मुर्शिदाबाद	अबू ताहिर खान
कूच बिहार (एससी)	जगदीश चंद्र बसुनिया	कृष्णानगर	महुआ मोइत्रा
अलीपुरद्वार (एसटी)	प्रकाश चिक बड़ाईक	रानाघाट (एससी)	मुकुट मणि अधिकारी
जलपाईगुड़ी (एससी)	निर्मल चंद्र रॉय	बनगांव	विश्वजीत दास
दार्जिलिंग	गोपाल लामा	बैरकपुर	पार्थ भौमिक
रायगंज	कृष्णा कल्याणी	दमदम	प्रोफेसर सौगत रॉय
बालुरघाट	बिप्लब मित्रा	तमलुक	देबांगशु भट्टाचार्य
मालदा उत्तर	प्रसून बनर्जी	कंठी	उत्तम बारिक
मालदा दक्षिण	शाहनवाज अली रहमान	घाटल	दीपक अधिकारी (देव)
बारासात	काकोली घोष दस्तीदार	झारग्राम (एसटी)	कालीपाड़ा सोरेन
जॉयनगर (एससी)	प्रतिमा मंडल	मेदिनीपुर	जून मालिया
मथुरापुर (एससी)	बापी हलदर	आसनसोल	शत्रुघ्न सिन्हा
डायमंड हार्बर	अभिषेक बनर्जी	बोलपुर (एससी)	असित कुमार मल
जादवपुर	सायोनी घोष	बीरभूम	शताब्दी रॉय
कोलकाता दक्षिण	माला रॉय	पुरुलिया	शांतिराम महतो
हावड़ा	प्रसून बनर्जी	बांकुरा	अरूप चक्रवर्ती
उलूबेरिया	सजदा अहमद	बिष्णुपुर (एससी)	सुजाता मंडल
सेरामपुर	कल्याण बनर्जी	बर्धमान पुरबा (एससी)	डॉ शर्मिला सरकार
हुगली	रचना बनर्जी	बर्धमान दुर्गापुर	कीर्ति आजाद
आरामबाग (एससी)	मिताली बाग	बशीरहाट	हाजी नुरुल इस्लाम
जंगीपुर	खलीलुर्रहमान	बहरामपुर	युसूफ पठान (पूर्व भारतीय क्रिकेटर)

शिलांग में आईईडी विस्फोट होने से एक घायल

शिलांग । पंजाबी लेन इलाके में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट होने से एक व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि विस्फोट शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे हुआ. पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक ऋतुराज रवि ने बताया कि रात करीब 10.30 बजे सिंडिकेट बस स्टैंड, पंजाबी लेन के पास एक विस्फोट हुआ. विस्फोट एक छोटे से टिन के ढांचे के अंदर हुआ था. उन्होंने कहा कि नुकसान केवल टिन के ढांचे और पास की कुछ खिड़कियों के शीशों तक ही सीमित था. नुकसान के बारे में और जानकारी की प्रतीक्षा है. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट आईईडी के कारण हुआ है.

शाहजहां शेख की सीबीआई हिरासत चार दिन बढ़ी

बशीरहाट (पश्चिम बंगाल) । यहां की एक अदालत ने संदेशखलि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर भीड़ के हमले के मुख्य आरोपी शाहजहां शेख की सीबीआई हिरासत रविवार को और चार दिनों के लिए बढ़ा दी. अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुरोध पर यह आदेश जारी किया. कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश पर मामले की जांच सीबीआई को हस्तांतरित किये जाने के साथ छह मार्च को उसे शेख की हिरासत सौंपी गई थी. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर उस वक्त हमला किया गया था, जब वे शेख के संदेशखलि स्थित परिसर में छापा मारने पहुंचे थे. शेख को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अब निलंबित कर दिया गया है.

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के 9 सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के नौ सदस्यों के पास से 22 किलोग्राम अफीम जब्त की और उन्हें गिरफ्तार किया. इस संबंध में छह सीमा शुल्क अधिकारियों पर भी मामला दर्ज किया गया है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि 30 बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी गई है. जिनमें नौ करोड़ रुपये जमा हैं. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सदस्यों के पास से 22 किलोग्राम अफीम जब्त की और गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है. कहा कि अफीम के उत्पादक और खरीदकर्ता को झारखंड से 12 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया.

कुमारस्वामी ने सिद्धरमैया की तुलना नीरो से की

बेंगलुरु । जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर कटाक्ष करते हुए उनकी तुलना रोमन साम्राज्य के सम्राट नीरो से की और कहा कि उन्हें लोगों की नहीं बल्कि केवल चुनाव की चिंता है. पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि ऐसा लगता है कि सिद्धरमैया सरकार राज्य में सूखे की स्थिति और लोगों की परेशानियों का मखौल उड़ा रही है. कुमारस्वामी ने यहां जारी बयान में कहा कि राज्य में जबरदस्त सूखा पड़ा है. जलसंकट गहरा गया है. लोगों और मवेशियों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है. इस स्थिति के बावजूद, कांग्रेस सरकार करदाताओं के करोड़ों रुपये गारंटी सम्मेलनों में खर्च कर रही है. यह शर्मनाक है.

एसयूवी व ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

लखीमपुर खीरी (उप्र)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना इलाके में रविवार सुबह एक एसयूवी और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये. पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह मैलानी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नौवा खेड़ा गांव के पास गोला-खुटार राजमार्ग पर एक भीषण दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जचल सिंह (30), कुंदन सिंह (35) और प्रतीक शर्मा (30) के रूप में हुई है. तीनों उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ के रहने वाले थे. उन्होंने बताया कि घायलों में पिथौरागढ़ के नरेंद्र सिंह (31) और अनिकेत सिंह (30) शामिल हैं.

व्रत का खाना खाकर 50 से अधिक लोग पड़े बीमार

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर जिले में 50 से अधिक लोग 'महाशिवरात्रि' के दौरान व्रत का खाना खाकर बीमार पड़ गए. ये लोग जिले के कामठी और नागपुर शहर के कुछ इलाकों के रहने वाले हैं. इन लोगों ने शुक्रवार को महाशिवरात्रि पर व्रत रखा था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कामठी इलाके के कुछ लोगों ने व्रत के लिए बनाया गया फलाहार दुकानों तथा सड़क किनारे की गुमटियों से खरीदा था और इसे खाने के बाद उन्हें पेट दर्द और मितली की शिकायत हुई. धंतोली पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि शहर के गणेश नगर इलाके में शुक्रवार को सिंघाड़े के आटे से बनी 'जलेबी' (मिठाई) और अन्य खाद्य पदार्थ खाने के बाद एक परिवार के सात सदस्य बीमार हो गए.

पंजाब में रेल पटरियों पर धरने पर बैठ गए किसान

चंडीगढ़ (भाषा)। एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) व किसान मजदूर मोर्चा के आह्वान पर 'रेल रोको' आंदोलन के तहत रविवार को पंजाब के विभिन्न इलाकों में किसान रेल पटरियों पर धरने पर बैठ गए. किसानों ने अपनी मांग पूरी नहीं करने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. ट्रेन सेवाएं बाधित होने की वजह से यात्रियों को असुविधा हुई. प्रदर्शन दोपहर 12 बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे तक खत्म होगा. किसानों ने कहा कि वे अमृतसर, लुधियाना, तरनतारन, होशियारपुर, फिरोजपुर, फजिल्का, संगरूर, मनसा, मोगा और बठिंडा समेत 22 जिलों में 52 स्थानों पर रेल पटरियों पर धरना देंगे. संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल किसान संगठन भारती किसान यूनियन (एकता उगराहां), बीकेयू (दकौंदा-धनेर) व क्रांतिकारी किसान यूनियन भी रेल रोको आंदोलन में शामिल हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बना सकते हैं कॅरियर

रजनीश प्रसाद । रांची

प्लास्टिक इंजीनियरिंग में बीटेक 4 साल की अवधि का बैचलर्स कोर्स है. इस कोर्स को प्लास्टिक इंजीनियरिंग के विशेष कॉन्सेप्ट्स को व्यक्त करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें प्लास्टिक प्रोसेसिंग, प्लास्टिक और सिंथेटिक मैटेरियल मैन्यूफैक्चरिंग, प्लास्टिक स्टोरेज साइंस, सिंथेटिक मैटेरियल डेवलपमेंट आदि जैसे विषय शामिल हैं. कोर्स के अंतर्गत, छात्रों को प्रमुख निर्माण स्थलों में साइट ट्रेनिंग के लिए भी ले जाया जाता है और मोल्डिंग विधियों और मिश्रण तैयार करने और गुणवत्ता का उपयोग करने पर प्रशिक्षण दिया जाता है.

स्किल्स

- टीम वर्क
- कम्युनिकेशन स्किल्स
- एनालिटिकल स्किल्स
- प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स
- टाइम मैनेजमेंट
- अंडर प्रेशर काम करने की क्षमता

प्लास्टिक इंजीनियरिंग विदेशी विश्वविद्यालय

- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
- ऑकलैंड विश्वविद्यालय
- मैनचेस्टर विश्वविद्यालय
- लौघ्बोरौघ विश्वविद्यालय
- मैसाचुसेट्स लोवेल विश्वविद्यालय
- शेफील्ड विश्वविद्यालय
- वाइकाटो विश्वविद्यालय
- पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- इम्पीरियल कॉलेज लंदन
- यूनिवर्सिटी ऑफ़ अल्बर्टा

भारतीय विश्वविद्यालय

- एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा
- सभी आईआईटी
- लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, लखनऊ
- इंडस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ऊना
- रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई
- मेडी-कैप्स विश्वविद्यालय, इंदौर
- विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर
- दिल्ली यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

विदेश में आवेदन प्रक्रिया

- आपकी आवेदन प्रक्रिया का फर्स्ट स्टेप सही कोर्स और यूनिवर्सिटी का चुनाव है.
- कोर्स और यूनिवर्सिटी के चुनाव के बाद उस कोर्स के लिए उस यूनिवर्सिटी की पात्रता मानदंड के बारे में रिसर्च करें.
- आवश्यक टेस्ट स्कोर और दस्तावेज एकत्र करें.
- यूनिवर्सिटी की साइट पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म भरें या फिर आप Leverage Edu एक्सपर्ट्स की भी सहायता ले सकते हैं.
- ऑफर की प्रतीक्षा करें और सिलेक्ट होने पर इंटरव्यू की तैयारी करें.
- इंटरव्यू राउंड क्लियर होने के बाद आवश्यक ट्यूशन शुल्क का भुगतान करें और स्कॉलरशिप, छात्रवीजा, एजुकेशन लोन और छात्रावास के लिए आवेदन करें.

भारतीय विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)